news@group5.in group5news group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || रविवार || 27 अप्रैल , 2025   वर्ष: 17 || अंक : 127 || पृष्ठ: 12 || मूल्य: 2/-

अंदर पढ़ें
» 07 ओरा की भव्य ज्वेलरी के साथ मनाईये अक्षय...
» 08 मुंबई यदि लखनऊ से मैच जीतती है तो होगी खिताब...
» 11 साई को रिलेशनशिप में मिला धोखा

दिल्ली वक्फ की संपत्ति महज 12 साल में 9 से 1047 हुई

दिल्ली वक्फ बोर्ड ने 2013 से 1,047 संपत्तियां हासिल कीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2013 में वक्फ एक्ट, 1995 में एक बदलाव किया गया था। इस बदलाव से पहले, बिना रजिस्ट्रेशन वाले वक्फ पर कोई दावा नहीं कर सकता था लेकिन बदलाव के बाद वक्फ बोर्ड की संपत्तियों में भारी बढ़ोतरी हुई है। पहले पूरे देश में वक्फ बोर्ड के पास 2,07,394 संपत्तियां थीं। इनका क्षेत्रफल 18.3 लाख एकड़ था। 2013 में संशोधन होने के बाद, ये संपत्तियां बढ़कर 8,72,870 हो गईं। अब इनका क्षेत्रफल 39 लाख एकड़ हो गया है। दिल्ली वक्फ बोर्ड का उदाहरण लेते हैं। 2013 में उनके पास सिर्फ नौ संपत्तियां थीं। इनका क्षेत्रफल 0.03 एकड़ था। लेकिन 2025 तक, उनके नियंत्रण में 1,047 संपत्तियां हो गईं। इनका क्षेत्रफल 28 एकड़ हो गया है।

आतंकी हमले के बाद झारखंड में एटीएस की छापेमारी

पति-पत्नी समेत 6 हिरासत में

धनबाद (एजेंसी)। एंटी टेररिस्ट स्क्वाड को मिली खुफिया सूचना के आधार पर धनबाद के वासेपुर समेत कई लोकेशन पर छापेमारी की गई। एटीएस के एसपी ऋषभ झा खुद इस छापेमारी को लीड कर रहे हैं। अब तक इस कार्रवाई में आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि इनका कनेक्शन पुलवामा हमले से जुड़े होने की संभावना है। इसकी खुफिया जानकारी मिलने के बाद झारखंड एटीएस की टीम ने बैंकमोड थाना क्षेत्र के वासेपुर और भूली थाना क्षेत्र के 9 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की है। छापेमारी में कई आपत्तिजनक सामान के अलावा भड़काऊ धार्मिक पुस्तकें बरामद की गई हैं।

भारत के हमले की आशंका के बीच चीन की शरण में पाक

युद्ध के लिए मांगी मदद!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को भारत के हमले का डर सता रहा है। पिछले दो दिनों से भारत को परमाणु हमले की धमकी देने वाले पाकिस्तान ने नई पैंतरेबाजी शुरू कर दी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जहां निष्पक्ष जांच ऑफर किया है, वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इंटरनेशनल जांच की मांग कर डाली है। लेकिन भारत के तेवर को देखते हुए पाकिस्तान चीन की शरण में पहुंच गया है।

बेतवा नदी पर संकट! यूपी में थम गई जलधारा

- भीषण गर्मी से नाले में तब्दील हो गई पौराणिक नदी, गहराया संकट
- पैदल ही पार कर रहे लोग, तटवर्ती इलाकों के सैकड़ों गांवों में चिंता

हमीरपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में जीवनदायिनी बेतवा नदी अब सूरज की तपिश में नाले में तब्दील होने के मुहाने आ गई है। अप्रैल महीने के दूसे पखवारे की शुरुआत में ही बेतवा नदी का प्रवाह थम गया है। कई जगहों पर इसकी जलधारा विलुप्त हो गई है। इस नदी की दुर्दशा प्रतिबंधित मशीनो से मौरंग खनन के कारण हुई है। बेतवा नदी पर मंडराए संकट को लेकर तटवर्ती इलाकों के गांवों के लोगों में बेचौनी देखी जा रही है। खासकर अवारा मवेशियों के सामने पीने के पानी का संकट गहरा गया है। हमीरपुर में जलवायु कर्क रेखा के समीप रहने से यमुना नदी के उत्तरी भाग की अपेक्षा शुष्क भी रहती है। यमुना नदी 77 किलोमीटर की लम्बाई में बहकर ढाई सौ वर्ग किमी क्षेत्र को ऊबड़ खाबड़ बनाए है। कमोबेश यही स्थिति बेतवा नदी की है, जो सूख गई है। लिफ्टर और पोकलैंड जैसी प्रतिबंधित मशीनों से दिन रात मोरम का खनन होने के कारण बेतवा नदी का अस्तित्व अब खतरे पर पड़ गया है। किसी जमाने में गर्मी के दिनों में लोग नाव से बेतवा नदी पार करते थे लेकिन अब लोग पैदल ही नदी पार कर लेते हैं। इसका जल भी अब आचमन करने लायक नहीं रहा। भीषण गर्मी में किसी जमाने में यह नदी पानी से लबालब रहती थी। इसकी जलधारा का प्रवाह तेज था। यहां के लोग सुबह और शाम नदी किनारे घूमने जाते थे। मगर अब तो पूरी नदी में जलधाराएं नहीं बची हैं। बीच-बीच में थोड़ा बहुत पानी जरूर देखने को मिल जाता है। निषाद लोगों ने नदी के बीच रेत में ही सब्जी की बारी लगा रखी है। इस नदी की दुर्दशा भी देखिए कि इसे कोई भी पैदल पार कर सकता है।

सूरज की तपिश में कई किमी के दायरे में नाले में तब्दील हो गई है। हमीरपुर शहर के डिग्गी रमेड़ी के पास बेतवा नदी किनारे गहरे पानी में कई दशक पहले लगाई गई लिफ्ट केनाल का संचालन ठप हो गया है जबकि सहजना गांव के पास बेतवा नदी में संचालित लिफ्ट केनाल भी पानी कम होने के कारण प्रभावित हुई है।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 की मौत

- शवों के उड़े चीथड़े, पॉलिथीन में बटोकर ले गई पुलिस

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर के देवबंद में शनिवार सुबह एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है, क्योंकि घटना के वक्त फैक्ट्री के अंदर 10 से ज्यादा लोग मौजूद थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरी बिल्डिंग ढह गई। शवों के चीथड़े 100 से 150 मीटर दूर तक जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके की आवाज 2 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के समय ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो।

सुरक्षाबलों के ऑपरेशन का लाइव टेलीकास्ट न करे मीडिया

पहलगाम हमले के बाद मोदी सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शनिवार को मीडिया आउटलेट्स से सेना के ऑपरेशन्स और सुरक्षा बलों की आवाजाही का लाइव टेलीकास्ट न करने का निर्देश दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि ऐसी रिपोर्टिंग से अनजाने में दुश्मनों को मदद मिल सकती है। यह सलाह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद रक्षा मामलों पर रिपोर्टिंग के मद्देनजर जारी की गई है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

आतंक के आकाओं के बम से उड़ाए जा रहे घर

- शोपियां, कुलगाम और पुलवामा में सेना का ऐक्शन जारी
- कश्मीर में 7 आतंकवादियों के घर ब्लास्ट से उड़ाए
- टीआरएफ बोला-पहलगाम हमले में हमारा हाथ नहीं
- पाकिस्तानी पीएम बोले-हर निष्पक्ष जांच को हैं तैयार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में अब तक 7 आतंकवादियों के घर गिराए जा चुके हैं। सेना ने त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान यह एक्शन लिया। द कश्मीर रेजीस्टेंस फ्रंट ने पहलगाम हमले के 3 दिन बाद अटैक की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है। हमले के बाद सबसे पहले टीआरएफ ने ही इसकी जिम्मेदारी ली थी। गुजरात में शनिवार सुबह 500 से ज्यादा घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सूरत और अहमदाबाद में घुसपैठियों पर कार्रवाई की। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्रियों से अपील की थी कि घुसपैठियों की जल्द से जल्द पहचान करें और उन्हें वापस उनके देश भेजें। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि वे पहलगाम अटैक की हर निष्पक्ष जांच में शामिल होने को तैयार हैं। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हर बार आरोप लगते हैं और यह बर्दाश्त नहीं है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जांच की बात कर रहे हैं और दूसरी ओर पाकिस्तान की फौज ने लगातार दूसरे दिन एलओसी पर गोली बारी की। भारतीय फौज ने जवाब दिया।

- **फॉरेन सरकारों से बोला भारत- पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ-** पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 वर्ल्ड लीडर्स को फोन कर आतंकी हमले की जानकारी दी। एक रिपोर्ट में दावा किया कि प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड लीडर्स को यह बताया कि शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान का ही हाथ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बात के भारत के पास तकनीकी इनपुट्स हैं और हमारे सोर्सेस ने भी यह कन्फर्म किया है। दिल्ली में 30 डिप्लोमैट्स की भी एक मीटिंग हुई, जिसमें भारत ने यही जानकारी दी।

हरियाणा में दर्दनाक हादसा, 7 लोगों की मौत

- पिकअप ने सफाई करने आए 11 लोगों को कुचला
- एक्सप्रेस वे पर बिखरी लाशें, कई शवों के 2 टुकड़े हुए

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह में शनिवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार पिकअप ने 11 लोगों को कुचल दिया, जिसमें 6 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में 4 महिलाएं गंभीर घायल हैं। हादसा इतना भयानक था कि कई शवों के 2 टुकड़े हो गए। ये सभी एक्सप्रेसवे पर सफाई का काम करने आए थे। मरने वालों में 4 महिलाएं एक ही परिवार की थीं। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। सूचना के बाद फिरोजपुर झिरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को अल आफिया अस्पताल मांडीखेड़ा में रखवाया। जानकारी के मुताबिक इब्राहिमबास गांव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सफाई का काम चल रहा है। ठेकेदार ने कई गांवों के लोगों को इस काम में लगाया हुआ है। शनिवार सुबह 11 लोग सफाई करने के लिए पिकअप गाड़ी से उतर रहे थे। इसी दौरान गुरुग्राम की तरफ से आई तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने उन्हें कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 6 महिलाओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, एक पुरुष और 4 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी को अस्पताल पहुंचाया। यहां पुरुष ने भी दम तोड़ दिया। घायल महिलाओं में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है, जिन्हें नल्हड़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर लाशें बिखरी दिखीं। कई शवों के टुकड़े हो गए।

मुंबई पुलिस बोली- पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा तहव्वुर

- घुमा-फिराकर जवाब दे रहा आतंकी हमले का मास्टरमाइंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई पुलिस के मुताबिक 2008 मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 23 अप्रैल को दिल्ली में एनआईए दफ्तर में आरोपी राणा से करीब 8 घंटे पूछताछ, जिसमें उसने घुमा-फिराकर जवाब दिए थे। दिल्ली में क्राइम ब्रांच भी राणा से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश जारी है कि लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 26/11 हमले के लिए 3 साल से ज्यादा समय तक क्या तैयारी की और क्या योजना बनाई थी। राणा से उन लोगों के बारे में भी सवाल पूछे जा रहे हैं, जिनके नाम हमले के दौरान आतंकियों और उनके हैंडलर्स के बीच इंटरसेप्ट की गई बातचीत में सामने आए थे। इनमें अब्दुर रहमान हाशिम सईद, साजिद मजीद, इलियास कश्मीरी और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे बड़े आतंकी शामिल हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राणा को 28 अप्रैल तक 18 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा है। कस्टडी के दौरान एनआईए रोजाना राणा से पूछताछ की एक डायरी तैयार कर रही है। आखिरी दौर की पूछताछ के बाद डिसक्लोजर स्टेटमेंट में उसे रिकॉर्ड पर लिया जाएगा। यह केस डायरी का हिस्सा होता है। 25 अप्रैल को कोर्ट ने राणा की वह याचिका खारिज कर दी थी।

पीएम ने कहा-युवाओं के लिए अवसरों का अच्छा समय

15वां रोजगार मेला, 51000 युवाओं को बांटे जॉब लेटर

- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15वां रोजगार मेले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 51,000 से ज्यादा युवाओं को जॉब लेटर बांटें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा- यह युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रही है कि देश में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ते रहें। रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 47 स्थानों पर किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का हवाला देते हुए मोदी ने कहा कि, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल और फुटवियर इंडस्ट्री में प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार पैदा हुए हैं।

प्रधान मंत्री ने बताया कि अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से संभाले जाने वाले कार्गो 2014 से पहले 18 मिलियन टन से बढ़कर 145 मिलियन टन हो गए हैं, जबकि राष्ट्रीय जलमार्ग पांच से बढ़कर 110 हो गए हैं और उनकी लंबाई 2,700 किमी से बढ़कर 5,000 किमी से अधिक हो गई है।

भोपाल के इंजीनियर की दुल्हन पाकिस्तान में फंसी, वीजा रोका

- पहलगाम हमले के बाद भारत आने की अनुमति नहीं

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के हार्डवेयर इंजीनियर उवैस की दुल्हन हिरा पाकिस्तान में फंस गई है। पहलगाम आतंकी हमले के पाकिस्तान ने उनके वीजा को मंजूरी नहीं दी। इससे उनका भारत आना एक बार फिर टल गया। यह पहली बार नहीं है जब राजनीतिक हालात ने उनके रिश्ते में रुकावट डाली है। इससे पहले पुलवामा हमले के समय भी इनकी शादी की तैयारियां अंतिम दौर में थीं। हिरा अपने परिवार के साथ भारत आने वाली थी लेकिन हमले के बाद वीजा अस्वीकृत हो गया। तब ऑनलाइन निकाह ही आखिरी विकल्प बचा था। मार्च 2024 में ही दोनों ने ऑनलाइन निकाह किया था।

जल्दी ही कई रूट पर चलेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

- कोलकाता में नई फैक्ट्री की शुरुआत, टीआरएसएल और बीएचईएल ने मिल कर लगाई

कोलकाता (एजेंसी)। देश में पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलने के लिए तैयार है। इस तरह की पहली रेलगाड़ी नई दिल्ली से कोलकाता के हावड़ा स्टेशन के बीच चलेगी। इसके लिए दो ट्रेन सेट बना कर तैयार कर लिया गया है। अब अन्य मार्गों पर भी इस ट्रेन को चलाने की तैयारी है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त प्रोडक्शन नहीं हो पा रहा है। लेकिन अब यह शिकायत भी दूर हो जाएगी। आज ही कोलकाता के उत्तरपाड़ा में एक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की फैक्ट्री की शुरुआत हुई है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की नई फैक्ट्री कोलकाता के उत्तरपाड़ा में बनी है। इसे टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने मिलकर बनायी है। उन्होंने वहां वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के लिए एक खास प्रोडक्शन लाइन बनाई है। टीआरएसएल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर उमेश चौधरी और बीएचईएल की डायरेक्टर बानी वर्मा ने इस प्रोडक्शन लाइन का उद्घाटन किया। टीआरएसएल को भारतीय रेलवे से 80 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। यह कॉन्ट्रैक्ट टीआरएसएल और बीएचईएल के बीच एक समझौते के तहत हुआ है। उत्तरपाड़ा यूनिट में अब काम शुरू हो गया है। उम्मीद है कि पहली ट्रेन अगले साल तक बनकर तैयार हो जाएगी। इस फैक्ट्री में इंडस्ट्री 4.0 की खूबियां हैं और रोबोट से काम करने वाली लाइनें भी हैं।

एसीपी से शिकायत कर बुजुर्ग ने जमीन से अवैध कब्जा हटाये जाने की मांग की

एसीपी मोहनलालगंज ने दिए जांच के आदेश

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी अंकित शुक्ला व एसीपी रजनीश वर्मा ने प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह समेत राजस्वकर्मियो की मौजूदगी में फरियादियों की शिकायतें सुनी। एसीपी रजनीश वर्मा से शिकायत करते हुये किसान ऋषभ जैन निवासी ओमनगर आलमबाग ने एसीपी से करते हुये बताया मोहनलालगंज तहसील के हरकंशगढी में उनकी गांटा स0-219/222/223 पुश्तैनी जमीन है ओर गांटा स0-224 में विक्रय अनुबंध के आधार पर 1995 से काबिज है।उनकी पुश्तैनी जमीनो के बगल में कुछ एक किसानो की जमीने खरीदकर एक बिल्डर ने प्लाटिंग करते हुये काफी प्लाट काटकर बेचे है। उक्त बिल्डर ने उसकी पुश्तैनी जमीन में प्लाट दिखाकर रजिस्ट्री कर कब्जा करने की कोशिश की जब विरोध किया तो बिल्डर व उसके गुर्गों ने जमीन पर दिखाई देने पर जान से मारने की धमकी दी, पूरे मामले की चार महीने पहले मुख्यमंत्री कार्यालय में करते हुये कार्यवाही की मांग की थी जिसके बाद तत्कालीन एसडीएम ने जमीन की नाप कराकर कब्जे से मुक्त कराये जाने के आदेश दिये थे,लेकिन कभी राजस्व व कभी पुलिस टीम ना होने की बात कहकर जमीन की नाप नही करायी गयी,जब उसने पूरे मामले की 26मार्च को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब से करते हुये बिल्डर के कब्जे से जमीन को बचाने की गुहार लगायी तो उन्होने पु:न मोहनलालगंज एसडीएम को राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम भेजकर शिकायत का निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिये। लेकिन एसडीएम ने जमीन का धारा-80होने के चलते बिना न्यायालय के आदेश के पैमाईश किये जाने से मना कर दिया। जिसके चलते मनबढ बिल्डर जमीन पर बराबर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। पीड़ित ने शनिवार को एक बार फिर से थाना समाधान दिवस में शिकायत करते हुये बिल्डर पर कार्यवाही की मांग की लेकिन उसे निराशा हाथ लगी।दूसरी शिकायत बुजुर्ग देवी दयाल वर्मा ने करते हुये बताया उन्होने अपनी गांढी कमाई से जुटाये पैसो से 2010 में जैतीखेड़ा गांव में किसान कल्लू से कृषि योग्य जमीन खरीदी थी लेकिन दाखिल खरीज नही कराया था.2017 में किसान कल्लू की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने के बाद उक्त जमीन बेटे मोलहे, अलीजान व पत्नी रशीदाबेगम के नाम वरासत चढ गयी जिसके बाद उक्त सभी ने जमीन पर कब्जा कर लिया,न्यायालय के आदेश पर 28 अगस्त2024 को खतौनी से उक्त सभी का नाम खरीज कर बैनामें के आधार पर उसके नाम खतौनी में चढ गयी।तब से उक्त सभी का जमीन से कब्जा हटाने के लिये तहसील समेत थाने में दर्जनो शिकायते करने के बाद भी कोई कार्यवाही नही हुयी। एसीपी रजनीश वर्मा ने बुजुर्ग की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये निस्तारण कराये जाने के आदेश दिये। तीसरी शिकायत अमित कुमार निवासी कनकहा ने करते हुये बताया बीते गुरूवार की देर रात उसके बहनोई नीरज निवासी बाजूपुर थाना गोसाईगंज लखनऊ से मजदूरी कर अपनी बाइक से कनकहा स्थित ससुराल आ रहे थे तभी बिंदौवा गांव के पास उन्हे चक्कर आ गया ओर वो बेहोश हो गये अगले दिन सुबह जब उन्हे होश आया तो बाइक व मोबाइल गायब था। एसीपी ने शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये इंस्पेक्टर को जांच कर कार्यवाही किये जाने के आदेश दिये।

थाना समाधान दिवसों में नहीं पहुंचे तहसील अफसर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने भले ही प्रदेश के सभी थानो में आयोजित होने वाले समाधान दिवसो में राजस्व विभाग के अफसरो को पहुंचकर शिकायत सुनने के निर्देश दे रखे है.लेकिन सीएम का आदेश राजधानी में ही धराशायी है, शनिवार को गोसाईगंज, नगराम, निगोहां व मोहनलालगंज थानो में आयोजित समाधान दिवसो में सुबह दस बजे से लेकर एक बजे तक कोई भी तहसील अफसर शिकायते सुनने नही पहुंचा, केवल खानापूर्ति के लिये राजस्वकर्मियो को भेज दिया गया। इस दौरान राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायते लेकर पहुंचे फरियादियों को मायूषी हाथ लगी। सोशल मीडिया पर अफसरो के समाधान दिवस में ना पहुंचने की खबर व फोटो वायरल हुयी जिसके बाद एसडीएम अंकित शुक्ला ने डेढ बजे के करीब मोहनलालगंज थाने में शिकायते सुनने पहुंचे ओर निगोहां थाने में नायाब तहसीलदार ने पहुंचकर शिकायते सुनी लेकिन नगराम व गोसाईगंज थानो में समाधान दिवस की समाप्ति तक कोई भी तहसील अफसर नही पहुंचा।

राष्ट्रीय किसान मंच ने पहलगाम हमले के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय किसान मंच ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में हजरतगंज स्थित गाँधी प्रतिमा पर मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय किसान मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष ने पवन दुबे ने कहा कि मंच घटना की कठोर शब्दों में निंदा करता है। यह हमला मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध है, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि हम इस दुःखद घटना में शहीद हुए सभी निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। राष्ट्रीय किसान मंच इस कठिन समय में सरकार की ओर से उठाए जा रहे हर आवश्यक कदम का पूर्ण समर्थन करता है और आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। मंच के पदाधिकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। मंच कि वरिष्ठ नीरा सक्सेना ने कहा कि इस अमानवीय कृत्य ने देश के हर नागरिक के हृदय को आहत किया है। मंच इस हमले में शहीद हुए सभी निर्दोष नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और शोकाकुल परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद जैसी कायराना हरकतों के खिलाफ हमारी सहनशीलता की कोई सीमा नहीं है। हम इस लड़ाई में सरकार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और आतंकवाद के विरुद्ध किसी भी प्रकार की सख्त कार्रवाई का पूर्ण समर्थन करते हैं। इस अवसर पर पंकज, रवि श्रीवास्तव, रोहित रमवापुरी, सौरभ, तानिश सहित दर्जनों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

मजदूर महिला की झोपड़ी में लगी आग

» सारा सामान जलकर हुआ राख

» बेटी की शादी के जेवरात व नगदी जलकर हुआ राख

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। निगोहां क्षेत्र के मीरकनगर गांव में महिला मजदूर चंदावती अपनी बेटी काजल के साथ फुस की झोपड़ी बनाकर रहती थी। शनिवार की सुबह मां चंदावती के मजदूरी पर जाने पर बेटी काजल झोपड़ी के अंदर चुल्हे में खाना बना रही थी तभी अचानक से चुल्हे निकली चिंगारी से फुस की झोपड़ी में भीषण आग लग गयी, देखते ही देखते कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप से ले लिया ओर झोपड़ी में रखा गृहस्थी का सामान, गहने व 15हजार रूपये व आंठ कुतल के करीब गेहूं समेत सारा सामान जलकर राख हो गया। सूचना के काफी देर बाद तक फायर बिग्रेड वाहन मौके पर नही पहुंचा। पीड़ित महिला मजदूर ने बताया उसने बेटी काजल के विवाह के लिये गेहूं कटान कर आठ कुंतल गेंहू इकट्ठा किये थे ओर 50हजार रूपये कीमत के सोने चांदी के जेवरात 15हजार रूपये की नगदी भी इकट्ठा की थी। इतना कहते हुये उसकी आंखो से आंसुओ की धार फूट पड़ी ओर बोली अब कैसे मै अपने बेटी के हाथ पीले करूगी। गरीब महिला मजदूर का आशियाना जलने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसडीएम अंकित शुक्ला ने आपूर्ति विभाग को खाने के लिये पीड़ित परिवार को राशन मुहैया कराये जाने के निर्देश देते हुये नायाब तहसीलदार गुरूप्रीत को विभागीय मदद दिलाये जाने के लिये रिपोट मांगी। एसडीएम के आदेश के बाद आपूर्ति विभाग ने पीड़ित महिला मजदूर को खाने के लिये राशन समेत अन्य सामान उपलब्ध कराया। वही युवा समाजसेवी नवीन मिश्रा ने भी मौके पर पहुंचकर पीड़िता को नगद राशि समेत जरूरी सामान व नए कपड़े देते हुये आगे भी बेटी की शादी में हर सम्भव मदद किये जाने का भरोसा दिलाया।

दवा कम्पनी के ऑफिस के बाहर खड़ी गाड़ी चोरी

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। सरोजनीनगर इलाके से बेखौफ चोर ने करीब सप्ताह भर पहले एक दवा कंपनी के कार्यालय के सामने खड़ी बाइक चोरी कर ली। पीड़ित ने जानकारी होने के बाद सीसीटीवी कैमरे चेक कराए तो एक युवक बाइक ले जाते साफ नजर आया। इसके बाद पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस सीसीटीवी कैमरों के जरिए चोर का सुराग लगा रही है। सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर, कानपुर रोड स्थित आरुषि इंटरप्राइजेज सिपला लिमिटेड के कर्मचारी पौरूष यादव के मुताबिक बीती 21 अप्रैल को सुबह करीब 9:30 बजे उन्होंने अपने ऑफिस के सामने अपनी पैशन प्रो बाइक (यूपी 32 एफसी 2846) खड़ी कर दी और अंदर चले गए। शाम को जब 6:30 बजे बाहर निकले तो बाइक वहां से गायब मिली। बाद में आसपास तलाश की, लेकिन बाइक का पता नहीं चला। तब उन्होंने पुलिस के 112 नंबर पर सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। बाद में जब सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए तो एक युवक उक्त बाइक को ले जाते साफ नजर आया। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद उसने सरोजनी नगर थाने में मामले की तहरीर के साथ सीसीटीवी फुटेज भी दिए। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए बाइक चोरी कर ले जाने वाले आरोपी का पता लगा रही है।

दिल्ली से लखनऊ आ रही फ्लाइट का एसी कूलिंग ठप, यात्रियों को हुई घुटन

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। दिल्ली से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट में एसी कूलिंग ठप होने से यात्री परेशान हो गए। मामले की शिकायत एयरलाइन से की गई है। इस पर एयरलाइन प्रशासन ने खेद जताया। मामला एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-2460 का है। बीते शुक्रवार रात करीब सवा नौ बजे विमान दिल्ली से रवाना हुआ। विमान को रात 10:20 बजे अमौसी एयरपोर्ट पहुंचना था। विमान के यात्रियों ने शिकायत दर्ज कराई कि अव्वल दिल्ली एयरपोर्ट पर एक महिला यात्री के इंतजार में विमान को खड़ा रखा गया। इसके बाद जब फ्लाइट ने टेकऑफ किया तो महज दस मिनट बाद ही कूलिंग की शिकायत की गई। एसी कूलिंग नहीं होने से यात्री परेशान हो गए। विमान के अंदर बुजुर्ग व महिला यात्रियों को घुटन होने लगी। क्रू सदस्यों से इसकी शिकायत की गई, पर वे खुद को असहाय महसूस कर रही थीं। यात्रियों ने सोशल मीडिया एक्स पर एयरलाइन प्रशासन से मामले की शिकायत की। इस पर एयरलाइन ने खेद जताया। लेकिन दिल्ली से लखनऊ आने के दौरान यात्रियों को गमर्मी व घुटन में ही सफर करना पड़ा।

ट्रेनों में सफर मुहाल

भयंकर गमर्मी के बीच ट्रेनों की जनरल बोगियों में सफर मुहाल हो गया है। शनिवार को जम्मू से लखनऊ आने वाली जम्मूतवी कोलकाता एक्सप्रेस आदि ट्रेनों की जनरल बोगियों के यात्री ठसाठस भरे थे। पसीने से लथपथ मुसाफिरों ने इसकी शिकायत की। लेकिन जनरल बोगियों में क्षमता से अधिक यात्रियों के बैठने के चलते मुश्किलें हो रही है।

रोडवेज बस से डीजल चोरी करते चालक सहित दो पकड़े गये

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। परिवहन निगम की बस से डीजल चोरी करने वाले संविदा चालक को साथी के साथ सीएमओ कार्यालय के पास पकड़ा गया हैं। चालक व डीजल खरीदने वाला बस से डीजल निकालते हुए रंगेहाथ धर लिया गया। अधिकारियों ने वजीरगंज थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। कैसरबाग डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक योगेंद्र सेठ ने बताया कि मामला शनिवार सुबह साढ़े सात बजे का है। बुकिंग क्लर्क आमिर जावेद ड्यूटी पर आ रहे थे। उन्होंने बहराइच डिपो की बस उलटी दिशा में खड़ी देखी तो संदेह हुआ। पड़ताल पर बस से डीजल चोरी करते हुए चालक को साथी के साथ पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि सूचना पर अवध डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सत्यनारायण चौधरी भी पहुंचे थे। बहराइच डिपो की बस संख्या यूपी 40 टी 5510 से डालीगंज निवासी परवेज आलम 50 लीटर की पिपिया में बस से डीजल निकाल रहा था। पास में ही संविदा चालक शरीफ अहमद खड़ा था। वजीरगंज थाने में मामला दर्ज करवाया गया, जहां पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में बताया कि बसों से डीजल चोरी कर अन्य जिलों में भी बेचा जा रहा था। कैसरबाग डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक योगेंद्र सेठ ने बताया कि हर महीने 750 लीटर चोरी किया जा रहा था।

उलटी दिशा में खड़ी कर दी बस, पकड़ा गया

बहराइच डिपो की इस बस का मुंह कैसरबाग की ओर था, जबकि सीएमओ ऑफिस के पास खड़ी होने वाली बसों की दिशा रेजीडेंसी की तरफ रहता है। अन्य बसों से यह उलटी दिशा में खड़ी थी। शक होने पर पड़ताल की गई और डीजल चोरी पकड़ी गई। चालक शरीफ अहमद ने पुलिस को बताया कि डीजल चोरी करने के बाद उसका एवरेज मेंटेन करने के लिए बसों को खाली दौड़ाया जाता था। यात्रियों का लोड कम होने पर डीजल औसत निकल आता था।

गोसाईगंज चेयरमैन ने इंटरमीडिएट की दो मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

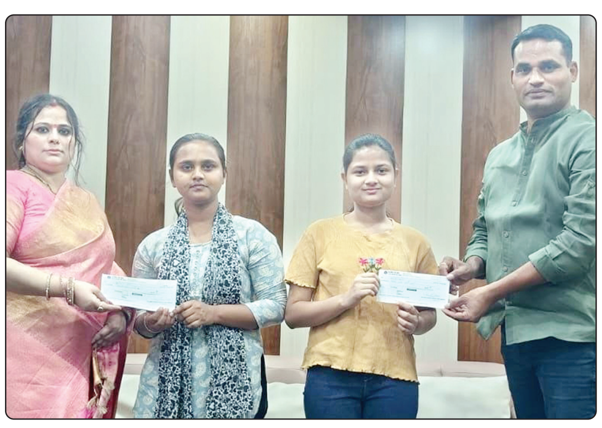

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज चेयरमैन ने शादी की वर्षगांठ अनूठे अंदाज में मनायी। मेधावी दो छात्राओं को 11-11हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। गोसाईगंज नगर पंचायत के चेयरमैन निखिल मिश्रा ने शनिवार को अपने विवाह की वर्षगांठ पत्नी नेहा मिश्रा संग अनूठे अंदाज में मनाते हुये यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट की परीक्षा में लखनऊ में पांचवा स्थान लाने वाली छात्रा आख्या गुप्ता व दसवां स्थान लाने वाली छात्रा करिश्मा रावत को 11-11 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि का चेक देकर सम्मानित किया। चेयरमैन के द्वारा अपनी शादी के वर्षगांठ पर मेधावी छात्राओ को सम्मानित किये जाने की क्षेत्रीय लोगो ने सराहना की।

कोतवाल ने टॉप करने वाली बालिकाओं को किया सम्मानित

लखनऊ। गोसाईगंज में इलाके में रहने वाली छात्राओं को यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा में टॉप करने पर कोतवाली प्रभारी गोसाईगंज ब्रिजेश कुमार त्रिपाठी ने शनिवार को उन्हें पुष्प गुच्छ भेटकर उन्हें सम्मानित करने के साथ मिठाई खिलाकर उन्हें सम्मानित किया। इंटर मीडिएट की परीक्षा में आख्या गुप्ता निवासी-मातन टोला गोसाईगंज ने आख्या गुप्ता 89.6प्रतिशत, करिश्मा रावत निवासी-सदरपुर गोसाईगंज ने 88.6प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

आत्महत्या के लिए उकसाने में पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पत्नी और उसके प्रेमी को मड़ियांव पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। पिता ने बहू और उसके प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। अनिल शर्मा (32) का शव 20 अप्रैल को मड़ियांव के पीपा वाले पुल के पास नाले में मिला था। फैजुल्लागंज निवासी परचून की दुकान पर काम करने वाने अनिल शर्मा का शव 20 अप्रैल को नाले में मिला था। पिता गुड्डू ने अनिल की पत्नी पलक शर्मा व उसके नाबालिग प्रेमी के खिलाफ हत्या कर शव नाले में फेंके जाने का आरोप लगा मुकदमा दर्ज कराया था। जांच में सामने आया कि अनिल पत्नी प्रेमा द्वारा प्रेमी से फोन पर बात किए जाने को लेकर परेशान था। इस कारण अनिल ने आत्महत्या कर ली। अनिल की पत्नी पलक व उसके प्रेकी को पकड़ लिया गया है। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा के मुताबिक दुर्गापुरी कॉलोनी निवासी पलक शर्मा व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एनसीसी 'सी' प्रमाण पत्र परीक्षा का किया आयोजन

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। तीन यूपी नेवल यूनिट एनसीसी, लखनऊ की ओर से प्रशिक्षण वर्ष 2024-25 एनसीसी 'सी' प्रमाण पत्र परीक्षा का आयोजन किया गया था, जिसमें लखनऊ के विभिन्न महाविद्यालयों से 48 सीनियर डिविज़न तथा 25 सीनियर विंग सहित कुल 73 नेवल कैडेट्स सम्मिलित हुए थे। परीक्षा का परिणाम 100 प्रतिशत रहा जिससे यूनिट का गौरव बढ़ा। 3 यूपी नेवल यूनिट एन.सी.सी परिसर में आयोजित विशेष समारोह में कैडेट्स को 'सी' प्रमाण पत्र यूनिट के कमान अधिकारी कमांडर गौरव शुक्ला द्वारा प्रदान किए गए। इस समारोह में विभिन्न कालेजों के ए.एन.ओ एवं सी.टी.ओ, पी0आई तथा सिविल स्टाफ भी उपस्थित रहे और सफल कैडेट्स को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कमांडर गौरव शुक्ला ने सफल कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि एन.सी.सी कैडेट्स देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं और यह प्रमाण पत्र उनके समर्पण और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कौडेटों को अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए समय का सही प्रबंधन करने की सलाह दी।

'कांग्रेस पार्टी अब शहर कांग्रेस व जिला कमेटी के लोगों की राय से फैसला लेगी'

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। शहर कांग्रेस कमेटी (दक्षिणी) लखनऊ के बैनर तले संगठन कार्यक्रम की महत्वपूर्ण बैठक की गई जिसमें शहर कांग्रेस कमेटी के जिम्मेदार लोग शामिल हुए। इस बैठक की अध्यक्षता शहर अध्यक्ष डॉक्टर शहजाद आलम ने की। अपने वक्तव्य में डॉक्टर शहजाद आलम ने दिल्ली में हुई बैठक में लिए गए निर्णय और अहमदाबाद में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में लिए गए फैसले पर बात की। कांग्रेस पार्टी अब शहर कांग्रेस व जिला कमेटी के लोगों की राय से फैसला लेगी। कार्यक्रम का संचालन सैयद हसन अब्बास ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरिनाम सिंह चौहान, मोहम्मद नोमान, प्रज्ञा सिंह बलदेव सिंह लाठी, अजय वर्मा, अरशी भाई, मोहम्मद शोएब, मो शकील, प्रमोद दुबे, मोहम्मद हाशिम, जैसराम पाल, राम चन्द्र, राम लखन वर्मा आदि सैकड़ों लोग शामिल हुए।

ज़ेवर एयरपोर्ट रेड जोन घोषित

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को रेड जोन घोषित कर दिया गया है।नागर विमानन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय एवं सुरक्षा एजेंसियों के निर्देश पर आठ अक्टूबर 2024 से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को रेड जोन (नो-ड्रोन फ्लाई जोन) घोषित किया गया है। यह जानकारी पुलिस मुख्यालय से दी गई। पुलिस मुख्यालय से जारी पत्र में कहा गया है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ऊपर एवं इसके आसपास के क्षेत्र में ड्रोन अथवा किसी भी प्रकार के अनमैन्ड एरियल व्हीकल (नाट) उड़ाने पर पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाया गया है। यह प्रतिबन्ध एयरपोर्ट की सुरक्षा एवं वायु क्षेत्र की निगरानी को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है। इस क्षेत्र में बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाना भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम-1934 एवं यूएवी संचालन से सम्बन्धित नियमों के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध है।

उपलब्धि: निर्धारित समय सीमा से पूर्व ही अंतिम चरण में पहुंचा गंगापुल के रखरखाव का कार्य

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की हैं, जिसके अंतर्गत मंडल के लखनऊ-कानपुर पुल बायां किनारा रेलखंड पर स्थित गंगा पुल ब्रिज संख्या 110 पर विगत 20 मार्च से चल रहे रखरखाव और मरम्मत के कार्य को पूर्ण करने की निर्धारित अवधि 30 अप्रैल (कुल 42 दिन) थी। यह कार्य अपने निर्धारित समय से पहले ही संपन्न होने के अपने अंतिम चरण में है। इसे 28 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। इस कार्य के तहत 857 मीटर लंबे इस ब्रिज पर 1706 स्लीपर बदले गए हैं। इस कार्य के उपरांत इस ब्रिज पर गाड़ियों के संरक्षित और समयबद्ध परिचालन को एक नई दिशा मिलेगी। इस रखरखाव कार्य के बाद इस रेलपथ पर 29 अप्रैल से गाड़ियों का संचालन शुरू हो जाएगा। शुरुआत में गाड़ियों को 15 किमी. प्रतिघंटा, इसके बाद 30 किमी. प्रतिघंटा और उसके बाद 45 किमी. प्रति घंटा की निर्धारित गति से चलाया जाएगा। इसी क्रम में शनिवार को मंडल रेल प्रबंधक, एसएम शर्मा मंडल के अन्य अधिकारियों के साथ गंगापुल पर पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने इसके रखरखाव एवं इसकी मरम्मत के कार्यों की कार्य प्रक्रिया एवं गुणवत्ता को बारीकी से परखा एवं इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए । उन्होंने निर्धारित समय से पूर्व संपन्न किए जाने वाले इस कार्य में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने ब्रिज संख्या 77 के निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया ।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, कुलदीप तिवारी ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक ने लखनऊ से गंगापुल की ओर आते समय विंडो ट्रेलिंग करते हुए लखनऊ-कानपुर पुल बायां किनारा रेल खंड की विंडो ट्रेनिंग करते हुए रेल पथ की संरक्षा को परखा। उन्होंने गर्मी के मौसम में पटरियों में होने वाले बदलाव को ध्यान में रखते हुए रेलपथ के उचित रखरखाव करने की बात कही। इस निरीक्षण कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक, सचिन वर्मा सहित अन्य विभागों के शाखाध्यक्ष एवं अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर डीजीपी सख्त

धार्मिक स्थलों पर रहें विशेष सतर्क

- अराजक तत्व बिगाड़ सकते हैं यूपी का माहौल : डीजीपी
- हाई अलर्ट पर रहे यूपी पुलिस
- कश्मीरी छात्रों एवं दुकानदारों आदि की सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुये आतंकवादी हमले के बाद डीजीपी प्रशांत कुमार ने मातहतों को निर्देश दिए हैं कि कुछ असामाजिक एवं शरारती तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने की साजिश रची जा सकती है। लिहाजा पुलिस हाई अलर्ट पर रहे और धार्मिक स्थलों, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, कश्मीरी छात्रों एवं दुकानदारों आदि की सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं। डीजीपी ने कहा कि नेपाल बार्डर और सभी अंतरराज्यीय बार्डर पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समुचित पुलिस प्रबंध कर प्रभावी चेकिंग कराई जाए। सभी टोल प्लाजा पर भी आवश्यक पुलिस प्रबंध एवं निगरानी की जाए। नेपाल बार्डर के महराजगंज, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, खीरी, पीलीभीत, बहराइच, बलरामपुर में एसएसबी की मदद से चेक पोस्टों पर चौकसी रखी जाए। संवेदनशील क्षेत्रों तथा चिन्हित हॉट स्पॉट पर ड्रोन से निगरानी की जाए। धार्मिक स्थला, पूजा स्थलों पर आपत्तिजनक सामग्री चस्पा करने की हरकतों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा का भी खास ध्यान रखा जाए। होटल, धर्मशाला, गेस्टहाउस, नये किरायेदारों का शत-प्रतिशत पुलिस सत्यापन अवश्य सुनिश्चित कराया जाए। कट्टरपंथिया, असामाजिक तत्वों की निगरानी करें। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों पर भी सतर्क दृष्टि रखी जाए। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देशों के मुताबिक जिन शार्ट टर्म वीजा वाले पाकिस्तानी नागरिकों के वापस जाने की मियाद आज खत्म हो रही थी, उन्हें वापस भेज दिया गया है। एक महिला को 30 अप्रैल को भेजा जाएगा। ऐसे तकरीबन 50 पाकिस्तानी नागरिक एलआईयू के जरिए वापस भेजे गए हैं।

सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजने की प्रक्रिया लगभग पूरी : पुलिस महानिदेशक

पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा है कि पहलगाम हमले के कारण भारत का वीजा लेकर आए सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि निर्वासित किए जाने लायक सभी पाकिस्तानियों को वापस भेज दिया गया है। बाकियों को भी 30 अप्रैल तक भेज दिया जाएगा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को उनके वतन भेजने का आदेश जारी हुआ था। इसको लेकर शनिवार को प्रशांत कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के दिशा-निर्देश जारी किए। ये निर्देश सभी जोनल अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस आयुक्त, रेलवे, सुरक्षा, अभिसूचना, यूपी-112, एसएसएफ, एटीएस, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उपमहानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षकों को जारी किए गए हैं।

बिना कारण की गाली-गलौज, मारपीट

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बंथरा के हनुमान मंदिर के पास रहने वाली महिला अंशु सिंह ने उन्नाव के दरेहटा निवासी योगेश सिंह, रानू सिंह, मोनू सिंह और अनमोल सिंह के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला अंशु सिंह का कहना है कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे उसका पति अमित सिंह काफी नशे की हालत में बंथरा स्थित एक निजी पैलेस में था। तभी वहां पर योगेश सिंह उनसे बहस बाजी करने लगे और गाली-गलौज के लिए उकसाया। सूचना मिलने पर वह जब अपने बेटे के साथ अपने पति को घर लाने के लिए वहां पहुंची, तो आरोप है कि योगेश ने पीड़िता के सामने ही उसके बेटे का गला दबा दिया और अश्लील गालियां दी। साथ ही अपने दो भाइयों रानू सिंह और मोनू सिंह के अलावा अनमोल सिंह को बुला लिया। उन्होंने भी पीड़िता के पति और उसके बेटे से हाथापाई की। आरोप है कि जब पीड़िता ने विरोध करते हुए उनका वीडियो बनाने की कोशिश की तो मोनू ने उसे धक्का देकर हाथ मरोड़ते हुए उसका फोन छीन लिया।

चंद्रिका देवी मंदिर में श्रद्धालु की कार रोकी अचानक बैरियर गिराने से महिला घायल

- आरोपी हिरासत में
- पिछले महीने भी प्रसाद खरीदने को लेकर हुआ था विवाद

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बीकेटी क्षेत्र स्थित मां चंद्रिका देवी मंदिर में शनिवार को श्रीमद्भागवत कथा के समापन के बाद विसर्जन के लिए मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं को बैरियर पर रोक दिया गया। इसी बीच अचानक बैरियर गिराने से महिला श्रद्धालु घायल हो गई। उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। मामले की बीकेटी पुलिस से शिकायत हुई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पिछले महीने भी इसी मंदिर में प्रसाद खरीदने को लेकर विवाद हुआ था। तब दुकानदारों ने ऐसी घटनाएं न होने का आश्वासन दिया था। बाराबंकी के वीरमपुर निवासी अंकुर तिवारी अपने परिवार के साथ कार से मंदिर पहुंचे थे। बैरियर पर तैनात रतन नाम के व्यक्ति ने उन्हें रोक लिया श्रद्धालुओं ने जब पूछा कि अन्य वाहनों को जाने दिया जा रहा है, तो उन्हें क्यों रोका जा रहा है। इस पर विवाद बढ़ गया। कथा व्यास आचार्य प्रदुम्न के समझाने पर भी रतन ने अभद्र व्यवहार किया। इस दौरान सभी श्रद्धालु कार से उतर गए। रतन ने अचानक बैरियर गिरा दिया, जिससे सीमा तिवारी नाम की महिला श्रद्धालु घायल हो गई। घायल महिला का प्राथमिक उपचार कराया गया।

श्रद्धालुओं ने बीकेटी थाने में शिकायत की

थाने के सेकेंड इंस्पेक्टर कैलाश चंद्र दुबे ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एफसीआई टेंडर के नाम पर चार करोड़ की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने गिरोह के सरगना को दबोचा

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। यूपी एसटीएफ ने भारतीय खाद्य निगम से टेण्डर दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर चार करोड़ की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सरगना अरविन्द चौहान उर्फ सागर खण्डेलवाल उर्फ नजाहिर हुसैन को गोमतीनगर के विनीत खंड में स्थित पुलिस मार्डन स्कूल के पास से गिर तार किया है। पकड़ा गया अरविन्द चौहान उर्फ सागर खण्डेलवाल उर्फ नजाहिर हुसैन नई दिल्ली के पूर्वी कैलाश के 3/69 प्रथम तल का निवासी है। उसके पास से दो मोबाइल फोन और एक घड़ी तथा 1,500 नगद और फर्जी आधार कार्ड व भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का फर्जी पहचान पत्र और बैंक ड्राफ्ट की छायाप्रति तथा निर्वाचन कार्ड नजाहिर हुसैन की छायाप्रति व पैन कार्ड नजाहिर हुसैन और भारतीय खाद्य निगम के टेण्डर से सम्बन्धित फर्ज प्रपत्र बरामद किये।

यूपी एसटीएफ चीफ ने दी जानकारी

यूपी एसटीएफ के चीफ अमिताभ यश ने बताया कि आवेदक सैयद रफत मुईन निवासी विरामखण्ड, गोमतीनगर नें एक शिकायती पत्र दिया कि एफसीआई से 140 करोड़ का टेण्डर दिलाने के नाम पर अरविन्द चौहान उर्फ सागर खण्डेलवाल, अभिषेक ठाकुर, विषाल गर्ग, अभिषेक जैन व प्रकाश नें 4करोड़ रूपये की ठगी कर ली। इस पर इसकी जांच एडिशनल एसपी विशाल विक्रम सिंह के पर्यवेक्षण में शुरू हुई। उन्होंने बताया कि जॉच में पता चला की लखनऊ में एफसीआई में चावल, ज्वार मक्का आदि उठान का टेण्डर दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का सरगना अरविन्द चौहान उर्फ सागर खण्डेलवाल पुलिस मार्डन स्कूल विनीत खण्ड, गोमतीनगर लखनऊ के पीछे किसी से मिलने आने वाला है। इस पर तत्काल निरीक्षक शिवनेत्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम लगाई गईं। टीम नें त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस मार्डन स्कूल के पीछे से अरविन्द चौहान उर्फ सागर खण्डेलवाल को गिरफ्तार कर लिया।

एक करोड़ रुपए के लिए बनाया दबाव

शेष 1करोड़ रूपये लेने के लिए रफत मुईम पर दबाव बना रहा था, कि पैसा जल्दी नहीं देने पर टेण्डर हाथ से निकल जायेगा। सैयद रफत मुईन को टेण्डर दिलाने के नाम पर इसने भारतीय खाद्य निगम के एम-वैल्यू पोर्टल पर उनका रजिस्ट्रेशन हो जाने की बात कहकर सित बर-2024 में टेण्डर से सम्बन्धित निदेशक, एफसीआई के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर फर्जी प्रपत्र तैयार कर उनको दिया था। पकड़े गये आरोपी ने दो अलग-अलग बैंको के फर्जी डिमाण्ड ड्राफ्ट 14,00,21,536 रूपये के जनरल मैनेजर फूड कार्पोरशन आफ इण्डिया के पक्ष में तनवीर जियाउद्दीन की तरफ से बनवाया था। जब किसी व्यक्ति से ठगी करना होता है, तब यह एफसीआई से स बन्धित प्रपत्र (बरामद) पर निदेशक एफसीआई के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर उनको दे देता है। इसने वर्ष-2023 में 40 लाख का टेण्डर दिलाने के नाम पर ठगी किया था। जिसको लेकर महाराष्ट्र के थाना काशीमीरा में मुकदमा दर्ज हुआ। इसमें यह 2 महीने जेल में रहा था।

पकड़े गए आरोपी का है संगठित गिरोह

पकड़ गये आरोपी का एक संगठित गिरोह है, जो लोगों को ठेका और टेण्डर दिलाने के नाम पर फर्जी दस्तावेज के माध्यम से धोखाधड़ी कर ठगी करता है। इस काम में यह लोग अपना सही नाम व पता किसी को नहीं बताते है। इन्होंने दो फर्जी आधार कार्ड बनवा रखा है। जिसमें एक पर इसका नाम अरविन्द चौहान पुत्र बलदेव चौहान निवासी म0नं0 54/ए, विक्टोरिया स्ट्रटी नक्खास, लखनऊ अंकित है। दूसरे आधार कार्ड पर इसका नाम सागर खण्डेलवाल निवासी आर0जेड0बी0 144, गली नं0 07, गुरूद्वारा रोड महाबीर इन्क्लेव भाग-1, दक्षिण पश्चिम दिल्ली अंकित है। इसी प्रकार भारतीय खाद्य निगम का फर्जी परिचय पत्र भी बनवा रखा है। जिसमें इसका नाम अरविन्द चौहान, पद-सेक्शन आफीसर, पता-क्वाटर नं0 41, सीडब्लूएनजी कैसरबाग लखनऊ अंकित है। इसने रफत मुइम को अपना नाम अरविन्द चौहान उर्फ सागर खण्डेलवाल बताया था। सैयद रफत मुईन व तनवीर जियाउद्दीन खान निवासी खुर्रमनगर लखनऊ से भारतीय खाद्य निगम से उत्तर प्रदेश व हरियाणा राज्य के चावल का लगभग 140 करोड़ रुपये का टेण्डर दिलाने की बात तय हुई थी। इसने रफत मुईम को बताया कि 140 करोड़ के टेण्डर का 10 प्रतिशत 14 करोड़ ईएमडी के रूप में जमा करना पड़ेगा है। 14 करोड़ के ईएमडी को वेव आफ कराने के लिए 5 करोड़ रुपये में बात तय हुई थी। जिसके बाद गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज दिखाकर उनको विश्वास में लेकर अलग-अलग तिथियों में लगभग 4 करोड़ रुपये नगद के रूप में ले लिया गया।

किसान की जमीन पर कब्जे का विरोध, मारपीट, हंगामा

- जान से मारने की धमकी दी, अभद्रता भी किया गया
- ईंट-पत्थर से किया हमला
- दी तहरीर, जांच-पड़ताल शुरू

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। नगराम के अमेठियन पुरवा गांव में किसान की जमीन पर पड़ोसी द्वारा किये जा रहे जबरन कब्जे का विरोध करने पर दबंग युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर कर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के साथ किसान पर ईंटों से हमला कर दिया। किसान द्वारा थाने पर प्रार्थना पत्र देन के साथ आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई। प्रभारी थानाध्यक्ष के अनुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। नगराम के बहरौली का मजरा अमेठियन पुरवा निवासी किसान दिलीप कुमार मुन्नू सिंह ने बताया कि गांव में आबादी से सटी हुई उनकी पुश्तैनी जमीन गाटा संख्या 987 है जो राजस्व अभिलेखों में संयुक्त खाते में संक्रमणीय भूमिधर दर्ज है। पड़ोसी सर्वेश सिंह का घर उसके घर से सटा है। सर्वेश अपनी बाउंड्री वॉल बनाने के लिए उसकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं ,शनिवार दोपहर को सर्वेश चार पहिया वाहन से अपने दो अन्य साथियों के साथ आकर वहां निर्माण कार्य शुरू करवाने लगे, विरोध करने पर गालियां व जान से मारने की धमकी देना शुरू किया। गुहार लगाने पर परिवार के अन्य लोगों को आता देख सभी मौके से भाग निकले। प्रभारी थानाध्यक्ष उपेंद्र यादव ने बताया कि इस मामले में पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

- पूर्व पार्षद प्रत्याशी को लगी थी गोली
- लहूलुहान हालात में उसे भर्ती कराया गया था
- बिजनौर कोतवाली क्षेत्र की घटना

आरोपी भेजा गया जेल

इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राणा ने बताया कि देर रात शादी समारोह में अवैध अशलहे से हर्ष फायरिंग करने वाले शत्रोहन सिंह यादव निवासी चुन्नू खेड़ा थाना पारा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। बिजनौर इलाके में शुक्रवार देर रात तिलक समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फायरिंग में पूर्व पार्षद प्रत्याशी घायल हो गया था। बिजनौर के अनूप खेड़ा निवासी राजकुमार यादव के बेटे आकाश के तिलक समारोह में यह घटना हुई थी। आरोपी के पास से 32 बोर का देसी तमंचा, एक नाजायज कारतूस और खोखा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

यह थी पूरी घटनाक्रम

बिजनौर में शुक्रवार रात तिलक समारोह में एक युवक ने रिवॉल्वर से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। मामले में लड़की पक्ष से आए पारा के चुन्नू खेड़ा निवासी बसपा से पूर्व पार्षद प्रत्याशी अमित यादव 26 के गोली लग गई। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया है। अनूप खेड़ा निवासी राजकुमार यादव के बेटे आकाश का शुक्रवार को तिलक था। रात करीब दस बजे तिलक चढ़ने के दौरान एक युवक ने रिवॉल्वर से ताबड़ तोड़ फायरिंग शुरू का दी। एक गोली लड़की के चचेरे भाई अमित यादव के बाएं कंधे पर लगी। अमित को लहूलुहान गंभीर हालत में लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया।

राज्यसभा सदस्य के बंगले से डेढ़ लाख के गहने व रुपये चोरी

- सिक्योरिटी ऑफिसर ने दर्ज कराया मुकदमा
- बंगले में काम कर रहे नौकरों से पूछताछ
- चार नौकरों पर शक, खंगाले गए सीसीटीवी फुटेज

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। राज्यसभा सदस्य और शालीमार कंपनी के प्रमुख संजय सेठ के सिक्योरिटी ऑफिसर राजेश कुमार सिंह ने गौतम पल्ली थाने में संजय सेठ के घर से 1.5 लाख रुपये और गहने चोरी करने का आरोप लगाया है। शक चार नौकरों पर है, पुलिस उन नौकरों से पूछताछ कर रही है। राज्यसभा सदस्य और शालीमार कंपनी के प्रमुख संजय सेठ के गौतमपल्ली विक्रमादित्य मार्ग स्थित सिक्योरिटी ऑफिसर राजेश कुमार सिंह ने चोरी की जानकारी दी। विक्रमादित्य मार्ग पर राज्य सभा सदस्य संजय सेठ और शालीमार कार्प लिमिटेड की निदेशक पत्नी लीना का आवास है। इसकी देखरेख सिक्योरिटी अधिकारी राजेश कुमार सिंह करते हैं। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल की देर शाम लगभग 08:30 बजे पहुंचे तो लीना सेठ ने कहा कि दोपहर 1 बजे दिन आफिस शालीमार टाइटेनियम, शालीमार कार्पोरेशन विभूति खण्ड गई थीं रात करीब आठ बजे वह लौटीं तो बेडरूम में रखी अलमारी की दराज से 50 के नोट की गड्डी, सोने व हीरे के जेवरात गायब थे। होली के आसपास भी एक लाख रुपये चोरी हो चुके थे। कुछ देर पहले लौटीं तो कमरे में रखी आलमारी की दराज से 500 के नोटों की एक गड्डी और सोने व हीरे के जेवर गायब थे। दराज पर कुछ निशान मिले। इससे यह साफ है कि कोई नुकीली चीज डालकर दराज को खोलकर रुपये और एक पोटली में रखे सोने व हीरों के गहने चोरी किए गए हैं। इससे पहले होली में भी दराज से 1 लाख रुपये गायब हुए थे। इंस्पेक्टर गौतमपल्ली पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गौतमपल्ली पुलिस ने सिक्योरिटी अधिकारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कर ली है। आवास पर कमरे और बाथरूम में साफ-सफाई के लिए गुलाब सिंह रावत, फूलचन्द्र पाठक, शिवनाथ, सोनू व शंकर आते-जाते हैं। जिन पर शक जताया है, जल्द उनसे पूछताछ की जाएगी।

डीसीपी कार्यालय में है तैनात हेड कॉन्स्टेबल से रु. 76 हजार की ठगी

- समस्या पूछ फ्रॉड ने एप में ओटीपी डलवाया
- ठग ने खुद को प्राइवेट बैंक का प्रतिनिधि बताया

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। साइबर ठगों ने डीसीपी साउथ के कार्यालय में तैनात हेड कॉन्स्टेबल से 76हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। ठग ने उन्हें फोन कर क्रेडिट कार्ड में आ रही समस्याओं के बारे में पूछा था। इसी से वह झांसे में आ गया। उसे लगा कि क्रेडिट कार्ड की समस्याओं के लिए बैंक वालों ने ही फोन किया। हेड कॉन्स्टेबल ने तुरंत बताया कि स्टेटमेंट जेनरेट होने में होती है। इस पर साइबर ठग ने उसे ओटीपी भेजकर एक्सिस बैंक के एप पर वेरिफाई करा लिया ओटीपी डालते ही उनके क्रेडिट कार्ड से 76,836 रुपए कट गए। मैसेज आने पर उन्हें साइबर फ्रॉड का पता चला पीड़ित हेड कॉन्स्टेबल ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। हेड कॉन्स्टेबल अवनीश डीसीपी कार्यालय में तैनात है गुरुवार दोपहर की है। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति ने फोन किया। उसने खुद को एक्सिस बैंक का प्रतिनिधि बताया। कॉलर ने क्रेडिट कार्ड से जुड़ी समस्याओं के बारे में पूछताछ की। अवनीश ने बताया कि सिर्फ स्टेटमेंट आने में देरी होती है इसके बाद कॉलर ने उन्हें बातों में उलझाया और एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड ऐप में ओटीपी डालने को कहा। ओटीपी डालते ही उनके क्रेडिट कार्ड से 76,836 रुपए कट गए। मैसेज आने पर उन्हें साइबर फ्रॉड का पता चला। पीड़ित ने तुरंत अपना क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कराया। पीड़ित हेड कॉन्स्टेबल ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई और पीजीआई कोतवाली में तहरीर दी है।

ससुराल गए युवक की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

- ससुर को दिए 20 हजार रुपए लेने गया था मृतक
- परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

लखनऊ, ग्रुप 5 सं)। राजधानी के कृष्णानगर में ससुराल में ससुर से बीस हजार रुपये लेने गए शटरिंग कारीगर की तीसरी मंजिल से गिरकर घायल शटरिंग कारीगर की दस दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। भाई ने धक्का देकर गिराने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। पुलिस के मुताबिक तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दिलीप कुमार (25) उन्नाव के पूर्व भूलेमऊ निवासी। थे वह शटरिंग कारीगर थे वह कृष्णानगर सुनहरा में रहते थे। भाई सुनील ने बताया कि कृष्णानगर के ही नारायणपुरी में दिलीप की ससुराल है। दिलीप ने ससुर अशोक को 20 हजार रुपए उधार दिए थे। दिलीप की पत्नी रश्मि ने 15 अप्रैल को दिलीप को ससुराल आकर पैसे ले जाने के लिए बुलाया था। कुछ देर बाद उन्हें पता लगा कि दिलीप में ससुराल में घर की तीसरी मंजिल से नीचे गिर गए हैं। भागकर वह लोकबंधु अस्पताल पहुंचा तो उसकी हालत गंभीर थी। शुक्रवार को इलाज के दौरान दिलीप ने दम तोड़ दिया। सुनील का आरोप है क दिलीप को तीसरी मंजिल से धक्का देकर गिराया गया है। इंस्पेक्टर कृष्णानगर के मुताबिक तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केजीएमयू में डॉक्टरों को दौड़ाकर पीटा

- मजार के पास अतिक्रमण हटाने पर बवाल
- दो बुलडोजर से गिराए कब्जे, फोर्स तैनात

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। राजधानी के केजीएमयू में बनी मजार के आसपास शनिवार को अतिक्रमण हटाने को लेकर बवाल हो गया। दुकानदारों ने पुलिस के सामने ही प्रोफेसरों और रेजिडेंट डॉक्टरों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इसमें 2 प्रोफेसर, 1 असिस्टेंट प्रोफेसर और 1 रेजिडेंट डॉक्टर घायल हो गए। पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। उसके बाद मौके पर कई थानों की पुलिस और एक कंपनी पीएसी बुला ली गई। बड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने किसी तरह अतिक्रमण से अपने सामान निकाले। उसके बाद शाम 5 बजे अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलने लगा। दो घंटे बाद शाम 7 बजे दूसरा बुलडोजर भी बुलाया गया। दोनों बुलडोजर ने रात 9 बजे तक अवैध निर्माणों को तोड़ा। वहां दुकानों को ध्वस्त किया। इसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली मंगाकर मलबा ढोया जा रहा है। दुकानदार अपने सामान लेकर कैंपस से जा रहे हैं। केजीएमयू प्रशासन ने बताया- बचा हुआ अतिक्रमण कल (रविवार) को ध्वस्त किया जाएगा। ज्यादातर अतिक्रमण हटा दिया है।

डॉक्टरों ने कहा छह महीने से दी जा रही थी नोटिस

डॉक्टरों का कहना है कि अवैध रूप से बनी दुकानों को हटाने के लिए 6 माह से नोटिस दिया जा रहा था। इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटा। सुबह केजीएमयू प्रशासन की टीम पहुंची तो दुकानदारों ने हमला कर दिया। यूनिवर्सिटी की जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो हम लोग हड़ताल करेंगे।

क्या है पूरा विवाद

केजीएमयू में एक मजार है। इसके पास में करीब 50 लोग अवैध तरीके से रहते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि दिसंबर से अब तक छह बार नोटिस भेजा गया। पुलिस से शिकायत की गई। इसके बाद भी कब्जेदारों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। पहले यहां एक दुकान थी। अब 13 दुकानें हैं। कैंपस के अंदर तक कब्जा कर लिया गया है। डॉक्टरों ने कहा- हमारे पास इंटर्न बाहर रह रहे हैं। हॉस्टल के लिए जमीन नहीं मिल रही है। मजार के नाम पर दुकान खोलकर कब्जा किया जा रहा है। सफाई कर्मचारियों से आए दिन दुकानदार अभद्रता करते हैं।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **19.05.2025** को **15.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेगे।

1	निविदा सूचना संख्या 04402025 दिनांक 25.04.2025
2	निविदा संख्या : 04-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26
3	कार्य का नाम : वरि. मण्डल इंजीनियर-VI, लखनऊ के अधिकार के क्षेत्र में सहायक मण्डल इंजीनियर–उन्नाव एवं सहायक मण्डल इंजीनियर–प्रयाग के सेक्शन में स्टील चैनल स्लीपर को एच–बीम स्लीपर से प्रतिस्थापित करने का कार्य।
4	अनुमानित लागत : रु. 1,32,42,320.58
5	धरोहर राशि : रु. 2,16,200.00
6	कार्य की समापन अवधि : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छः माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ तिथि : 05.05.2025
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 19.05.2025, 15:00 बजे
9	वेबसाईट : www.ireps.gov.in

नोट:- 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 1231/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

थाना रामनगर मे डीएम और एसपी ने पहुंचकर की जन सुनवाई

ग्रुप 5 संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना रामनगर के परिसर में चल रहे सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर जन सुनवाई की। उन्होंने फरियादियों की समस्याओं पर गौर करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को समय से उनके निस्तारण का निर्देश दिया। शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस रामनगर में डीएम शंशाक त्रिपाठी और एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने अपरान्ह करीब 12 बजे पहुंचकर पीड़ितों की समस्याये सुनी। पुलिस अधीक्षक ने अवैद्य कब्जा हटाने और पुनः मामले की शिकायत आने पर कोतवाल अनूप कुमार पांडे को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिये। उन्होंने शिकायती रजिस्टर में दर्ज प्रार्थना पत्रों की बिन्दुसार समीक्षा भी की। उचित कार्यवाही की बात पर चर्चित लेखपाल अजय पाठक पुलिस कप्तान के सामने इधर उधर झांकते नजर आये। ग्राम हरसौली में जमीनी विवाद का निस्तारण संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल कराये जाने की बात कही। मोहम्मद तफील ने उच्च अधिकारियों के आदेश के बावजूद विद्युत सब स्टेशन बुढवल के अधिकारियों पर मुवाअजा न दिलवाये जाने और अगस्त माह से दौड़ाये जाने का आरोप लगाकर डीएम से शिकायत की। डाक्टर ब्रजेश प्रताप सिंह ने पेटियम और मोबाइल ठीक करने के बहाने नौ हजार से अधिक रुपये ग्राम किन्हौली निवासी पर गम्भीर आरोप लगाया। भारी संख्या मे कस्बे के ही निवासियो ने जल निकासी न होने और आवागमन मार्ग खोलवाये जाने की मांग की। बनकी के एक किसान ने दो लाख पांच हजार के पेड़ बेचने पर ठेकेदार के द्वारा पचपन हजार न दिये जाने की शिकायत की। गौरतलब बात तो यह है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम और पुलिस कप्तान के आ जाने की खबर से फरियादियों की संख्या बढ़ गयी। नौ दर्ज शिकायती प्रार्थना पत्रों में तीन का निस्तारण हुआ शेष विभागीय अधिकारियों को सौंपे गये है। डीएम श्री त्रिपाठी ने जिम्मेदार अधिकारी को समय से निस्तारण के सख्त निर्देश दिये है। इस दौरान उपजिलाधिकारी पवन कुमार, सीओ गरिमा पंत, कानूनगो ओम प्रकाश, चौकी इंचार्ज संतोष कुमार त्रिपाठी सहित तमाम हल्कों के लेखपाल राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने थाना दिवस पर डलमऊ में सुनी लोगों की फरियाद

रायबरेली, (ग्रुप 5 सं.)। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ थाना डलमऊ में थाना दिवस के अवसर पर लोगों की फरियाद सुनीं। उनके सामने राजस्व, आपसी रंजिस तथा महिला उत्पीड़न सहित अन्य शिकायते आई। जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष तथा राजस्व अधिकारियों को इस अवसर पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण किए जाने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकरण में जांच आदि की जरूरत हो तो अवश्य करें। समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, निर्भीक, पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ करें। दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर समस्याओं को निस्तारित कराने का निर्देश दिये। उन्होंने थाना दिवस रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर को भी देखा। कहा कि रजिस्टर में दर्ज विवादो को जल्द से जल्द निस्तारित कराया जाए। इस अवसर पर एसडीएम डलमऊ राजित राम गुप्ता सहित पुलिस विभाग के साथ राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैं बेटी पाकिस्तान की थी, पर अब बहू भारत की हूं, मुझे यहां रहने दिया जाए : सीमा हैदर

नोएडा। पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने के केंद्र सरकार के आदेश के बाद सीमा हैदर ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से उसे भारत में रहने देने की गुहार लगाते करते हुए कहा कि वह बेशक पाकिस्तान की बेटी थी लेकिन अब बहू भारत की है। दो साल पहले सीमा ने अपने चार बच्चों के साथ कथित तौर पर अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था। वह गौतमबुद्ध नगर जिले में सचिन मीणा के साथ रह रही है। सीमा का दावा है कि सचिन से शादी के बाद उसने हिंदू धर्म अपना लिया है। सीमा ने शुक्रवार शाम सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा किया जिसमें एक व्यक्ति उससे कुछ पूछता है। इस पर सीमा कहती है, मैं पाकिस्तान नहीं जाना चाहती सर। इसके बाद वह व्यक्ति पूछता है कि मोदी (प्रधानमंत्री) जी से क्या गुहार लगाना चाहेंगी। इस पर सीमा को यह कहते सुना जा सकता है, मैं (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी और योगी जी (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) से यही गुहार लगाना चाहूंगी कि मैं इनकी शरण में हूं, मैं इनकी अमानत हूं, बेटी पाकिस्तान की थी लेकिन बहू भारत की हूं। मुझे यहां रहने दिया जाए। देश भर में हो रही आलोचनाओं के बावजूद, सीमा के वकील ने उम्मीद जताई है कि उसे भारत में रहने की अनुमति दी जाएगी, क्योंकि वह अब पाकिस्तानी नागरिक नहीं है।अधिवक्ता एपी सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा, सीमा अब पाकिस्तानी नागरिक नहीं है। उसने ग्रेटर नोएडा निवासी सचिन मीणा से शादी की और हाल में उसने एक बेटी को जन्म दिया जिसका नाम भारती मीणा है। उसकी नागरिकता अब उसके भारतीय पति से जुड़ी हुई है, इसलिए केंद्र का निर्देश उस पर लागू नहीं होना चाहिए। इसी साल सीमा ने 18 मार्च को एक बेटी को जन्म दिया था। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जैकोबाबाद की निवासी सीमा मई 2023 में कराची में अपने घर को छोड़कर बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते भारत आ गई थी। वह जुलाई में उस समय खबरों में आ गई, जब भारतीय अधिकारियों ने उसे उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के रबूपुरा इलाके में 27 वर्षीय सचिन के साथ रहते पकड़ा। कथित तौर पर दोनों 2019 में ऑनलाइन गेम खेलते समय संपर्क में आए थे। सीमा के अपने पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर से चार बच्चे हैं। गुलाम ने पहले अपने बच्चों का संरक्षण हासिल करने के लिए एक भारतीय वकील की सेवा ली थी। जुलाई 2023 में सीमा और सचिन को गिरफ्तार किया गया था। सीमा पर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने का आरोप है, जबकि सचिन पर अवैध प्रवासी को शरण देने का मामला दर्ज किया गया था। बाद में, दोनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

सीवर लाइन की खुदाई के समय मिट्टी धंस जाने से दो मजदूरों की मौत

मथुरा। मथुरा-वृन्दावन के परिक्रमा मार्ग में श्याम कुटी के निकट सीवर लाइन की खुदाई करते समय मिट्टी धंस जाने से दो मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। वृन्दावन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) प्रशांत कपिल ने बताया कि यह हादसा शुक्रवार देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे मथुरा-वृन्दावन नगर निगम के वार्ड संख्या 34 में हुआ, जहां फिरोजाबाद की एक संस्था द्वारा सीवर लाइन डालने का कार्य किया जा रहा था। कपिल के मुताबिक रात जब ये लोग परिक्रमा मार्ग में श्याम कुटी के निकट सीवर लाइन डालने के लिए खुदाई कर रहे थे, उसी समय मिट्टी का बहुत बड़ा हिस्सा धंस गया और उसके नीचे दो मजदूर दब गए। उन्होंने बताया कि उन्हें जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।**(भाषा)**

आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं : कृष्ण कुमार यादव

अम्बेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। आतंकियों द्वारा निर्दोष नागरिकों पर किए बर्बरतापूर्ण कृत्य से सम्पूर्ण देशवासी स्तब्ध है उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कही। उन्होंने इस अमानवीय और नृशंस हमले की कठोर निंदा करते हुए कहा कि आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। पूर्व जिला अध्यक्ष राम कुमार पाल, पूर्व सभासद द्विजेन्द्र नारायण शुक्ल, पी सी सी सदस्य गुलाम रसूल छोटू, युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव डॉ सतीश चंद्र प्रजापति, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विशाल वर्मा, पूर्व जिला महासचिव बद्रीनारायण शुक्ल, रेहान जैदी, सुखीलाल वर्मा ने कहा इस संकट की घड़ी में पूरा देश एकजुट है और ऐसे कुकृत्यों के खिलाफ हमेशा खड़ा रहेगा। कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र बब्लू ने बताया आज जिला कांग्रेस कमेटी अम्बेडकरनगर द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से पटेलनगर पटेल प्रतिमा तक कैंडल मार्च निकाल पहलगाम हमले में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों को कांग्रेस परिवार की तरफ से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अमित कुमार यादव संजय, असगर अली, मो जियाउद्दीन अंसारी, महेंद्र प्रताप वर्मा, अरूण गुप्ता, रीतेश तिवारी, जामिन अब्बास अमन, समेत अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे।

दो बाइकों की भिडंत में महिला सहित दो युवती हुई घायल

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। याकूतगंज गाँव के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने हुई जोरदार भिड़ंत मे एक महिला सहित दो युवती घायल हो गई। जानकारी के अनुसार जैदपुर थाना क्षेत्र के याकूतगंज गांव के पास शनिवार करीब एक बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी की दोनो बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं इस घटना मे दो युवती सहित बाइक पर सवार महिला सहित कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना एम्बुलेंस और डायल 112 को दी। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा। जहाँ दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अकबरपुर निवासी महेश के यहाँ शादी समारोह मे शामिल होने आयी उनके साढू की बेटी महेश की बहू को बैठाकर खुशहालपुर गाँव किसी कार्य से जा रही थी। तभी रास्ते में याकूतगंज निवासी बाइक लेकर सामने से आ रही निर्मल की बेटी से यह दुर्घटना हुई है।

चकमार्ग पर अवैध कब्जे को लेकर कई शिकायत

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। टंडनपुरवा मे चकमार्ग पर अवैध कब्जेदारी को लेकर किसान ने किया थाने मे शिकायत की गई है।जानकारी के अनुसार जैदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत टंडन पुरवा गांव निवासी ग्रामीणो ने चक तक जाने वाले चक मार्ग पर कुछ लोगो द्वारा अवैध रूप से की गई कब्जेदारी के संबंध में थाना जैदपुर में शनिवार को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया है।किसानों ने जानकारी देते हुए बताया कि चकमार्ग पर किए गए अवैध कब्जेदारी के कारण अपने खेतों तक कृषि संसाधन ले जाने में काफी असुविधा हो रही है।जबकि नक्शे में चक मार्ग चिन्हित है।

ब्लॉक सभागार मे ग्राम पंचायत को वाद्य यंत्रो का किया गया वितरण

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। ब्लॉक सभागार में शनिवार को पंचायती राज विभाग ने लोक कलाकार वाद्य यंत्र योजना के तहत ग्राम पंचायत को वाद्य यंत्रों का वितरण किया गया। ब्लॉक प्रमुख रेनू वर्मा ने खण्ड विकास अधिकारी अदिति श्रीवास्तव और प्रभारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत कुलदीप श्रीवास्तव की मौजूदगी में वितरण किया। रामपुर भवानीपुर पंचायत की ग्राम प्रधान गजला खातून और पंचायत सचिव मनीष शुक्ला को वाद्य यंत्र दिए गए। वितरण में हारमोनियम, ढोलक, मंजीरा, घुंघरू और झिक्का शामिल किए गए। ब्लॉक प्रमुख रेनू वर्मा ने बताया कि ये वाद्य यंत्र सांस्कृतिक कार्यक्रमों में युवाओं की प्रतिभा को निखारने में मददगार साबित होंगे।साथ ही प्राचीन कलाओ को पुनर्जीवित करने में भी सहायक होंगे।

गो आश्रय स्थलों के लिए अधिक से अधिक भूसा दान कराएं अधिकारी : डीएम

बहराइच, (ग्रुप 5 सं.)। जिले में संचालित स्थायी एवं अस्थायी गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों के लिए भूसा क्रय की समीक्षा हेतु शुक्रवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान डीएम ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि तत्काल टेण्डर की प्रक्रिया को पूर्ण कराएं। उन्होनें कहा कि टेण्डर की प्रक्रिया तत्काल पूर्ण कराएं इसके साथ ही प्रयास करें कि भूसे के दाम बहुत मुनासिब होने चाहिए। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों व पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र के बड़े कृषकों को भूसादान करने के लिए प्रेरित करें। डीएम ने कहा कि वर्तमान में गेहूँ की फसल तैयार हो गई है इसलिए कृषकों से दान स्वरूप अधिक से अधिक भूसा प्राप्त कर उसका संग्रह कर लिया जाय। ग्रीष्म ऋतु को मद्देनज़र रखते हुए डीएम ने बीडीओ व पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को गर्मी, धूप व लू से बचाव के लिए सभी आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित कर लिये जायें। डीएम ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी गो आश्रय स्थल पर ताज़े पानी, भूसा, हरे चारे व छांव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये ताकि कोई भी पशु धूप में न रहने पाये। डीएम ने पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि नियमित रूप से गो आश्रय स्थलों का निरीक्षण करते रहें और सभी दुर्बल एवं बीमार पशुओं को समुचित चिकित्सा उपलब्ध करायी जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी गो आश्रय स्थलों को सीसीटीवी कैमरे से आच्छादित कर उसका लिंक मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अपने में रखकर गो आश्रय स्थलों की डे-बाई-डे मानीटरिंग कराते रहें।

सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। सांसद अंबेडकर नगर लालजी वर्मा की अध्यक्षता में विधायक कटेहरी धर्मराज निषाद, विधायक अकबरपुर राम अचल राजभर, विधायक आलापुर त्रिभुवन दत्त, विधायक टांडा राम मूर्ति वर्मा व जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला सहित समिति के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला द्वारा जिला विकास समन्वयन एवं अनुश्रवण समिति के गत बैठक की अनुपालन व्याख्या समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई। तदोपरांत सांसद द्वारा ग्राम्य विकास विभाग, समाज कल्याण, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, पंचायती राज, नगर विकास विभाग, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला कल्याण विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बेसिक शिक्षा, खनन, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, खाद एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं यथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, एकीकृत बाल विकास योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्व शिक्षा अभियान मध्यान्ह भोजन योजना आदि योजनाओं की विभागवार एवं योजनावार विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान सांसद द्वारा जनपद में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के समुचित एवं समयबद्ध सदुपयोग सुनिश्चित करने तथा जन सामान्य तक समस्त योजना की पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में प्राप्त समस्याओं का व्यावहारिक रूप से समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा प्राप्त सुझावों पर गंभीरता से अमल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी लोग मिलकर जिले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर सकें इसके लिए जरूरी है कि समस्त कार्यों को समयबद्ध समय में गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। बैठक में सांसद द्वारा समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव एवं योगदान हेतु आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर समिति द्वारा नगर पालिका परिषद अकबरपुर के मीरानपुर मोहल्ला में वर्षा काल के दौरान जल भराव से होने वाली समस्या से अवगत कराया गया जिस पर जिलाधिकारी द्वारा समस्या के स्थाई समाधान की कार्यवाही करने हेतु अधिकारी नगर पालिका परिषद अकबरपुर को निर्देशित किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण की स्थिति की समीक्षा के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 41 एवं वर्ष 2024-25 में 15 आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई थी जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है।

नगर पंचायत इल्तिफ़ातगंज में वार्षिक टैक्सी स्टैंड की नीलामी संपन्न

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। नगर पंचायत इल्तिफ़ातगंज में टैक्सी स्टैंड नीलामी को लेकर बोर्ड की बैठक की गई। बैठक में ठेकेदार मोहम्मद रईस मोहल्ला अलहदादपुर टांडा थाना अलीगंज को नीलामी 31 लाख 5000 में दी गई। नीलामी की बैठक में 5 लोग थे जिनमें प्रथम स्थान पर मोहम्मद रईस ने 31 लाख 5000 हजार की बोली लगाई थी, द्वितीय स्थान पर मनोज कुमार गुप्ता टांडा ने 31 लाख रुपयों की बोली लगाई थी, तृतीय स्थान पर राम अचल ने 30 लाख 33000 हजार की बोली लगाई थी तथा प्रज्ञा राम बर्मा व वीरेंद कुमार टांडा भी मौजूद रहे। बताते चलें कि पिछले वर्ष टैक्सी स्टैंड की नीलामी 25 लाख रुपए में की गई थी। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष समा परवीन, उपजिला अधिकारी भीटी, अधिशाषी अधिकारी सदानंद सरोज नगर पंचायत के, बड़े बाबू हनुमान प्रसाद मिश्रा, राम आशीष, इंतिखाब, अख्तर अली, अर्जुन बर्मा, मुनाज़िर हुसैन आदि नगर पंचायत कर्मचारी गण मौजूद रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, बाढ़ खण्ड, बलरामपुर

ई–टेडरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यो की निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या– 04/अधि0 अभि0/2025–26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्रीक्वालिफिकेशन टेक्निकल एवं फाइनेंशियल बिड सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत सिविल कार्यो में दक्ष एवं अनुभव रखने वाले ठेकेदारों/प्रतिष्ठानों से तालिका सं0: 02 में निहित कार्यक्रम के अनुसार विभाग द्वारा गठित समिति के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेंगी।

तालिका सं0:–01

लाट सं0	कार्य का नाम	अनुमानित मात्रा	धरोहर धनराशि (रु0 में) I.N.R.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0 में) (अतिरिक्त कर सहित) I.N.R.	ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के दायें तट पर स्थित कोड़रीघाट के डाउनस्ट्रीम में एफलक्स तटबंध के किमी0 0.000 से किमी0 0.120 के मध्य सुदृढ़ीकरण व ब्रिक सोलिंग की मरम्मत का कार्य।	As per Bill of Quantity	11600.00	20 दिवस	856.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
2	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के दायें तट पर स्थित ग्राम टेंगनहिया मानकोट के निकट 60 मीटर लम्बाई में कटाव रोधी कार्य।	As per Bill of Quantity	14500.00	20 दिवस	856.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
3	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के दायें तट पर स्थित सिसई घाट के अपस्ट्रीम में निर्मित शमशान घाट की सुरक्षा हेतु कटाव रोधी कार्य।	As per Bill of Quantity	14200.00	20 दिवस	856.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
4	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के बायें तट पर स्थित कोड़रीघाट गाइड एवं एफलक्स तटबंध के किमी0 0.000 से किमी0 1.300 के मध्य सुदृढ़ीकरण व ब्रिक सोलिंग की मरम्मत का कार्य।	As per Bill of Quantity	48600.00	20 दिवस	944.00	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
5	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के बायें तट पर स्थित कोड़रीघाट गाइड एवं एफलक्स तटबंध के किमी0 0.000 से किमी0 0.700 के मध्य सुदृढ़ीकरण व ब्रिक सोलिंग की मरम्मत का कार्य।	As per Bill of Quantity	15100.00	20 दिवस	856.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
6	जनपद बलरामपुर में भगवानपुर तटबंध के किमी0 0.500 से 0.520, किमी0 0.850 से 0.874, किमी0 1.050 से 1.075 और किमी0 4.100 से 4.125 के मध्य क्षतिग्रस्त भाग के पुर्नस्थापना का कार्य।	As per Bill of Quantity	32000.00	20 दिवस	944.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
7	बूढ़ी राप्ती नदी पर पिपरी जमुनी तटबंध के किमी0 3.140 से किमी0 3.340 के मध्य 5 अदद् कटर बनाने का कार्य।	As per Bill of Quantity	15000.00	20 दिवस	856.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
8	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के बायें तट पर ग्राम जेनुका के निकट सीमेन्ट की खाली बोरी, नायलान क्रेट, गैबियान, बम्बू क्रेट के आपूर्ति का कार्य।	As per Bill of Quantity	18000.00	20 दिवस	944.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
9	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के दायें तट पर स्थित बलरामपुर–भड़रिया तटबंध के किमी0 18.200 से किमी0 18.450 के निकट ग्राम कोड़रवा में 200 मी0 लम्बाई में बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य।	As per Bill of Quantity	62300.00	20 दिवस	944.00	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
10	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के बायें तट पर स्थित भोजपुर–शाहपुर तटबंध के किमी0 5.830 से किमी0 6.480 तक ब्रिक सोलिंग का कार्य।	As per Bill of Quantity	27000.00	20 दिवस	856.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
11	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के दायें तट पर स्थित राजघाट तटबंध के किमी0 8.200 के निकट ग्राम कोलवा में सीमेंट की खाली बोरी और नॉयलान क्रेट की आपूर्ति का कार्य।	As per Bill of Quantity	28200.00	20 दिवस	856.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
12	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के बायें तट पर स्थित भोजपुर–शाहपुर के किमी0 2.224 से किमी0 2.296 के निकट ग्राम नयनसुखवा के पास बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य।	As per Bill of Quantity	32000.00	20 दिवस	944.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
13	जनपद बलरामपुर में राप्ती नदी के बायें तट पर बेलहा चरनगहिया तटबंध के निकट ग्राम लालाजोत के पास बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य।	As per Bill of Quantity	24200.00	20 दिवस	856.00	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी

1. इस निविदा/बिड की सूचना/विवरण/शर्ते उ0प्र0 सरकार की बेवसाईट http://etender.up.nic.in सूचना विभाग की बेवसाईट http://information.up.nic.in तथा सिंचाई विभाग की बेवसाईट http://idup.gov.in/ पर भी उपलब्ध है।

विस्तृत निविदा प्रपत्र एवं उससे सम्बंधित अन्य शर्ते वेवसाइट से डाउनलोड कर देखी व पढ़ी जा सकती है।

तालिका सं0:–2

Sr. No.	Particulars	Date	Time
1	Bid Submission Start	29-04-2025	10.00 AM
2	Bid Submission End	06-05-2025	15.00 PM
3	Technical-Cover Opening	06-05-2025	16.00 AM
4	Financial Bid Opening	Date and place to be decided after technical bid evaluation and will be communicated on line to successful bidders in technical bid.	

(संजय कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
बाढ़ खण्ड, बलरामपुर

www.upidadv.gov.in
UPID : 232886 Dt. : 25/04/2025

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के 58 थानों को कोतवाली बनाने का आदेश जारी, पदोन्नति की तैयारियां भी हुई शुरू

देहरादून, एजेंसी। 58 थानों को कोतवाली बनाने का आदेश शासन ने जारी किया है। अब प्रदेश में कुल 166 में से 112 थाने इंस्पेक्टर स्तर के हैं। प्रदेश के 58 थानों कोतवाली बनाने संबंधी आदेश शासन ने जारी कर दिए हैं। अब इन थानों में इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी प्रभारी बनेगा। इसके साथ ही प्रदेश में एसएचओ स्तर यानि कोतवालियां कुल 112 हो गई हैं। इन थानों में राजधानी के भी सात थाने शामिल हैं। बता दें कि पुलिस मुख्यालय की ओर से पिछले साल फरवरी में थानों को उच्चीकृत करने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। इस पर गहन विचार विमर्श के बाद इसे कैबिनेट में लाया गया। इससे पहले खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी अपनी अध्यक्षता में गृह और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की थी। पिछले दिनों हुई कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी भी मिल गई। पुलिस की ओर से इन थानों के उच्चीकरण करने के लिए चारधाम यात्रा, कानून व्यवस्था, अपराध और धरना प्रदर्शन का हवाला दिया था। अब बृहस्पतिवार को शासन ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही अब इन नए इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इससे प्रदेश के कई उन दरोगाओं को लाभ होगा जो लंबे समय से इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं।

गड्ढे न भरने में संस्था के तीन अधिकारियों पर मुकदमा, हरिद्वार रोड पर चल रहा निर्माण कार्य

देहरादून, एजेंसी। हरिद्वार रोड पर एक अस्पताल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के आधे से अधिक भाग पर खोदाई की गई थी। इससे यातायात बाधित हो रहा है। हरिद्वार रोड पर चल रहे निर्माण कार्य में सड़क खोदकर गड्ढों को न भरने के आरोप में पुलिस ने संस्था के तीन अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नेहरू कॉलोनी एसओ संजीत कुमार ने बताया कि बुधवार को उप निरीक्षक सुनील नेगी जोगीवाला से भ्रमण पर निकले थे। इस दौरान हरिद्वार रोड पर एक अस्पताल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के आधे से अधिक भाग पर खोदाई की गई थी। इससे यातायात बाधित हो रहा है। मौके पर पूछताछ में पता चला कि इस कार्य के लिए भुगान प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर अनवर, सहायक अभियंता अनिल सिंह रावत और जेई सौरभ बिष्ट कार्य कर रहे हैं। इन्हें पहले भी कई बार काम के दौरान यातायात अवरुद्ध न करने और अनुमति की शर्तों का पालन करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्माणदायी संस्था के अधिकारियों ने न तो आदेश का पालन किया और न ही गड्ढों को भरा। इसके बाद पुलिस ने तीनों अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत बोले- उत्तराखंड को भी अब चौकन्ना रहने की है जरूरत

देहरादून, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि पूरा देश इस समय आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ है। पार्टी के शीर्ष नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने भी इस बात को कहा, देश आतंकवाद से लड़ने के लिए एकजुट है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। यह अकल्पनीय तरीके से नृशंसता और पाकिस्तान प्रायोजित हैं। इस घटना के बाद उत्तराखंड को भी चौकन्ना रहने की जरूरत है। हरीश रावत ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा अब समय कुछ कर गुजरने का है। पूरा देश इस समय आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ है। पार्टी के शीर्ष नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने भी इस बात को कहा, देश आतंकवाद से लड़ने के लिए एकजुट है। पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद पर प्रहार होना चाहिए। यहां तक पीओके की दास्तां समाप्त करने का भी समय आ गया है। कांग्रेस की ओर से यह सवाल नहीं उठाया जा रहा है कि सूचनाएं क्यों नहीं मिली यहां कैसे सुरक्षा व्यवस्था में चूक हुई वह सारे सवाल अब गौण हो गए हैं।
अब एक ही सवाल है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करने के लिए काम होना चाहिए। उत्तराखंड में भी सावधानी बरतनी पड़ेगी। जिस तरीके से आतंकवादी कश्मीर में आर्मी की वर्दी में घुस आए।

दून अस्पताल की अवैध मजार हटाई गई, देर रात चला धामी सरकार का बुलडोजर

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की धामी सरकार का लगातार अवैध मजारों को गिराने का सिलसिला जारी है. देर रात देहरादून की चर्चित और दून अस्पताल के बाहर बनी मजार को गिरा दिया गया. यह मजार दून अस्पताल के गेट पर बनी हुई थी. बताया जाता है कि ऋषिकेश के किसी व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर इस मजार की शिकायत कर जांच करने की मांग की थी. जांच करने के बाद मजार अवैध पाई गई और प्रशासन ने बुलडोजर से इसे गिरा दिया.

दून अस्पताल की मजार पर चला बुलडोजर~ देहरादून प्रशासन ने जांच के बाद इस मजार को सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करके बनाना पाया. अब इस मजार को ध्वस्त किया गया है. मजार के मलबे से कोई अवशेष नहीं मिले हैं. बताया जाता है कि सीएम हेल्प लाइन पोर्टल पर ऋषिकेश के रहने वाले पंकज गुप्ता ने इस मजार की एक शिकायत दर्ज की थी. जांच के बाद इसे अवैध पाया गया. जांच के लिए नगर प्रशासन द्वारा अवैध संरचना के भूमि संबंधी दस्तावेजों की जांच करने के निर्देश दिए गए. देर रात राजस्व, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, दून अस्पताल प्रशासन और अन्य विभागों में इस बारे में जांच की गई.

उत्तराखंड में 500 से ज्यादा अवैध मजारें हटाई जा चुकी हैं~ गौरतलब है कि इन दिनों धामी सरकार ने उत्तराखंड में अवैध मजारों और मदरसों के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है. अब तक उत्तराखंड में 500 से अधिक अवैध मजारों पर बुलडोजर चलाया जा चुका है. इसके साथ ही 135 से ज्यादा अवैध मदरसे सील किए जा चुके हैं. यही नहीं राज्य में 50 से ज्यादा अवैध मंदिर भी हटाए जा चुके हैं. 22 अप्रैल 2025 को उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में नेशनल हाईवे के चौड़ीकरण में बाधा बन रही अवैध मजार हटाई गई थी. इस मजार को हटाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी.

हाईकोर्ट ने मजारों के सर्वे का आदेश दिया है~ रुद्रपुर की मजार हटाने के मामले में सुनवाई करते हुए नैनीताल हाईकोर्ट ने उसकी पूरी रिपोर्ट मांगी थी. प्रशासन ने जब रिपोर्ट पेश की तो उसके बाद कोर्ट ने उत्तराखंड के चीफ सेक्रेटरी को मजारों को लेकर जिला वाइज कमेटी गठित करने का आदेश दिया था. हाईकोर्ट ने कहा था कि पूरे प्रदेश में मजारों का सर्वे कर रिपोर्ट पेश करें.

मजार ध्वस्तीकरण पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, कहा- सरकार की मंशा नफरत फैलाना

देहरादून, एजेंसी। राजधानी के दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय परिसर में स्थित बनी अवैध मजार को देर रात बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया. सीएम पोर्टल पर दर्ज शिकायत को प्रशासनिक जांच ने पूरा करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई. इसके बाद कांग्रेस पार्टी की प्रतिक्रिया सामने आई है. कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि दून अस्पताल परिसर में स्थित मजार को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है, इसको लेकर कांग्रेस पार्टी का यही कहना है कि अवैध निर्माण के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लेकर पार्टी को कोई आपत्ति नहीं है. लेकिन केंद्र और राज्य सरकार का एजेंडा सिर्फ मजारों और मदरसों पर कार्रवाई तक ही सीमित रह गया है. उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा किसी न किसी बहाने समाज में नफरत फैलाने तक ही रह गई है.

उत्तराखंड में डेंगू की रोकथाम के लिए विभागों को एडवाइजरी जारी, सक्रिय होकर काम करने के निर्देश

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के दिशा-निर्देश पर संबंधित विभागों को एडवाइजरी जारी की गई। प्रदेश में डेंगू रोकथाम के लिए विभागों को एडवाइजरी जारी की गई। जिसमें विभागों को आपसी समन्वय के साथ सक्रिय रूप से जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि सामूहिक जिम्मेदारी से डेंगू को नियंत्रण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के दिशा-निर्देश पर संबंधित विभागों को एडवाइजरी जारी की गई। डेंगू का मच्छर साफ जमा हुए पानी में पनपता है। यदि समय रहते ऐसे स्थलों की पहचान कर ली जाए तो डेंगू को फैलने से रोका जा सकता है।

डेंगू रोकथाम में शहरी विकास, नगर निगम, नगर पालिकाएं, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, शिक्षा, सूचना, आपदा प्रबंधन, सिंचाई, कृषि, महिला एवं बाल विकास, परिवहन, मौसम विभाग, पर्यटन, वन व पेयजल विभाग को आपसी समन्वय बना कर काम करने के निर्देश दिए गए। सचिव ने कहा कि डेंगू मच्छर का लार्वा विशेषकर घरों के आसपास पानी जमा होने वाली जगहों पर पनपता है। उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा की है कि अपने-अपने स्तर से सतर्कता व जागरूकता फैलाएं। डेंगू संभावित मच्छर जनित स्थलों की नियमित निगरानी करें। प्रदेश में डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें हर जिले में डेंगू मच्छरों के लार्वा की पहचान कर उन्हें नष्ट कर रहे हैं। शहरी विकास विभाग की ओर से निर्माण स्थलों, पुराने टायरों, खाली प्लॉटों और पानी के जमा होने वाले स्थानों की सफाई की जा रही है। नगर निगम और ग्रामीण विकास विभाग के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें घरों और सार्वजनिक स्थानों से पानी के किसी भी प्रकार के संचय को रोकने पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षा विभाग को स्कूलों में डेंगू से बचाव के लिए छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए कहा गया। छात्र घर जाकर अपने परिवार को डेंगू से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देंगे। स्कूलों में विशेष रूप से सेहत और स्वच्छता पर आधारित पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

बाल संरक्षण आयोग के पास पहुंची छात्रों के फेल होने की शिकायत, सीईओ देंगे रिपोर्ट, दोबारा हो सकती है परीक्षा

देहरादून, एजेंसी।
निजी स्कूलों में छात्रों के बड़ी संख्या में फेल होने के मामले पर मुख्य शिक्षा अधिकारी अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे. उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस संदर्भ में शिक्षा विभाग को निर्देश जारी किए हैं. जबकि स्कूल को भी इन छात्रों की दोबारा परीक्षा लिए जाने के लिए कहा गया है.

उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पास पहुंची एक शिकायत ने सभी को हैरान कर दिया है. शिकायत में यह दावा किया गया कि करीब 107 छात्रों में से करीब 45 छात्रों को 11वीं कक्षा में फेल कर दिया गया. इतनी बड़ी संख्या में छात्रों के फेल होने की बात सामने आते ही आयोग फौरन हरकत में आ गया और इस मामले पर शिक्षा विभाग के साथ ही स्कूल प्रबंधन से भी बातचीत शुरू कर दी गई.

बच्चों के फेल होने के इस मामले में आयोग ने भी चिंता जताई और इससे छात्रों की मानसिक स्थिति पर असर पड़ने की भी संभावना जताई गई. इस मामले में कुछ अभिभावकों ने ही आयोग के सामने शिकायत दर्ज करवाई है. इसमें यह बात भी सामने आई की निजी स्कूलों में शैक्षणिक स्तर गिरने के कारण इतनी बड़ी संख्या में छात्र फेल हुए. प्रकरण पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष गीता खन्ना ने फौरन शिक्षा विभाग से इस संदर्भ में बातचीत की. साथ ही स्कूल प्रबंधन को भी इस स्थिति में चिंतन करते हुए फेल होने वाले छात्रों को 12वीं कक्षा में प्रोन्नत करने की सलाह दी गई है. हालांकि गीता खन्ना ने ऐसे अनुत्तीर्ण छात्रों की आयोग की मौजूदगी में दोबारा परीक्षा लिए जाने के लिए भी कहा है. आयोग की अध्यक्ष गीता खन्ना ने बताया कि निजी विद्यालय में इस तरह बड़ी संख्या में बच्चों के फेल होने से उनके मानसिक स्तर पर इसका असर पड़ सकता है. ऐसे में सभी बातों को ध्यान में रखते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं.

देहरादून में नशामुक्ति केंद्र बेलगाम, दुष्कर्म व हत्या की घटनाएं हुई आम, ठंडे बस्ते में जांच

देहरादून, एजेंसी।
नशे की लत से जूझते लोगों के लिए नशामुक्ति केंद्र उम्मीद की किरण होते हैं, लेकिन यही केंद्र सुधार की जगह शोषण का अड्डा बन चुके हैं।

बेलगाम नशामुक्ति केंद्रों में दुष्कर्म, हत्या व मारपीट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार इसी तरह की घटनाओं के बावजूद सिस्टम इनमें सुधार लाने की जहमत नहीं उठा पा रहा है। हर घटना के बाद खानापूर्ति के लिए जांच शुरू होती है और कुछ समय बाद फाइलों में ही दबकर रह जाती है।

सरकारी दस्तावेजों में इस समय प्रदेश में केवल 116 नशामुक्ति केंद्र पंजीकृत हैं, जबकि सैकड़ों की संख्या में केंद्र बिना अनुमति के ही चल रहे हैं। स्थिति यह है कि नशामुक्ति केंद्रों में ठूंस-ठूंसकर मरीजों को रखा जाता है। यहां चिकित्सक की जगह नशा छुड़ाने के लिए आने वाले मरीज ही उपचार करना शुरू कर देते हैं। केंद्रों में मरीजों को शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। कई बार मरीज को इतनी यातनाएं दी जाती हैं, कि उसकी मृत्यु तक हो जाती है। राजधानी में नशामुक्ति केंद्र में मरीज की मौत के कई मामले सामने भी आ चुके हैं। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना दिवस पर नौ नवंबर 2021 को देहरादून व हल्द्वानी में दो नशामुक्ति केंद्र खोलने की घोषणा की थी। ये केंद्र सरकार की निगरानी में चलने हैं।

वर्तमान में हर जिले में बड़ी संख्या में नशा मुक्ति केंद्र तो खुले हुए हैं, लेकिन इनका नियंत्रण अभी किसी भी विभाग के पास नहीं हैं। मनमाने ढंग से खोले गए नशा मुक्ति केंद्रों में मारपीट, दुष्कर्म व नशे के साधनों की आपूर्ति जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। तीन साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद नशामुक्ति केंद्र खोलने के लिए जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ।

उत्तराखंड में पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर सतर्कता, चारधाम यात्रा को लेकर खुफिया तंत्र सक्रिय

देहरादून, एजेंसी।
पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्तराखंड में पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर भी सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा चारधाम यात्रा के मद्देनजर खुफिया तंत्र को अति सक्रिय होने के लिए कहा गया है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद राज्य में सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस ने रातभर चेकिंग के बाद दिन में भी बॉर्डर क्षेत्रों में चेकिंग जारी रखी। इसी बीच सरकार की ओर से पर्यटन और धार्मिक स्थलों को लेकर भी सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। इसके लिए खुफिया तंत्र को अति सक्रियता से काम करने के निर्देश भी दिए गए हैं। हर छोटी बड़ी सूचना को गंभीरता से लिया जाए, ताकि भविष्य में कोई अप्रिय घटना न हो। 30 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है। इसके लिए सारी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

हर साल चारधाम यात्रा और धार्मिक आयोजनों को लेकर विभिन्न माध्यमों से धमकियों की बात भी सामने आती है। लिहाजा, पुलिस और खुफिया तंत्र यहां पर अतिरिक्त सतर्कता बरतती है।ऐसे में अब पहलगाम की घटना के बाद पुलिस और खुफिया तंत्र पहले से भी अधिक सतर्क हुआ है। इंटेलीजेंस सूत्रों के मुताबिक सभी पर्यटन स्थलों पर भी अतिरिक्त सुरक्षा और सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से जो जानकारी मिलती है उसे गंभीरता से लेकर इनपुट जुटाने के लिए कहा गया है। बॉर्डर क्षेत्रों में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। इसके अलावा सीमावर्ती राज्यों से भी सूचनाओं के आदान प्रदान को लगातार करने के निर्देश दिए गए हैं।

बता दें कि चारधाम के अलावा देहरादून, मसूरी, टिहरी, नैनीताल आदि जगहों पर लाखों की तादाद में सैलानी आते हैं। इनकी सुरक्षा में भी कोई चूक न हो इसके लिए भी अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। इंटेलीजेंस को राष्ट्रीय एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहने के लिए भी कहा गया है। ताकि, हर प्रकार की सूचनाओं का आदान प्रदान हो सके।

इसी के मद्देनजर राज्य में भी सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता की जाएगी। बता दें कि समय-समय पर हरिद्वार रेलवे स्टेशन, देहरादून के विभिन्न सैन्य संस्थान, टिहरी बांध आदि पर हमले की धमकियां मिलती हैं। इन्हें गंभीरता से लेते हुए पुलिस कार्रवाई भी करती है। इनमें कुछ असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की बात भी सामने आती है।

उत्तराखंड में जायका फेज टू की तैयारियां हुई तेज, बड़े बजट के साथ इन बातों पर मेन फोकस

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में जायका (जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी) फेज टू का काम जल्द शुरू होने जा रहा है. बड़ी बात यह है कि इस बार इस प्रोजेक्ट को वृक्षारोपण या भूक्षरण जैसे कामों तक सीमित न रखते हुए मौजूदा जरूरतों पर केंद्रित रखा जाएगा. इसके लिए पहले बैठक हो चुकी है और जल्द ही उत्तराखंड की तरफ से प्रस्ताव भेजे जाने की तैयारी है. खास बात यह है कि जायका फेज टू एक बड़े बजट के साथ लाने की तैयारी है. जिसमें मौजूदा चुनौतियों को जगह दी जाएगी.

जायका (जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी) प्रदेश में पिछले कई सालों से काम हो रही है. वृक्षों के संरक्षण और पर्यावरण के बेहतर स्वास्थ्य को लेकर इस प्रोजेक्ट के तहत कई कामों को किया गया है. खास बात यह है कि जायका का पहला फेज पूरा हो चुका है और अब दूसरे फेज के लिए प्रस्ताव भी तैयार हो रहा है. इतना ही नहीं, जायका के सीईओ दिल्ली में इसको लेकर पहली बैठक भी कर चुके हैं. हालांकि पहले फेज के दौरान हुए कामों की अभी समीक्षा की जानी है साथ ही दूसरे फेज को लेकर सुझाव भी आने बाकी हैं

वृक्षारोपण पर रहा फोकस~ जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी को लेकर उत्तराखंड में पहले फेज के दौरान करीब 800 करोड़ का बजट राज्य को मिला था. जिसे विभिन्न कार्यों पर खर्च किया गया है. मुख्य रूप से देखें तो जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी के उत्तराखंड में चल रहे प्रोजेक्ट के पहले हिस्से में वृक्षारोपण को खास तवज्जो दी गई थी. इसके अलावा मृदा चरण से लेकर जल संरक्षण पर भी कुछ हद तक काम करने के प्रयास किए गए हैं. इसके साथ ही ग्रामीण और पंचायत के लोगों की आजीविका को भी जोड़ने के लिए प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम पहले फेज में चलाए गए हैं.

हालांकि जायका के सीईओ पीके पात्रो अब जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी के इस प्रोजेक्ट में कुछ बदलाव करना चाहते हैं और इसीलिए इस बार जो प्रस्ताव तैयार किया गया है, उसमें मौजूदा जरूरत से जुड़ी बातों को विशेष तौर पर ध्यान में रखा गया है.

इन बातों का रखा गया खास ध्यान~ खास तौर पर मानव वन्य जीव संघर्ष को भी इस प्रोजेक्ट में प्रस्ताव बनाते समय शामिल किया जाएगा. इसी तरह जल संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट के तहत योजना तैयार की जाएगी. ताकि जल संरक्षण पर बेहतर काम हो सके. उत्तराखंड के लिए वनाग्नि एक बड़ी समस्या रही है और नए प्रस्ताव में इसे भी शामिल किया जाएगा. हालांकि जायका के फेज टू के लिए एक सामान्य खाका तैयार किया जा चुका है और इसे प्रस्ताव के रूप में भी बनाया जा रहा है. लेकिन तमाम सुझावों के बाद जल्द ही एक फूल प्रूफ प्रस्ताव तैयार करने की भी योजना है.

राजाजी टाइगर रिजर्व के एक मार्ग पर सरकारी सिस्टम की मेहरबानी

देहरादून, एजेंसी।
राजाजी टाइगर रिजर्व में कोर जोन में कौड़िया- किमसार- गंगाभोगपुर वन मोटर मार्ग है, 11 किमी से अधिक लंबे इस मार्ग को लेकर सरकारी सिस्टम की दरियादिली चर्चाओं और सवालों में है।

राजाजी टाइगर रिजर्व के कोर जोन में स्थित कौड़िया- किमसार- गंगाभोगपुर वन मोटर मार्ग वन विभाग से लेकर शासन स्तर से खूब मेहरबानी हुई है। 11 किमी मार्ग को तैयार करने के लिए 10 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया। वहीं, अगर राजाजी टाइगर रिजर्व के वन मोटर मार्ग, अश्व मार्ग जिनकी लंबाई 165 किमी है, उनके अनुरक्षण के लिए महज 41 लाख जारी किए गए।

यही नहीं पहले लोनिवि ने इसका प्रतिवेदन भेजा था, उसकी लंबाई पांच किमी मानी थी और डामरीकरण की बात कही थी। बाद में मार्ग की लंबाई बढ़ने के साथ डामरीकरण की जगह इंटरलाकिंग की योजना हो गई। बरसात के समय खासकर पक्के व कच्चे वन मोटर मार्ग, पैदल वन मार्ग क्षतिग्रस्त होते हैं। इन मार्गों के अनुरक्षण काम का

आवश्यकतानुसार हर साल करने की प्रक्रिया होती है।

अगर राजाजी टाइगर रिजर्व की बात करें तो यहां पर कोर जोन में कौड़िया- किमसार- गंगाभोगपुर वन मोटर मार्ग है, 11 किमी से अधिक लंबे इस मार्ग को लेकर सरकारी सिस्टम की दरियादिली चर्चाओं और सवालों में है।

इस पांच किमी लंबे मार्ग के सुदृढ़ीकरण के लिए पिछले वित्तीय वर्ष 2023-2024 में करीब साढ़े दस करोड़ स्वीकृत होने के साथ ढाई करोड़ अवमुक्त करने का आदेश भी हो गया। जबकि राजाजी टाइगर रिजर्व के अन्य 165 किमी मार्गों की ऐसी किस्मत नहीं थी, उनके अनुरक्षण के लिए 41 लाख ही जारी हो सके। यही नहीं इस मार्ग के लिए राशि देने के लिए वृहद मद का सहारा लिया गया।

इस मार्ग पर अन्य निर्माण कार्य होंगे। मसलन पैरापिट का निर्माण प्रस्तावित किया गया। इसके अलावा क्रश बैरियर भी लगाया जाएगा। सवाल है कि इनसे वन्यजीवों का मूवमेंट प्रभावित नहीं होगा इसके अलावा पक्की केसी ड्रेन व पक्के स्कपर का निर्माण होगा। इसके अलावा प्रतिधारक दीवार, गेबियन का निर्माण की बात है। साइन बोर्ड भी लगाए जाएंगे। जबकि वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट में वर्ष-2023 में एक हलफनामा दिया था। इसमें राजाजी टाइगर रिजर्व, कार्बेट टाइगर रिजर्व आदि में कौन से काम करने हैं, उसकी सूची दी थी। इसमें राजाजी टाइगर रिजर्व में 12 कामों की सूची दी गई थी, इसमें कौड़िया- किमसार- गंगाभोगपुर वन मोटर मार्ग सुदृढ़ीकरण का जिक्र नहीं है।

लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड दुग्गडा ने प्रस्ताव बनाया था, उसमें संबंधित मार्ग की लंबाई पांच किमी बताई गई और डामरीकरण किए जाने का उल्लेख था, बाद में पूरी योजना पर यू टर्न आ गया। अब इसकी लंबाई 11 किमी से अधिक हो गई, इसमें इसमें इंटरलाकिंग टाइल्स का काम होगा। इस मार्ग को तैयार करने की योजना है, उस मार्ग का इस्तेमाल पार्क से सटे आबादी क्षेत्र के लोग भी करते हैं।

वन विभाग ने पूरे राज्य में वित्तीय वर्ष 2023-24 में वन मार्ग, अश्व मार्ग पुल के वृहद व लघु निर्माण से लेकर अनुरक्षण के लिए साढ़े सात करोड़ जारी किए। इस साल राजाजी टाइगर रिजर्व ने वृहद मद में 66 लाख मिले थे,जो खर्च ही नहीं हो सके। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 16 करोड़ जारी हुए। वन विभाग ने राजाजी टाइगर रिजर्व के अंतर्गत चौरासी कुटी से जुड़े कार्य के लिए नेशनल टाइगर कंजरवेशन अथारिटी को पत्र भेजा है। जबकि कोर जोन में होने वाले इस सड़क सुधारीकरण के काम में जिसमें करोड़ों रुपये व्यय होने हैं और दूसरी संस्था काम करेगी।

सम्पादकीय

सबक लेने की बने रणनीति

सैयद अहमर हसनैन

पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुक्रवार को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर का दौरा किया। उस आतंकी हमले के बाद जिसमें छब्बीस लोग मारे गए थे। निस्संदेह, उनका यह दौरा हमारे इस सैन्य संकल्प की अभिव्यक्ति है कि हमारी सेना आम जन की सुरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। एक ऐसे क्षेत्र में जहां लोगों ने दशकों आतंक की त्रासदी झेली है, वहां प्रतीकात्मक जवाबदेही से आगे ठोस रणनीति बनाने की जरूरत है। दुर्भाग्य से आतंकवादियों ने उस क्षेत्र को अपने आतंक का निशान बनाया, जो जम्मू-कश्मीर के अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्रों में शामिल था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस हमले को लेकर कोई खुफिया अलर्ट क्यों नहीं मिल पाया, जिससे लोगों में रोष व्याप्त हुआ है। दरअसल, सुरक्षा चूक की ऐसी घटनाएं सिस्टम की तैयारियों के प्रति जनता के भरोसे को प्रभावित करती हैं। इसमें दो राय नहीं है कि प्रधानमंत्री ने इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप किया। इस संकटपूर्ण स्थिति में उन्होंने अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोकना प्राथमिकता समझा।

वहीं दूसरी ओर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तुरंत जम्मू-कश्मीर पहुंचे। वहीं शाह का तुरंत घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचना दुर्भाग्यपूर्ण घटना की गंभीरता को ही रेखांकित करता है। अब चाहे ये प्रयास कितने भी तात्कालिक व ईमानदार क्यों न हों, वे प्रणालीगत सुधार के विकल्प नहीं हो सकते। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आश्वासन दिया है कि हर अपराधी को पकड़ने के लिये सरकार कृतसंकल्प है। लेकिन इस तरह के आश्वासन केवल अल्पकालिक आवश्यकता को पूरा करते हैं। बेहतर होता कि हम पहले ही ऐसी चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करते कि परिंदा भी पर न मार सकता। निश्चित रूप से इस तरह के आतंकी हमले का व्यापक परिदृश्य हमें आत्ममंथन को विवश करता है। बहरहाल, पहलगाम आतंकी हमले से हुई जनहानि तमाम सवालों को जन्म देती है। हर किसी संवेदनशील मन में घटनाक्रम को लेकर अनेक प्रश्न उभरते हैं। आम विमर्श में यह मुद्दा उठता रहा है कि जम्मू-कश्मीर के इस संवेदनशील क्षेत्र में सेना की उपस्थिति क्यों नहीं थी। आखिर इस हमले की भनक हमारे खुफिया तंत्र को क्यों नहीं लगी। जम्मू-कश्मीर देश का सीमावर्ती व संवेदनशील क्षेत्र है। दशकों की आतंकी घटनाओं के चलते इस क्षेत्र में सेना, केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों तथा स्थानीय पुलिस की उपस्थिति देश के अन्य राज्यों के मुकाबले काफी ज्यादा रहती है। सवाल यह भी है कि आखिर खुफिया एजेंसियों से किस स्तर पर और क्यों चूक हुई। आखिर स्थानीय व विदेशी आतंकवादी इतनी आसानी से हमारे सुरक्षा चक्र को भेदने में कैसे सफल रहे? ऐसे तमाम सवाल हमारे नीति-नियंताओं से पारदर्शी जवाब मांग रहे हैं। ऐसे में सिर्फ सार्वजनिक रूप से बयान देने से काम चलने वाला नहीं है। हमें सुरक्षा व्यवस्था व खुफिया तंत्र की उन तमाम खामियों को दूर करना होगा, जिनके अभाव में आतंकवादी अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने में सफल हो सके। निस्संदेह, कश्मीर यात्रा के दौरान सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने सुरक्षा बलों के बीच ऑपरेशनल समन्वय की समीक्षा की। लेकिन राष्ट्र और कश्मीरी सिर्फ प्रोटोकॉल को सख्त करने से कहीं अधिक चाहते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के आलोक में खुफिया जानकारी साझा करने के तंत्र को सक्षम बनाने, तेज प्रतिक्रिया ढांचे के निर्माण और सुरक्षा तंत्र की मजबूती को मूर्त रूप देने की जरूरत है। कश्मीर को लेकर हमारे दांव हमेशा ऊंचे होते हैं, अब चाहे वे सैन्य, भावनात्मक और राजनीतिक रूप से हों। हमें पहलगाम आतंकी हमले में अपनों को खोने वाले लोगों के दर्द को संवेदनशील ढंग से महसूस करना चाहिए। आज वास्तविक स्थिति में बदलाव की जरूरत है ताकि हमारे राष्ट्रीय संकल्पों को संबल मिल सके। हमें जमीनी असहज सच्चाइयों का सामना करना होगा। इनसे मुकाबला करने की दृढ़ इच्छाशक्ति ही भविष्य की चुनौतियों से पार पाने में हमें सक्षम बना सकती है।

जीवाश्म दांतों की कहानी

एक ही जगह रहने वाले विशाल कंगारू जलवायु परिवर्तन के साथ खत्म हो गए

बड़े कंगारू आज लंबी दूरी तय करते हैं, अक्सर सूखे से बचने के लिए झुंड में घूमते हैं और आहार कम होने पर नया भोजन भी ढूंढते है लेकिन सभी कंगारू ऐसे नहीं हैं। पीएलओएस वन में आज प्रकाशित नए शोध में, हमने पाया कि पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले विशाल कंगारू अधिक गतिशील नहीं थे, जिसके चलते वे स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों में बदलाव के प्रति संवेदनशील हो गए थे। हमने मध्य पूर्वी क्वींसलैंड में रॉकहैम्पटन के उत्तर में माउंट एटना गुफाओं में, अब विलुप्त हो चुके विशाल कंगारू जीनस प्रोटेमनोडोन के जीवाश्म दांतों की खोज की। हमारे परिणाम बताते हैं कि प्रोटेमनोडॉन लंबी दूरी तक भोजन की तलाश नहीं करते थे, बल्कि हरे-भरे और स्थिर वर्षावन यूटोपिया में रहते थे। जब जलवायु शुष्क हो गई और मौसम बदलने लगा तब यूटोपिया खत्म होने लगा। यह माउंट एटना के कई प्राणियों के लिए विनाश का संकेत था।

माउंट एटना गुफाएं माउंट एटना गुफाएं राष्ट्रीय उद्यान और पास की कैप्रकार्न गुफाएं सैकड़ों हज़ारों वर्षों से जीवन के उल्लेखनीय रिकॉर्ड रखती हैं। गुफाओं में जीवाश्म जमा हो गए क्योंकि वे विशाल गड्ढे वाले जाल की तरह थीं और शेर, उल्लू, शिकारी पक्षी और अब लुप्तप्राय चमगादड़ जैसे शिकारियों का ठिकाना भी यहीं था। इस क्षेत्र के बड़े हिस्से में कभी चूना और सीमेंट के लिए खनन किया जाता था। हम में से एक ने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए अब नष्ट हो चुकी गुफाओं से जीवाश्म को सुरक्षित रूप से हटाने और जमा करने के लिए खदान प्रबंधकों के साथ मिलकर काम किया, जो अभी भी जारी है। हमारे अध्ययन के तहत हमने यूरेनियम-श्रृंखला डेटिंग का उपयोग करके जीवाश्मों की तिथि निर्धारित की, और उनके आसपास की तलछट का ल्यूमिनेसेंस डेटिंग नामक एक अलग तकनीक का उपयोग करके अध्ययन किया। हमारे अध्ययन से पता चलता है कि विशाल कंगारू कम से कम 500,000 साल पहले से लेकर लगभग 280,000 साल पहले तक गुफाओं के आसपास रहते थे। इसके बाद वे माउंट एटना जीवाश्म रिकॉर्ड से गायब हो गए। उस समय, माउंट एटना में समृद्ध वर्षावन थे, जो आज के न्यू गिनी के बराबर थे। 280,000 से 205,000 साल के बीच जब जलवायु शुष्क हो गई, तो प्रोटेमनोडोन सहित वर्षावन में रहने वाली प्रजातियां धीरे धीरे समाप्त हो गई। उनकी जगह शुष्क, शुष्क वातावरण के अनुकूल ढल चुकी प्रजातियों ने ले ली। यह स्तनधारियों में सामान्य प्रवृत्ति है। यह प्रवृत्ति आधुनिक कंगारूओं में भी है, इसलिए हमें उम्मीद थी कि प्रोटेमनोडोन जैसे विशाल विलुप्त कंगारूओं की भी बड़ी तादाद रही होगी। दांत खाए जाने वाले भोजन के रासायनिक समावेश को रिकॉर्ड करते हैं। दांत के इनेमल में तत्व स्ट्रोंटियम के विभिन्न समस्थानिकों को देखकर, हम विलुप्त जानवरों की भोजन की तलाश की सीमाओं का अध्ययन कर सकते हैं। स्ट्रोंटियम समस्थानिकों की अलग-अलग मात्रा जानवरों द्वारा खाए जाने वाले पौधों के रासायनिक तत्वों को दर्शाती है, साथ ही भूविज्ञान और मिट्टी की संरचना भी इससे पता चलती है। दांतों में उपस्थित रासायनिक तत्वों का पर्यावरण के स्थानीय संकेतों से मिलान करके हम अनुमान लगा सकते हैं कि ये प्राचीन जानवर भोजन प्राप्त करने के लिए कहां-कहां जाते थे। हमारे परिणामों से पता चला कि माउंट एटना से प्रोटेमनोडोन यानी विशाल कंगारू स्थानीय चूना पत्थर से बहुत दूर नहीं गए, जिसमें गुफाएं और जीवाश्म पाए गए थे। हमें लगता है कि माउंट एटना में प्रोटेमनोडोन की छोटी चारागाह सीमा वर्षावन में लाखों वर्षों की स्थिर खाद्य आपूर्ति के लिए एक अनुकूलन थी। उन्हें भोजन खोजने के लिए यात्रा करने की आवश्यकता कम ही थी। जीवाश्म साक्ष्य यह भी बताते हैं कि प्रोटेमनोडोन की कुछ प्रजातियां कूदने के बजाय चारों पैरों पर चलती थीं। इससे उनकी लंबी दूरी की यात्रा करने की क्षमता सीमित हो जाती, लेकिन वर्षावनों में रहने के लिए यह एक बढ़िया वजह है। ऑस्ट्रेलिया के मेगाफौना यानी मार्सपियल शेर, थायला कोलियो तथा तीन टन वजनी डिप्रोटोडॉन जैसे प्राणियों के विलुप्त होने पर लंबे समय से बहस चल रही है। अक्सर यह माना जाता रहा है कि मेगाफौना प्रजातियां जहां भी रहती हैं, पर्यावरण में होने वाले बदलावों के प्रति एक ही तरह से प्रतिक्रिया करती हैं। एक सिद्धांत यह भी है कि पर्यावरण में होने वाले बदलावों के अनुरूप स्वयं को न बदल पाना अंत की ओर ले जाता है। शायद पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में स्थिर आवासों में रह रही प्रोटेमनोडोन आबादी के लिए एक ही जगह रहना आम बात थी, और जब पर्यावरण की स्थिति बदली तो यही आदत उनकी कमजोरी साबित हुई। आमतौर पर, छोटे घरेलू क्षेत्र वाले जीवों में कहीं और जाने की क्षमता सीमित होती है इसलिए अगर उनके स्थानीय आवास में कुछ होता है, तो वे बड़ी मुसीबत में पड़ सकते हैं।**(द कन्वरसेशन)(भाषा)**

अनमोल विचार

- परेशानी नहीं आएगी तो आप अपने उच्चतम स्तर तक नहीं पहुँच पाओगे फिर कोई और वहाँ पहुँच जाएगा ।
- लोगों की बातों से कभी परेशान मत होना जो आज बात कर रहे है वो कल सम्मान भी कर सकते है ।
- ग़लतियां हो जाती है किससे नहीं होती पर जो मान लेता है वो जीत जाता और नहीं मानता वो और उसमें चला जाता है ।
- मोती तो बिखरे हुए होते है पर जब हम उसे एक धागे में पीरोह देते है तो कितने खूबसूरत हार के रूप में लगते है ।
- संसार में जितनी समस्याएं होती है उसके उतने समाधान भी होते है आपको बस समाधान ढूड़ना है ।

जिज्ञासा

बांस की सीख

एक संत अपने शिष्य के साथ जंगल में जा रहे थे। अचानक शिष्य का पैर फिसल गया और वह तेज़ी से नीचे की ओर लुढ़कने लगा। तभी उसने बांस के पौधे को मजबूती से पकड़ लिया और खाई में गिरने से बच गया। बांस धनुष की तरह झुक तो गया, लेकिन न तो वह उखड़ा और न ही टूटा। कुछ देर बाद संत वहां पहुंचे और शिष्य को खींचकर ऊपर ले आए। राह में संत ने शिष्य से कहा, 'जान बचाने वाले बांस ने तुमसे कुछ कहा, तुमने सुना क्या?' शिष्य ने जवाब दिया, 'नहीं गुरुजी, मुझे तो पेड़-पौधों की भाषा नहीं आती।' गुरु मुस्कुराए और बोले, 'बांस ने तुम्हारे लिए बहुत महत्वपूर्ण संदेश दिया है।' गुरु ने फिर रास्ते में खड़े एक बांस के पौधे को खींचकर छोड़ दिया। बांस लचककर अपनी जगह पर वापस लौट आया। गुरु ने कहा, 'हमेशा याद रखना, बांस की तरह हमें भी लचीला होना चाहिए। जब भी जीवन में कठिनाइयाँ आएं, तो थोड़ा झुककर विनम्र बन जाएं, लेकिन टूटें नहीं। बांस की तरह हमें अपनी जड़ों में मजबूत रहना चाहिए।

शब्द कलश

पहलगाम हमला मामला

पाक समर्थित आतंकवाद को कुचलने का वक्त

रोहित माहेश्वरी

कश्मीर घाटी में 80-90 के दशक में कट्टरता और आतंकवाद हावी था। तब कश्मीरी पंडितों के खिलाफ नफरत 1989 के आखिर में बहुत जहरीली हो गई थी। उन्हें लाउडस्पीकर पर चेतावनी देकर कश्मीर छोड़ने के लिए कहा जाता था। अशोक कुमार पांडे अपनी किताब 'कश्मीर और कश्मीरी पंडित' में लिखते हैं कि उस समय कश्मीरी पंडितों और अखबारों में घर छोड़ने की जो धमकियां दी गई थीं वो हिजबुल मुजाहिदीन के लेटर पैड पर दी गई थीं। जेकेएलएफ और हिजबुल हिंसा की अगुआई कर रहे थे। उनके साथ करीब दो दर्जन छोटे-मझोले इस्लामिक संगठन पंडितों की जान के दुश्मन बने हुए थे। तब चेतावनी दी जाती थी कि पंडित मर्द भाग जाएं, उनकी औरतें यहीं रहें। कश्मीर की त्रासदी झेलने वाले राहुल पंडिता अपनी किताब 'अवर मून हैज ब्लड क्लॉट' में लिखते हैं कि 19 जनवरी 1990 की रात मस्जिद के लाउडस्पीकर से लगातार आवाजें आ रही थी। मेरे मामा और पिताजी कुछ बात कर रहे थे। तभी बाहर जोर से आवाज आई 'नारा ए तकबीर, अल्लाह हु अकबर'। फिर आवाज आई, हम क्या चाहते आजादी, ए जालिमो, ए काफिरो, कश्मीर हमारा छोड़ दो। फिर कुछ देर में नारेबाजी थम गई। जब मेरी मां ने इसे सुना तो वो कांपने लगीं। उन्होंने कहा कि भीड़ चाहती है कि कश्मीर को पाकिस्तान में बदल दिया जाए। उसमें पंडित मर्द न हों...

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। पहलगाम में हुआ हमला बीते 6 साल में कश्मीर में सबसे बड़ा टेररिस्ट अटैक है। इससे पहले पुलवामा में आतंकियों के हमले में 40 जवानों की मौत हुई थी। हमले की जिम्मेदारी द रजिस्टेंस फ्रंट यानी ज्जत्र्स ने ली है। बीते कुछ साल में जम्मू-कश्मीर में होने वाले सभी छोटे-बड़े हमलों की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर या द रजिस्टेंस फ्रंट ने ही ली है। जम्मू-कश्मीर में करीब 20 साल तीन आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन सबसे ज्यादा चर्चा में रहे। 2019 के बाद इन आतंकी गुटों ने प्रॉक्सी नाम रखने शुरू किए। टीआरएफ का सुप्रीम कमांडर शेख सज्जाद गुल है। श्रीनगर में पैदा हुआ शेख सज्जाद अभी पाकिस्तान में है। मीडिया ने हमले के दौरान मौजूद टूरिस्ट, पुलिस और डिफेंस एक्सपर्ट से हमले के तरीके, टाइमिंग और वजहों पर पड़ताल की। एक्सपर्ट मानते हैं कि हमला करने वाले आतंकी पाकिस्तान से आए थे। लोकल मिलिटेंट टूरिस्ट पर हमला नहीं करते। ये हमला उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार डालने के लिए किया है।

मौके पर मौजूद दुकानदारों के मुताबिक, आतंकियों ने दुकानों से कुछ दूर झाड़ियों से फायरिंग की। गोलियां लगने से टूरिस्ट वहीं गिर गए। फायरिंग के बाद आतंकी भाग गए। सोर्स के मुताबिक, हमले में मरने वालों में लोकल कश्मीरी और विदेशी भी शामिल हैं। विदेशी नागरिक नेपाल और सऊदी अरब के हैं। जानकारों के मुताबिक, कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद हालात जिस तरह से सामान्य हुए हैं। उसमें खलल डालने के लिए ये हमला किया गया है। टूरिस्टों पर हमला कर लोकल लोगों का बिजनेस ठप करने की कोशिश की गई है। पूरी वारदात भारत को नीचा दिखाने के लिए और हिंदू-मुसलमानों के बीच दरार डालने के लिए की गई है। आतंकियों ने नाम पूछकर लोगों को मारा है। ये भी काफी कुछ कहता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कश्मीर जाने वाले हिंदू सैलानियों और कामगारों की संख्या में गिरावट आ सकती है। आतंकियों ने हिंदुओं को चुन-चुनकर मारा है। यानी आतंकियों का मैसेज साफ है कि वो कश्मीर में हिंदुओं को नहीं देखना चाहते। चाहे वो टूरिस्ट ही क्यों न हों। कश्मीर घाटी में 80-90 के दशक में कट्टरता और आतंकवाद हावी था। तब कश्मीरी पंडितों के खिलाफ नफरत 1989 के आखिर में बहुत जहरीली हो गई थी। उन्हें लाउडस्पीकर पर चेतावनी देकर कश्मीर छोड़ने के लिए कहा जाता था। अशोक कुमार पांडे अपनी किताब 'कश्मीर और कश्मीरी पंडित' में लिखते हैं कि उस समय कश्मीरी पंडितों और अखबारों में घर छोड़ने की जो धमकियां दी गई थीं वो हिजबुल मुजाहिदीन के लेटर पैड पर दी गई थीं। जेकेएलएफ और हिजबुल हिंसा की अगुआई कर रहे थे। उनके साथ करीब दो दर्जन छोटे-मझोले इस्लामिक संगठन पंडितों की जान के दुश्मन बने हुए थे। तब चेतावनी दी जाती थी कि पंडित मर्द भाग जाएं, उनकी औरतें यहीं रहें। कश्मीर की त्रासदी झेलने वाले राहुल पंडिता अपनी किताब 'अवर मून हैज ब्लड क्लॉट' में लिखते हैं कि 19 जनवरी 1990 की रात मस्जिद के लाउडस्पीकर से लगातार आवाजें आ रही थी। मेरे मामा और पिताजी कुछ बात कर रहे थे। तभी बाहर जोर से आवाज आई 'नारा ए तकबीर, अल्लाह हु अकबर'। फिर आवाज आई, हम क्या चाहते आजादी, ए जालिमों, ए काफिरों, कश्मीर हमारा छोड़ दो। फिर कुछ देर में नारेबाजी थम गई। जब मेरी मां ने इसे सुना तो वो कांपने लगीं। उन्होंने कहा कि भीड़ चाहती है कि कश्मीर को पाकिस्तान में बदल दिया जाए। उसमें पंडित मर्द न हों, लेकिन उनकी औरतें हों। कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के पलायन के बाद अब वहां हिंदू आबादी न के बराबर बची है। जाहिर है, पहले की तरह इस बार भी आतंकी हमले के जरिये भारत को विश्व समुदाय के सामने कमतर या खंडित साबित करने की पाकिस्तान की मंशा बेकार साबित हुई। उल्टे पाकिस्तान की तरफ से आये हुए कुछ

बयानात उसे ही संदेह के घेरे में डालते हैं। इस घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पहलगाम हमले के दूसरे दिन पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत ने 5 बड़े फैसले लिए हैं। इसमें 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रोका गया है। अटारी चेक पोस्ट के बंद होने से पाकिस्तान के लोगों की आवाजाही रुकेगी, हाई कमीशन से डिफेंस एडवाइजर्स हटाए और कम किए, भारत ने अपने डिफेंस एडवाइजर्स भी वापस बुलाए हैं। पाकिस्तान ने भी शिमला समझौता रद्द करने के अलावा कई कदम उठाये हैं। पाकिस्तान की पीड़ा सिंधु जल समझौते को लेकर है। भारत के पाकिस्तान से तीन युद्ध हो चुके हैं, लेकिन भारत ने कभी भी पानी नहीं रोका था, लेकिन पाकिस्तान हर बार भारत में आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार होता है। पहलगाम में आतंकी हमले से जम्मू कश्मीर के लोग भी आहत हैं। इतना ही नहीं, कश्मीर की मस्जिदों से ऐलान किया गया। सरकार से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की अपील की गई। यह कश्मीर में बदली फिजां का एक और नमूना है। क्योंकि अब वहां आतंकियों के समर्थक नहीं दिखते। पहलगाम हमले के बाद वहां के लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। इसकी गूंज पाकिस्तान तक जरूर पहुंचेगी। हमले के दो घंटे बाद कश्मीर की मस्जिदों से एक ऐतिहासिक ऐलान हुआ। कहा गया, पहलगाम हमला इस्लाम और मानवता के खिलाफ है। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और यह हमला कश्मीर की शांति और एकता को नष्ट करने की साजिश है।

धार्मिक पर्यटन : जहां आस्था बनाती है अर्थव्यवस्था एवं विकास का आधार

भारत के पवित्र तीर्थ

डॉ. मनमोहन प्रकाश

मेरा ऐसा मानना है कि भारत में सभी धर्मो के कई विशिष्ट धार्मिक केंद्र हैं जिनका आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक महत्व है और जहां उन धर्मो के अनुयायीयों का जाना एक सपना होता है। अतः पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी धर्मो के प्रमुख पर्यटन स्थलों को योजनाबद्ध तरीके से विश्वस्तरीय स्वरूप एवं सुविधाएं प्रदान करने का लक्ष्य तय किया जाना चाहिए। भारत में धार्मिक पर्यटन की कितनी संभावनाएं हैं का अनुमान लगाने के लिए मैंने सभी धर्मो के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों की निम्नानुसार सतही जानकारी देने का प्रयास किया है :-

(1) प्रमुख सनातन (हिन्दू) धार्मिक पर्यटन स्थल:

(क) कुंभ और अर्धकुंभ मेला स्थल (नासिक, हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन)।(ख) चारधाम (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री) और अन्य प्रमुख स्थल (रामेश्वरम, द्वारका, जगन्नाथ पुरी, बद्रीनाथ)।

(ग) 51 शक्ति पीठ।

(क-1) द्वादश ज्योतिर्लिंग (सोमनाथ, मलिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, बैद्यनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, त्रयंबकेश्वर, केदारनाथ, नागेश्वर, रामेश्वरम, घृष्णेश्वर)।

(1) मोक्षदायिनी सात पवित्र नगरी (अयोध्या - श्रीराम जन्मभूमि और राज्य नगरी, मथुरा - श्रीकृष्ण जन्मभूमि, हरिद्वार - गंगा का पवित्र स्थल, काशी - मोक्ष देने वाला तीर्थ, कांचीपुरम- भगवान विष्णु और शिव का पवित्र स्थल, उज्जैन-भगवान कृष्ण और बलराम की शिक्षा नगरी, द्वारका - भगवान कृष्ण की राज्य नगरी, महू, इंदौर - भगवान परशुराम की जन्मस्थली); संगम स्थल प्रयागराज - गंगा, यमुना, सरस्वती।

पितरों के पिंडदान का प्रमुख स्थल - गया (बिहार)।

विशिष्ट मंदिर - एकमात्र ब्रह्मा मंदिर (पुष्कर, राजस्थान), एकमात्र राजा राम मंदिर (ओरछा), भगवान वेंकटेश्वर मंदिर (तिरुपति बालाजी), राम लला मंदिर (अयोध्या), भारत माता मंदिर (हरिद्वार), रमणाथस्वामी मंदिर (रामेश्वरम), बृहदीश्वर (तमिलनाडु), मीनाक्षी मंदिर (मदुरै, तमिलनाडु), तिरुपति बालाजी मंदिर (आंध्रप्रदेश), शबरीमाला मंदिर (केरल), द्वारकाधीश मंदिर (गुजरात), जगन्नाथ मंदिर (पुरी, उड़ीसा), कामाख्या देवी मंदिर (असम), कालीघाट काली मंदिर (कोलकाता, पश्चिम बंगाल)।

माध्वाचार्य द्वारा स्थापित अष्ट मठ (कर्नाटक - पलिमर मठ, अष्टमठ मठ, पेजावर मठ, कनीयर मठ, शिरुर भठ, सोढ़े मठ, अद्यपीठ मठ, कृष्णपुर मठ)।

शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार पीठ (ज्योतिष पीठ - उत्तराखंड, शारदा पीठ - गुजरात, गोवर्धन पीठ - उड़ीसा, श्रृंगेरी पीठ - कर्नाटक)।

अन्य प्रमुख मठ (कांजी कामकोटि पीठ - तमिलनाडु, रामकृष्ण मठ - पश्चिम बंगाल, काशी मठ - वाराणसी)।

प्रमुख आश्रम (शांति कुंज - हरिद्वार, परमार्थ निकेतन - ऋषिकेश, अरविंदो आश्रम - पांडिचेरी, रामकृष्ण मिशन - पश्चिम बंगाल, माता अमृतानंदमई आश्रम - केरल, योगदा सत्संग - झारखंड, ईशा फाउंडेशन - तमिलनाडु, अद्वैत आश्रम - उत्तराखंड, आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम - बैंगलोर)।

प्रमुख परिक्रमा स्थल (नंदी अरुणाचल पर्वत परिक्रमा, तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु, गिरराज गोवर्धन पर्वत परिक्रमा, मथुरा, अयोध्या पंचकोसी और चौरासी कोसी परिक्रमा, काशी पंचकोसी परिक्रमा, वाराणसी; ब्रह्मावृत्त परिक्रमा, द्वारका, गुजरात, मां नर्मदा नदी परिक्रमा, ओंकारेश्वर पर्वत

परिक्रमा, खंडवा, अमरकंटक पर्वत, अनूपपुर, महेश्वर परिक्रमा, खरगोन; कामदगिरि पर्वत, चित्रकूट, मध्य प्रदेश)।

(2) प्रमुख जैन धार्मिक पर्यटन स्थल:

भारत सहित विश्व में जैन धर्म के करोड़ों अनुयायी हैं। भारत में इस धर्म के कई प्रमुख तीर्थ स्थल हैं, जहाँ जाना जैनियों का एक सपना होता है। कुछ प्रमुख स्थल इस प्रकार हैं-

पारसनाथ (श्री सम्मेद शिखरजी) - झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित यह पर्वत जैन धर्म का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल है। मान्यता है कि 24 में से 20 तीर्थंकरों ने यहाँ निर्वाण प्राप्त किया।

श्रवणबेलगोला – कर्नाटक में स्थित यह स्थल भगवान बाहुबली (गोमटेश्वर) की 57 फीट ऊँची विशाल प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ हर 12 वर्ष में महामस्तकाभिषेक महोत्सव आयोजित किया जाता है।

शत्रुंजय (पलिताना) – गुजरात में स्थित यह जैन धर्म का प्रमुख तीर्थ स्थल है, जहाँ 900 से अधिक जैन मंदिर हैं।

रणकपुर जैन मंदिर – राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित यह मंदिर भगवान आदिनाथ को समर्पित है और अपनी संगमरमर की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है।

माउंट आबू (दिलवाड़ा जैन मंदिर) – राजस्थान में स्थित यह मंदिर अपनी अद्वितीय संगमरमर की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है।

गिरनार पर्वत – गुजरात में स्थित यह स्थल भगवान नेमिनाथ के मोक्षस्थल के रूप में प्रसिद्ध है और यहाँ कई प्राचीन जैन मंदिर स्थित हैं।

सोनागिरि – मध्य प्रदेश के दतिया जिले में स्थित यह स्थान 100 से अधिक जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।

श्री महावीरजी – राजस्थान में स्थित यह भगवान महावीर स्वामी को समर्पित एक प्रमुख तीर्थ स्थल है।

काम्पिल्य और हस्तिनापुर – उत्तर प्रदेश स्थित ये स्थल जैन धर्म में विशेष महत्व रखते हैं, और इन्हें तीन तीर्थंकरों का जन्मस्थान माना जाता है। काम्पिल्य नगर को भगवान वासुपूज्य के निर्वाण स्थल के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा, अन्य प्रमुख जैन मंदिरों में वेलगोल जैन मठ (कर्नाटक),अतिशय क्षेत्र चुलगिरी (जयपुर, राजस्थान), महावीर स्वामी जैन मंदिर (मुंबई, महाराष्ट्र), श्री समवशरण मंदिर (पावापुरी, बिहार), पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर (वाराणसी, उत्तर प्रदेश), शांतिनाथ जिनालय (कोलकाता, पश्चिम बंगाल) आदि शामिल हैं।

सिख धर्म के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल:

सिख धर्म की संस्कृति, परंपरा और इतिहास को दर्शाते हुए भारत में करोड़ों सिक्ख श्रद्धालुओं के आस्था के प्रमुख धार्मिक केंद्र निम्नलिखित हैं हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर, अमृतसर, पंजाब) यह गुरु अर्जन देव जी द्वारा 1604 में स्थापित किया गया था और इसे सिखों का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल माना जाता है। यहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पहली प्रति स्थापित की गई थी।

अकाल तख्त (अमृतसर, पंजाब) यह सिख धर्म के पांच तख्तों में से एक है, जिसे 1604 में स्थापित किया गया। यह स्थान सिक्खों के धार्मिक और सामाजिक निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण है।

तख्त केसगढ़ साहिब (आनंदपुर साहिब, पंजाब) यह भी सिक्ख धर्म के पांच तख्तों में शामिल है, और यहां 1699 में गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

तख्त श्री पटना साहिब (पटना, बिहार) यह गुरु गोबिंद सिंह जी की जन्मस्थली है और सिक्ख धर्म के पांच तख्तों में एक महत्वपूर्ण स्थल है।

तख्त श्री हुजूर साहिब (नांदेड़, महाराष्ट्र) यह सच्चखंड साहिब के नाम से प्रसिद्ध है, जहां गुरु गोबिंद सिंह जी ने 1708 में अंतिम सांस ली थी। यहां गुरु जी की तलवार और अन्य वस्तुएं संरक्षित हैं।**(क्रमशः)**

आज का राशिफल

मेष:नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। काम में मन नहीं लगेगा।

वृषभ: भाग्य का साथ मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

मिथुन: फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा।

कर्क : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह:कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या: घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा।

तुला:नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनहानि हो सकती है।

वृश्चिक : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु:स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर:कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

कुंभ : नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी।

मीन:विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

आज का पंचांग

27 अप्रैल को वैशाख कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि और रविवार का दिन है। अमावस्या तिथि रविवार देर रात 1 बजकर 1 मिनट तक रहेगी। 27 अप्रैल को रात 12 बजकर 19 मिनट तक प्रीति योग रहेगा। साथ ही 27 अप्रैल को रात 12 बजकर 39 मिनट तक अश्विनी नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा आज वैशाख अमावस्या है।

27 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

वैशाख कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि- 27 अप्रैल 2025 को देर रात 1 बजकर 1 मिनट तक

प्रीति योग- 27 अप्रैल को रात 12 बजकर 19 मिनट तक

अश्विनी नक्षत्र- 27 अप्रैल को रात 12 बजकर 39 मिनट तक

27 अप्रैल 2025 व्रत-त्योहार- वैशाख अमावस्या

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 5:43 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:53 बजे

लाइन ओरिजिनल्स ने थाईलैंड में फॉर्च्यून फिएस्टा 2025 में अपने पार्टनर्स के साथ सफलता का जश्न मनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट गैजेट्स और ऑडियो प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी लाइन ओरिजिनल्स ने 15 से 19 अप्रैल तक थाईलैंड के डुसिट थानी रिज़ॉर्ट, पटाया में अपने खास चैनल पार्टनर प्रोग्राम 'फॉर्च्यून फिएस्टा 2025' का आयोजन किया। इसमें भारत के अलग-अलग हिस्सों से आए 600 से ज्यादा सुपर स्टॉकिस्ट्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और रिटेलर्स ने हिस्सा लिया। ये सभी लोग कंपनी की

'चैप्टर 2.0 स्कीम' में अच्छा काम करने के लिए चुने गए थे। इस कार्यक्रम का मकसद अपने साथियों को सम्मान देना, आगे की योजना बताना और साथ मिलकर आगे बढ़ने का भरोसा मजबूत करना था। इस मौके पर मशहूर फिल्म अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी मौजूद रहीं और सभी मेहमानों को अपनी मौजूदगी से खुश किया। श्री परेश विज, जो कंपनी के संस्थापक और डायरेक्टर हैं, उन्होंने कहा, लाइन की सफलता हमारे सभी साथियों की मेहनत और एकजुटता से ही संभव हुई है। ये कार्यक्रम सिर्फ जश्न नहीं, बल्कि हमारे भरोसे, मेहनत और मिलकर आगे बढ़ने का संकेत है।

पब्लिक सेक्टर लाइटिंग के लिए फोकस लाइटिंग ऐंड फिक्चर्स एस.ओ.आर. में शामिल

मुंबई, एजेंसी। फोकस लाइटिंग ऐंड फिक्चर्स लिमिटेड (एनएसई - एफओसीयूएस), जो एलईडी लाइट्स और फिक्चर्स के निर्माण और नया लाइटिंग समाधानों में अग्रणी है, को गुजरात सरकार के रोड्स ऐंड बिल्डिंग्स विभाग के इलेक्ट्रिकल विंग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025- के लिए पैनल में शामिल किया गया है। यह पैनल में शामिल किया जाना विभाग की शेड्यूल आफ रेट्स (एस.ओ.आर.) समीक्षा समिति द्वारा गहन मूल्यांकन के बाद हुआ है, जिसने कंपनी की योग्यता की पुष्टि की है कि वह विभिन्न सरकारी परियोजनाओं के लिए प्रकाश समाधान प्रदान कर सकती है, यह मान्यता 31 मार्च, 2026 तक प्रभावी रहेगी। प्लस लाइट टेक और ट्रिक्स ब्रांड के अंतर्गत प्रस्तुत उत्पादों में इनडोर और आउटडोर दोनों प्रकार की लाइटिंग फिटिंग्स शामिल हैं, जो सभी आवश्यक तकनीकी मानकों का पूर्ण रूप से पालन करते हैं।

उमा एक्सपोर्ट्स ने नवी मुंबई में नया पल्स यूनिट स्थापित कर प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाई

मुंबई, एजेंसी। उमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड कृषि-व्यापार में अग्रणी कंपनियों में से एक, ने नवी मुंबई में अपनी लीज़ पर ली गई सुविधा में पल्स निर्माण संचालन की शुरुआत की घोषणा की। नए संयंत्र ने अपनी ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरी कर ली है और अब यह पूरी तरह से संचालन में है, जिससे उत्पादन क्षमता में 36,000 एमटीपीए की वृद्धि हुई है। यह विकास कंपनी की रणनीतिक दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो केवल व्यापार से आगे बढ़कर मूल्यवर्धित निर्माण की ओर अग्रसर हो रही है। यह नया उद्यम पूरी तरह से आंतरिक संचित निधियों द्वारा वित्तपोषित किया गया है, जिससे कोई बाहरी निवेश की आवश्यकता नहीं है, और यह कंपनी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण से मेल खाता है, जो प्रसंस्कृत दालों की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने पर केंद्रित है। यह रणनीतिक कदम कंपनी का प्रसंस्करण क्षेत्र में पहला कदम है, जो पारंपरिक व्यापार-आधारित व्यापार मॉडल में विविधता ला रहा है। इस संयंत्र से एफवाय26 की चौथी तिमाही तक कंपनी के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद है। व्यापार से प्रसंस्करण की ओर यह संक्रमण उमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के बड़े दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसने कृषि उत्पादों के बी2बी व्यापार में एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है। कंपनी चीनी, मसाले, अनाज, चाय, दालें और कृषि-चारा सामग्री सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का व्यापार करती है।

ओरा की भव्य ज्वेलरी के साथ मनाईये अक्षय तृतीया और एनिवर्सरी सेल की खुशी

समृद्धि और परंपरा के उत्सव के लिए ओरा दे रहा है डायमंड ज्वेलरी पर एक्सक्लुसिव ऑफर

नियम व शर्तें लागू।

एक्सक्लुसिव फेस्टिव ऑफर के साथ पाएं डायमंड के मूल्य पर 25 प्रतिशत की छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय संस्कृति में अक्षय तृतीया का बहुत महत्व है। कोई भी नया कार्य या उद्यम शुरू करने के लिए इस दिन को शुभ माना जाता है। इस दिन विशेषकर सोने और ज्वेलरी में निवेश किया जाता है। समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक यह उत्सव गहरा सांस्कृतिक महत्व रखता है। वहीं ओरा की एनिवर्सरी सेल ने इस त्योहार की खुशी को और ज्यादा बा दिया है क्योंकि इस सेल में ओरा द्वारा ग्राहकों को अक्षय तृतीय कलेक्शन पेश करके यह पारंपरिक उत्सव आधुनिक वैभव के साथ मनाने का मौका दिया जा रहा है। इन दोनों खुशियों ने पूरे देश में ज्वेलरी प्रेमियों को परंपरा और वैभव का जश्न मनाने का अवसर एक साथ दिया है।

अक्षय तृतीया के लिए ज्वेलरी खरीदनी हो या फिर अपने प्रियजन को उपहार में देने के लिए, ओरा की एनिवर्सरी सेल में हर किसी के लिए विशेष कलेक्शन उपलब्ध है। दैनिक उपयोग की डायमंड ज्वेलरी से

लेकर सांस्कृति महत्व की ज्वेलरी तक, यह कलेक्शन कालातीत मूल्यों, समृद्धि और इस त्योहार के साथ एक नई शुरुआत के वादे का प्रतीक है।

ओरा फाईन ज्वेलरी के मैनेजिंग डायरेक्टर, दीपू मेहता ने कहा, ''ओरा ज्वेलरी केवल एक एक्सेसरी नहीं है। यह एक भावना, एक विरासत और एक जश्न का प्रतीक है। अक्षय तृतीय एक पवित्र उत्सव है। इस अवसर पर हम अपनी एनिवर्सरी सेल में अपने ग्राहकों को कुछ खास अनुभव पेश करना चाहते हैं। इस सीन हमारे कलेक्शन में युगों पुराने प्रतीकों को आधुनिक डायमंड ज्वेलरी में उतारा गया है, ताकि हर कोई अपने तरीके से इस खुशी को मना सके।'' इस नए कलेक्शन में नेकलेस सेट, ईयरिंग्स, पेंडंट्स, रिंग्स, चेन आदि हैं, जो प्रकृति और भारतीय रूपांकनों से प्रेरित हैं और आज की महिलाओं के अनुरूप हैं। हर ज्वेलरी में पारंपरिक क्राफ्ट्समैनशिप के साथ आधुनिक डिाइन का समावेश है, जो नई शुरुआत के सार को समाहित करता है।

शादी की तैयारी हो, त्योहारों के लिए उपहार खरीदना हो या फिर अपने लिए कालातीत ज्वेलरी ओरा हर स्टाईल और अवसर के लिए ज्वेलरी पेश करता है। अक्षय तृतीया और एनिवर्सरी सेल के अलावा ओरा के कलेक्शन में पेटेंटेड 73-फैसेट डायमंड, प्रतिष्ठित क्राउन स्टार भी शामिल है, जो अपनी बेजो चमक के लिए मशहूर है। यह उन पारखियों के लिए है, जो अपने लिए असाधारण ज्वेलरी पसंद करते हैं। ओरा के अन्य बेहतरीन कलेक्शनों में एकता - द वेडिंग कलेक्शन और सोलिस एवं एस्ट्रा शामिल हैं, जो हर तरह के अवसर के लिए विशेष डिाइन पेश करते हैं।

हर क्लिक में विश्वास

ई-कॉमर्स धोखाधड़ी से निपटने के लिए अमेजन की बहु-स्तरीय रणनीति

मुंबई, एजेंसी। भारत के व्यस्त बाज़ार में धोखाधड़ी और दुरुपयोग का बढ़ना तेजी से चिंता का कारण बनता जा रहा है। जैसे-जैसे ऑनलाइन शॉपिंग कार्ट्स भरते जा रहे हैं, अमेजन एक सतर्क प्रहरी के रूप में खड़ा है, जो अपने पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक रणनीतियाँ अपना रहा है।

धोखाधड़ी का परिदृश्य : एक जटिल जाल

वृद्धि के साथ-साथ चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं। सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, एंटरप्राइज और फिनटेक प्लेटफार्मों पर धोखाधड़ी की गतिविधियाँ पिछले कुछ वर्षों में देश में काफी बढ़ गई हैं। हाल ही में पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट ने यह चौंकाने वाला तथ्य सामने रखा कि 57 प्रतिशत घटनाएँ इन प्लेटफार्मों से जुड़ी धोखाधड़ी से संबंधित हैं। यह धोखाधड़ी विभिन्न रूपों में प्रकट होती है, जिसे सिस्टम में कुछ बुरे तत्वों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है।

विक्रेता-संबंधी चुनौतियाँ : कुछ विक्रेता मार्केटप्लेस पर धोखाधड़ीपूर्ण प्रथाओं में शामिल हो सकते हैं। इसमें क्षतिग्रस्त सामान भेजना या नकली माल बेचना शामिल है। ऐसी प्रथाएँ ग्राहक के विश्वास और मार्केटप्लेस की अखंडता पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

फुलफिलमेंट नेटवर्क की चिंताएँ : अक्सर नेटवर्क के कुछ छोटे सदस्य जो ऑर्डर पूरा करने में मदद करते हैं, असली उत्पादों को नकली उत्पादों से बदल सकते हैं या डिलीवरी की स्थिति में हेरफेर कर सकते हैं। यह उद्योग में एक अन्य समस्या है जो ग्राहकों के लिए तनाव और परेशानी का कारण बनती है और उनके ऑनलाइन शॉपिंग अनुभव को खराब कर देती है।

टेक्नो स्पोर्ट ने उत्तर भारत में पहला स्टोर खोला

इंदौर एजेंसी। टेक्नो स्पोर्ट, जो प्रदर्शन-आधारित एक्टिवियर में एक प्रमुख नाम है, ने उत्तर भारत में अपनी पहली विशेष ब्रांड स्टोर (ईबीओ) खोलने की घोषणा की है। इंदौर में स्टोर 24 अप्रैल 2025 को फीनिक्स सिटाडेल मॉल में खोला गया है। जो मध्य भारत के दिल में ब्रांड के प्रदर्शन, नवाचार और शैली का एक अनूठापन है।

नया स्टोर और पेशकशें: यह स्टोर 1200 वर्ग फुट में फैला हुआ है और इंदौर में सक्रिय जीवनशैली के शौकीनों के लिए एक आकर्षक खरीदारी अनुभव प्रदान करता है। स्टोर में टेक्नो स्पोर्ट के सबसे अधिक बिकने वाले उत्पादों के साथ-साथ स्थानीय पसंद के अनुसार तैयार किए गए नए ट्रेंडिंग उत्पादों श्रृंखला है। ये उत्पाद ऊर्जावान और शैली-जागरूक उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो आराम और प्रदर्शन दोनों को महत्व देते हैं।

कलेक्शन हाइलाइट: ग्राहक कॉटफ्लेक्स संग्रह का पता लगा सकते हैं, जो वसंत-ग्रीष्म ऋतु की मांगों के लिए इंजीनियर किए गए एक्टिवियर की एक श्रृंखला है। इस संग्रह की प्रमुख विशेषताओं में एंटी-माइक्रोबियल तकनीक शामिल है जो स्वच्छता और ताजगी सुनिश्चित करती है। टेक्नो स्पोर्ट के एक्टिवियर संग्रह में यूवीएफ 50+ फैब्रिक है जो त्वचा को यूवी किरणों और सूर्य की क्षति से बचाता है। इसके हल्के निर्माण, उन्नत सांस लेने की क्षमता और जल्दी सूखने वाले गुण इसे गर्म महीनों के दौरान भी आपको ठंडा, ताज़ा और संरक्षित रखने में मदद करते हैं।

घाटे के बाद भी डिविडेंड का तोहफा

विजय केडिया के पास टाटा की तेजस नेटवर्क्स के 18,00,000 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स ने 31 मार्च 2025 को खत्म हुई तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। तेजस नेटवर्क्स को जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में 71.8 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 146.8 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। तिमाही घाटे के बावजूद तेजस नेटवर्क्स के बोर्ड ने हर शेयर पर 2.50 रुपये का डिविडेंड रिकमंड किया है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी पर दिग्गज निवेशक विजय केडिया का भी बड़ा दांव है।

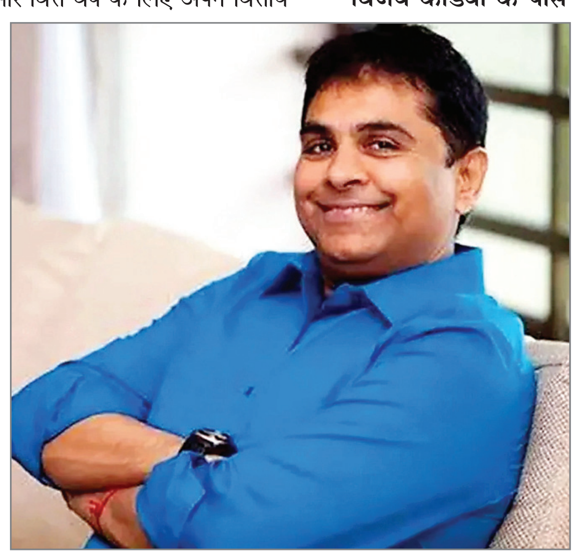

43 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा कंपनी का रेवेन्यू- तेजस नेटवर्क्स का रेवेन्यू मार्च 2025 तिमाही में 43.7 पर्सेंट बढ़कर 1906.9 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 1326.9 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 60.7 पर्सेंट घटकर 121.5 करोड़ रुपये रहा है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 309.3 करोड़ रुपये था। मार्च 2025 तिमाही में तेजस नेटवर्क्स का इबिट्डा मार्जिन भी घटकर 6.4 प्रतिशत पहुंच गया है।

विजय केडिया के पास हैं तेजस नेटवर्क्स के 18,00,000 शेयर- दिग्गज निवेशक विजय केडिया का टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स पर बड़ा दांव है। केडिया के पास तेजस नेटवर्क्स के 18,00,000 शेयर हैं। कंपनी में विजय केडिया की हिस्सेदारी 1.02 पर्सेंट है। विजय केडिया ने अपनी इनवेस्टमेंट फर्म केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए तेजस नेटवर्क्स पर दांव लगाया हुआ है।

5 साल में 2239 प्रतिशत चढ़ गए हैं तेजस नेटवर्क्स के शेयर- टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयर पिछले पांच साल में 2239 प्रतिशत उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल 2020 को 36.65 रुपये पर थे। तेजस नेटवर्क्स के शेयर 25 अप्रैल 2025 को 859.85 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले चार साल में कंपनी के शेयरों में 365 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। तेजस नेटवर्क्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1495 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 646.55 रुपये है।

टेक महिन्द्रा का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 में 80.3 प्रतिशत बढ़कर 4,252 करोड़ रुपये पहुंचा

एबिटा मार्जिन 360 आधार अंक बढ़ा, बोर्ड ने 30 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की सिफारिश की

मुंबई, एजेंसी। सभी उद्योगों में उपक्रमों को टेक्नोलॉजी परामर्श और डिजिटल सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली विश्व की अग्रणी कंपनी टेक महिन्द्रा ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अंकेक्षित समेकित वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। टेक महिन्द्रा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक मोहित जोशी ने कहा, इस वर्ष हमने हमारी परिवर्तन यात्रा के लिए एक मजबूत नींव डाली। हमारे लोगों, नेतृत्व और क्षमताओं में रणनीतिक निवेश के जरिए हमने हमारे रणनीतिक रोडमैप में तेजी लाने के लिए अपनी स्थिति मजबूत की है। 2.7 अरब डॉलर का सौदा हासिल होना साल दर साल 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और यह हमारे ग्राहकों के साथ हमारी साझीदारी की गहराई का एक स्पष्ट प्रमाण है। टेक महिन्द्रा के मुख्य वित्तीय अधिकारी रोहित आनंद ने कहा, इस वर्ष, हमने मजबूत क्रियान्वयन, परिचालन क्षमता का उपयोग और लागत प्रबंधन के जरिए परिचालन लाभ में 60 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हासिल की है। हमने प्रति शेयर लाभांश 12.5 प्रतिशत बढ़ा दिया है और शेयरधारकों को मुक्त नकदी प्रवाह का 85 प्रतिशत लौटाया है।

बीती तिमाही के लिए वित्तीय नतीजे (डॉलर में)

आय154.9 करोड़ डालर रही, तिमाही दर तिमाही 1.2 प्रतिशत कम, साल दर साल समान। स्थिर मुद्रा संदर्भ में आय तिमाही दर तिमाही 1.5 प्रतिशत घटी, साल दर साल 0.3 प्रतिशत बढ़ी। एबिटा मार्जिन16.3 करोड़ डालर रहा, तिमाही दर तिमाही 2.8 प्रतिशत अधिक, साल दर साल 43.6 प्रतिशत अधिक। एबिटा मार्जिन 10.5 प्रतिशत, तिमाही दर तिमाही 40 आधार अंक अधिक, साल दर साल 320 आधार अंक अधिक। कर बाद लाभ 13.6 करोड़ डालर, तिमाही दर तिमाही 17.3 प्रतिशत अधिक, साल दर साल 70.8 प्रतिशत अधिक। शुद्ध लाभ मार्जिन 8.7 प्रतिशत, तिमाही दर तिमाही130 आधार अंक अधिक, साल दर साल 350 आधार अंक अधिक। मुक्त नकदी प्रवाह 15.0 करोड़ डॉलर।

एक्सिस बैंक के वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही और वार्षिक परिणाम

मुंबई, एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज अपने वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही और वार्षिक परिणामों की घोषणा की, जिसमें 26,373 करोड़ रुपये का वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 24 में 24,861 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक है। बैंक की शुद्ध ब्याज आय 6 प्रतिशत बढ़कर 13,811 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज मार्जिन 3.97 प्रतिशत रहा और तिमाही दर तिमाही 4 बीपीएस बढ़ा। सीएएसए में तिमाही दर तिमाही के आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई और सीएएसए अनुपात 38 प्रतिशत क्यूएबी पर रहा। 31 मार्च 2025 तक, बैंक के रिपोर्ट किए गए सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए का स्तर क्रमश : 1.28 प्रतिशत और 0.33 प्रतिशत था, जबकि 31 मार्च 2024 को यह 1.43 प्रतिशत और 0.31 प्रतिशत था। बैंक की शुल्क आय वित्त वर्ष 25 में 12 प्रतिशत साल दर साल और 16 प्रतिशत तिमाही दर तिमाही बढ़कर 6,338 रुपये हो गई। खुदरा शुल्क में 14 प्रतिशत साल दर साल और 22 प्रतिशत तिमाही दर तिमाही की वृद्धि हुई ; और बैंक की कुल शुल्क आय का 75 प्रतिशत हिस्सा रहा। बैंक का समग्र पूंजी पर्याप्तता अनुपात 14.67 प्रतिशत के सीईटी 1 अनुपात के साथ 17.07 प्रतिशत रहा। बैंक की घरेलू सहायक कंपनियों ने स्थिर प्रदर्शन किया, और वित्त वर्ष 2025 में उनका शुद्ध लाभ 1,768 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 11 प्रतिशत की वृद्धि है। तिमाही के दौरान बैंक ने 170 शाखाएँ जोड़ीं, जिससे इसका समग्र वितरण नेटवर्क 31 मार्च 2025 तक 5,876 घरेलू शाखाओं और विस्तार काउंटरों तक पहुँच गया, साथ ही 3,194 केंद्रों में 234 बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट बैंकिंग आउटलेट (बीसीबीओ) भी स्थापित हो गए। इस तिमाही में बैंक ने कई उद्योग-प्रथम पहल की। एक्सिस बैंक जीआइएफटी सिटी आएफएससी में अपनी अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग इकाई के माध्यम से विमान वित्तपोषण लेनदेन को अंजाम देने वाला पहला भारतीय बैंक था।

प्रेस्टीज होटल वेंचर्स लिमिटेड ने सेबी के समक्ष दायर किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। प्रेस्टीज होटल वेंचर्स लिमिटेड, एक आतिथ्य परिसंपत्ति स्वामी और डेवलपर, जो भारत में व्यवसाय और अवकाश यात्रियों दोनों के लिए लक्जरी, अपर अपस्केल और अपर मिडस्केल आतिथ्य परिसंपत्तियों पर केंद्रित है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। आईपीओ में 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू शामिल है, जो कुल मिलाकर 1700 करोड़ रुपये तक है और 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है, जो कुल मिलाकर 1000 करोड़ रुपये तक है। बिक्री के प्रस्ताव में प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (प्रवर्तक विक्रय शेयरधारक) द्वारा 5 अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं। प्रेस्टीज होटल वेंचर्स लिमिटेड ने शुद्ध आय से 1121.276 करोड़ रुपये की अनुमानित राशि का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है, जो कंपनी और महत्वपूर्ण सहायक कंपनियों, अर्थात् साई चक्र होटल्स प्राइवेट लिमिटेड और नॉर्थलैंड होल्डिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लिए गए 397.248 करोड़ रुपये के उधार की पूर्ण या आंशिक चुकौती या पूर्व-भुगतान के लिए है, ऐसी सहायक कंपनियों में 724.028 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कंपनी ने अज्ञात अधिग्रहणों और अन्य रणनीतिक पहलों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के माध्यम से अकार्बनिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए शुद्ध आय से धन का उपयोग करने का भी प्रस्ताव किया है।

प्रेस्टीज होटल वेंचर्स लिमिटेड एक आतिथ्य संपत्ति मालिक और डेवलपर है जो भारत में व्यवसाय और अवकाश यात्रियों दोनों के लिए लक्जरी, उच्च स्तरीय और उच्च मध्यम स्तरीय आतिथ्य संपत्तियों पर केंद्रित है। कंपनी प्रेस्टीज ग्रुप का एक हिस्सा है और प्रमोटर, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को रियल एस्टेट विकास में 38 वर्षों का अनुभव है और 31 दिसंबर, 2024 तक इसका बाजार पूंजीकरण 729.66 अरब रुपये है। 31 दिसंबर, 2024 तक, पोर्टफोलियो में 1,445 चाबियों के साथ सात ऑपरेटिंग हॉस्पिटैलिटी परिसंपत्तियां शामिल हैं, जिनमें 1,255 ऑपरेटिंग चाबियां और एक हॉस्पिटैलिटी परिसंपत्ति शामिल है जो वर्तमान में 190 चाबियों के साथ नवीनीकरण के अधीन है। इसके अलावा, पोर्टफोलियो में 951 अपेक्षित चाबियों के साथ तीन चालू हॉस्पिटैलिटी परिसंपत्तियां शामिल हैं।

आरबीआई ने इंडियन बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक अनुपालन से जुड़ी कमियों के लिए इंडियन बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज पर जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। आरबीआई के अनुसार, बैंकिंग विनियमन अधिनियम के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन करने और अग्रिमों पर ब्याज दर, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को ऋण से जुड़े निर्देशों का पालन न करने के लिए इंडियन बैंक पर 1.61 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावे,

आरबीआई ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी- प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-जमा स्वीकार करने वाली कंपनी और जमा स्वीकार करने वाली कंपनी (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2016 और अपने ग्राहक को जानो निर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड पर 71.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। दोनों मामलों में, केंद्रीय बैंक ने कहा कि दंड विनियामक अनुपालन में कमियां मिलीं हैं। इस कार्रवाई का उद्देश्य इन संस्थाओं की ओर से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 35,577 करोड़ रुपये का नया व्यवसाय प्रीमियम दर्ज किया

मुंबई, एजेंसी। देश की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 35,577 करोड़ रुपये का नया व्यवसाय प्रीमियम दर्ज किया, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए यह 38,238 करोड़ रुपये था। 31 मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वर्ष की तुलना में नियमित प्रीमियम में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सुरक्षा पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए, एसबीआई लाइफ का सुरक्षा नया व्यवसाय प्रीमियम 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 4,095 करोड़ रुपये रहा। सुरक्षा व्यक्तिगत नया व्यवसाय प्रीमियम 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 793 करोड़ रुपये रहा। व्यक्तिगत नया व्यवसाय प्रीमियम 31 मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ 26,360 करोड़ रुपये रहा। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए एसबीआई लाइफ का कर पश्चात लाभ 2,413 करोड़ रुपये रहेगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 27 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 31 मार्च 2025 तक 1.96 पर मजबूत बना रहेगा, जबकि नियामक आवश्यकता 1.50 है।

25 YEARS Protecting Lives, Securing Future | SBI Life
Apne liye. Apno ke liye.

एसबीआई लाइफ का एयूएम भी 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 31 मार्च, 2025 को 4,48,039 करोड़ रुपये हो गया, जो 31 मार्च, 2024 को 3,88,923 करोड़ रुपये था, जिसमें 61:39 का ऋण-इक्विटी मिश्रण है। 94 प्रतिशत ऋण निवेश एएए और सॉवरेन उपकरणों में हैं। कंपनी के पास 3,09,034 प्रशिक्षित बीमा पेशेवरों का एक विविध वितरण नेटवर्क और देश भर में 1,110 कार्यालयों के साथ व्यापक उपस्थिति है, जिसमें मजबूत बैंकाश्योरेंस चैनल, एजेंसी चैनल और कॉर्पोरेट एजेंट, दलाल, बिक्री केन्द्र व्यक्ति (पीओएस), बीमा विपणन फर्म, वेब एग्रीगेटर और प्रत्यक्ष व्यवसाय शामिल हैं।

आईपीएल 2025

मुंबई यदि लखनऊ से मैच जीतती है तो होगी खिताब की प्रबल

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2025 के सुपर संडे के पहले डबल हेडर मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मुंबई में होगा। दोनों टीमों के बीच हुए मुकाबलों में एलएसजी का पलड़ा आश्चर्यजनक रूप से पांच बार की चैंपियन एमआई पर भारी रहा है और सात मुकाबलों में एलएसजी की टीम छह बार विजेता बनी है। एमआई ने एलएसजी के खिलाफ लीग चरण में कोई मुकाबला नहीं गंवाया है, जबकि वानखेड़े में भी हुए दो मुकाबलों में एलएसजी को ही जीत हासिल हुई है। हालांकि हालिया फॉर्म एमआई के साथ है। शुरुआती पांच मैचों में चार हार के बाद एमआई ने वापसी की है और लगातार चार मुकाबले जीते हैं। वहीं नौ मैचों में पांच जीत और चार हार के साथ एलएसजी के भी एमआई के बराबर 10 अंक हैं, लेकिन पिछले चार मुकाबलों में दो हार के बाद उनका नेट रन रेट गिरा है और वे छठे स्थान पर हैं। आइए डालते हैं इस मैच के कुछ प्रमुख आंकड़ों और मैच-अप्स पर नजर।

एमआई अगर जीतती है तो खिताब की प्रबल दावेदार

इस सीजन एमआई की निराशाजनक शुरुआत हुई थी और उन्होंने अपने शुरूआती पांच मैचों में चार मैच हारे थे। हालांकि अब लगातार चार मैच जीतकर उन्होंने वापसी की है और अगर लगातार पांचवां मैच जीतकर वे खिताब के प्रबल दावेदार बन सकते हैं। एमआई ने आईपीएल के इतिहास में छह बार लगातार पांच या उससे अधिक मैच जीते हैं और इसमें से चार बार उन्होंने खिताब भी जीता है। तो हुई ना एमआई खिताब की प्रबल दावेदार!

हार्दिक को रोक सकते हैं आवेश

यूं तो एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने इस सीजन बल्ले से अधिक गेंद से अपना योगदान दिया है, लेकिन जब भी उन्हें बल्ले से भी मौका मिला है तो उन्होंने निराश नहीं किया है। हालांकि एलएसजी के आवेश खान ने इस सीजन डेथ ओवरों में अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है और वह वहां हार्दिक को रोकने की क्षमता रखते हैं। आवेश ने आईपीएल में हार्दिक को तीन बार आउट किया है, जबकि हार्दिक उन पर सिर्फ 10.7 की औसत और 87 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। आवेश ने बेहतरीन फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा को भी आईपीएल में दो-दो बार आउट किया है, जबकि दोनों, हार्दिक की तरह आवेश पर 100 से कम के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

आवेश का ओवरऑल एमआई के खिलाफ भी रिकॉर्ड बहुत अच्छा रहा है और उन्होंने इस टीम के खिलाफ छह पारियों में 16.3 की बेहतरीन औसत और 12 के शानदार स्ट्राइक रेट से 11 विकेट लिए हैं। वानखेड़े की पिच भी आवेश को लुभाती है और उन्होंने इस मैदान पर छह पारियों में सिर्फ 7.7 की इकॉनमी से रन देते हुए नौ विकेट लिए हैं।

बुमराह एमआई के मुख्य हथियार

पिछली तीन पारियों को छोड़ दिया जाए तो एलएसजी के निकोलस पूरन इस टूर्नामेंट में बेहतरीन फॉर्म में रहे हैं और लंबे समय तक ऑरेंज कैप की दौड़ में भी सबसे आगे थे। हालांकि कुछ मैचों से गेंदबाजों ने उनका तोड़ निकाला है और वह इस मैच में भी जारी रह सकता है। पूरन, एमआई के स्ट्राइक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ आईपीएल में सिर्फ 72 के स्ट्राइक रेट और सिर्फ 6.5 की औसत से रन बना पाते हैं, जबकि बुमराह ने उनको पांच पारियों में दो बार आउट किया है। एक अर्धशतक को छोड़ दिया जाए तो एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत ने आईपीएल 2025 में कुछ खास नहीं किया है। उनका यह सिरदर्द इस मैच में भी जारी रह सकता है क्योंकि बुमराह पंत को सात आईपीएल पारियों में आउट कर चुके हैं। आईपीएल में कोई भी गेंदबाज पंत को इतनी बार नहीं आउट कर पाया है। मोहम्मद सिराज चार बार ऐसा करके दूसरे स्थान पर है। पंत, बुमराह पर सिर्फ 7.9 की औसत और 120 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

तीन महीने में अर्जुन तेंदुलकर बन जाएंगे क्रिस गेल!

पूर्व दिग्गज ने किया दावा, करना होगा ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है कि अर्जुन तेंदुलकर अगले क्रिस गेल बन सकते हैं. साथ ही उन्होंने बताया है कि इसके लिए अर्जुन को क्या करना होगा. पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है कि अर्जुन तेंदुलकर के अंदर अगला क्रिस गेल बनने की क्षमता है. लेकिन इसके लिए उन्हें बॉलिंग छोड़नी होगी.

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इसके लिए अर्जुन को किसके साथ ट्रेनिंग करनी होगी. पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है कि अर्जुन तेंदुलकर के अंदर अगला क्रिस गेल बनने की क्षमता है. लेकिन इसके लिए उन्हें बॉलिंग छोड़नी होगी. इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इसके लिए अर्जुन को किसके साथ ट्रेनिंग करनी होगी. दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने लगभग दो साल पहले योगराज के साथ ट्रेनिंग की थी. अर्जुन तब मुंबई छोड़कर गोवा रणजी टीम में चले गए थे.

ट्रेनिंग के बाद रणजी डेब्यू पर अर्जुन ने शानदार शतक जड़ा था. योगराज का मानना है कि अर्जुन को बॉलिंग से ज्यादा बैटिंग पर फोकस करना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगर युवराज अर्जुन को तीन महीने के लिए ट्रेन करते हैं, तो मैं दावा करता हूं वो अगले गेल बन सकते हैं.

योगराज ने इसके बाद अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल का उदाहरण भी दिया. दोनों ही खिलाड़ियों को युवराज ने ट्रेन किया है और आज अभिषेक और गिल आईपीएल में तो छाए हुए हैं. साथ ही इंटरनेशन क्रिकेट में भी तहलका मचाए हुए हैं.

इंडिया को पाकिस्तान से आईसीसी इवेंट में नहीं खेलना चाहिए: सौरव गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी और एशियन चैंपियनशिप में भी नहीं खेलना चाहिए। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का नाम सामने के बाद ये बात कही। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। गांगुली ने एंजेसी से बात करते हुए कहा कि टीम इंडिया को सख्त कदम उठाना चाहिए और आईसीसी इवेंट में भी नहीं खेलना चाहिए। दरअसल 2013 के बाद से राजनीतिक संबंध खराब होने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज का आयोजन बंद हो गया। भारत केवल पाकिस्तान से आईसीसी इवेंट या एशियन चैंपियनशिप में ही खेलता है। 2012-13 में आखिरी बार हुआ था बाइलैटरल सीरीज पाकिस्तान ने 2012-13 में आखिरी बार बाइलैटरल सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था। उस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की बाइलैटरल सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी।

वहीं टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे। 2012-13 में पाकिस्तान ने भारतीय दौरे पर वनडे सीरीज को 2-1 से जीता था।

उम्मीद है कि योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे, बोले खेलमंत्री मनसुख

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व योगासन के अध्यक्ष स्वामी रामदेव से दुनिया के विभिन्न देशों में योग महासंघ के गठन का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इससे योगासन को ओलंपिक खेल का दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। योग को विश्व के लिये भारत का उपहार बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि दुनिया में जिस तरह से योग का प्रचार हो रहा है, उम्मीद है कि जल्दी ही योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे।

दूसरी एशियाई योगासन चैम्पियनशिप के उद्घाटन के मौके पर मांडविया ने कहा, योग विश्व के लिये भारत का बहुत बड़ा उपहार है। हम भाग्यशाली है कि हमें विरासत में योग मिला और योग से ही वसुधैव कुटुम्बकम निकला जो हमारा संस्कार है। उन्होंने विश्व योगासन के अध्यक्ष स्वामी रामदेव से दुनिया के विभिन्न देशों में योग महासंघ के गठन का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इससे योगासन को ओलंपिक खेल का दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा, दुनिया में आज जिस तरह से योग प्रचारित हो रहा है । मैं स्वामी रामदेव से अनुरोध करूंगा कि अगर दुनिया भर में अपने अपने देश में योग महासंघ का गठन हो जायेगा तो हम जल्दी ही योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में देखेंगे।

मांडविया ने कहा, ओलंपिक में योगासन में पदक चाहे कोई भी जीते लेकिन श्रेय भारत का रहेगा। भारत सरकार ने दिसंबर 2020 में योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता दी थी । उत्तराखंड में इस साल की शुरूआत में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में इसे पदक खेल के रूप में शामिल किया गया जबकि पहले यह नुमाइशी खेल ही था। एशियाई योगासन चैम्पियनशिप को इस दिशा में मजबूत कदम माना जा रहा है।

भारत सबूत दे, पाकिस्तान को दोषी ठहराना गलत, पहलगाम हमले पर शाहिद अफरीदी का शर्मनाक बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी। शाहिद अफरीदी ने बेशर्मी के साथ कहा कि भारत जो आरोप पाकिस्तान पर लगा रहा है वो पूरी तरह से बेबुनियाद है और इमसें कोई सच्चाई नहीं है। शाहिद ने कहा कि भारत ने बिना किसी जांच के जल्दबाजी में पहलगाम की घटना के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया है जो बेहद खेदजनक है।

शाहिद अफरीदी ने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार है। हालांकि उन्होंने आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति दुख जाहिर किया। शाहिद ने कहा कि इस मामले को कूटनीतिक बातचीत के जरिए ही सुलझाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लड़ाई से कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता है और क्रिकेट का राजनीतिकरण नहीं किया जानना चाहिए। आपको बता दें कि पहलमान में 26 भारतीय के मारे जाने के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच चरम अपने तनाव पर है। भारत ने कई कड़े कदम उठाते हुए सिंधू जल समझौता समाप्त कर दिया है साथ ही पाकिस्तान के लोगों के दिए जाने वाले वीजा पर भी रोक लगा दी है।

इसके अलावा दोनों देशों ने अपने राजनयिक कर्मचारियों की संख्या खत्म कर दी है। इसके अलावा इसका असर खेल की दुनिया पर भी देखने को मिल सकता है। भारत पहले भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट का कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलता और दोनों देश सिर्फ आईसीसी और एसीसी के टूर्नामेंट में ही एक-दूसरे के आमने-सामने होते हैं। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि हमें सरकार से जिस तरह के निर्देश दिए जाएंगे उसके मुताबिक हम काम करेंगे। वहीं अन्य खेलों पर भी इसका असर पड़ा है और संभावना है कि दूसरे टूर्नामेंट्स के लिए भी शायद ही पाकिस्तानी खिलाड़ी अब भारत आ सकेंगे।

एएफआई ने पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम में किया बदलाव, अगले महीने होना है विश्व रिले टूर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चीन के ग्वांगझू में 10 से 11 मई तक होने वाली विश्व रिले के लिए पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर टीम में बदलाव किया है जिसमें पेरिस ओलंपिक में प्रभावित करने में विफल रही टीम से केवल एक धावक ही जगह बना पाया है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा भेजी गई विश्व रिले टीम में संतोष कुमार तमिलारासन को छोड़कर अन्य सदस्य नए हैं। नए सदस्य धर्मवीर चौधरी, रिंस जोसेफ, तुषार कांति, जय कुमार, मोहित कुमार, टी एस मनु और टी के विशाल हैं।

दक्षिण कोरिया के गुमी में 27-31 मई तक होने वाली एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए शुक्रवार को इसी आठ सदस्यीय पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम की घोषणा की गई थी। विशाल, जय कुमार, मनु, धरमवीर और जोसेफ कोच्चि में हाल ही में संपन्न फेडरेशन कप में पुरुषों की 400 मीटर फाइनल में इसी क्रम में पहले से पांचवें स्थान पर रहे थे। तुषार, मोहित और तमिलारासन सेमीफाइनल में दौड़े लेकिन फाइनल में पहुंचने में असफल रहे। पेरिस ओलंपिक में मुहम्मद अनस, मुहम्मद अजमल, अमोज जैकब, राजेश रमेश, मिजो चाको कुरियन और तमिलारासन की भारतीय चार गुणा 400 मीटर रिले टीम हीट चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। हालांकि, तमिलारासन उस चौकड़ी का हिस्सा नहीं थे जिसने प्रतिस्पर्धा पेश की थी।

भारत ने मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम भी उतारी है जिसमें अमोज जैकब को जगह मिली है। टीम के अन्य सदस्य धर्मवीर चौधरी, टी के विशाल (दोनों पुरुष) और स्नेहा कोलेरी, जिस्ना मैथ्यू, रूपल और सुभा वेंकटेशन हैं। महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले, पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले, मिश्रित चार गुणा 100 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले विश्व रिले का हिस्सा होंगी। ग्वांगझू में मिश्रित चार गुणा 100 मीटर रिले पहली बार वैश्विक मंच पर आयोजित होगी। प्रत्येक राष्ट्रीय महासंघ की एक टीम प्रत्येक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा कर सकती है और प्रत्येक स्पर्धा के लिए अधिकतम आठ एथलीट प्रवेश कर सकते हैं।

सीएसके के नाम दर्ज हुआ यह शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 43वें मुकाबले में पैट कमिंस की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घर में 5 विकेट से हरा दिया। इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स लगभग प्लेऑफ की दौड़ से भी बाहर हो गई जबकि हैदराबाद ने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा है। हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास में पहली बार चेन्नई को उनके घरेलू मैदान पर हराने में सफलता हासिल की।

चेन्नई ने हैदराबाद के हाथों मिली हार के बाद एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस मैच में चेन्नई को उनकी खराब बल्लेबाजी की वजह से हार मिली क्योंकि टीम के ज्यादातर बल्लेबाज नहीं चल पाए और टीम को जीतने के लिए जिस तरह से स्कोर की जरूरत थी वो बोर्ड पर नहीं लग पाया। धोनी ने भी मैच के बाद स्वीकार किया कि वो जीतने के लायक स्कोर नहीं बना पाए और उन्हें 15-20 रन ज्याद बनाने की जरूरत थी।

इस मैच में हैदराबाद के गेंदबाजों ने जिस तरह का खेल दिखाया उसकी तारीफ करनी होगी क्योंकि उनकी घातक गेंदबाजी का ही ये असर था कि चेन्नई पहली बार आईपीएल में अपने मैदान पर ऑलआउट हुई और 20 ओवर भी पूरा नहीं खेल पाई। इस मैच में हैदराबाद के लिए सबसे असरदार गेंदबाज हर्षल पटेल रहे जिन्होंने 4 विकेट लिए जबकि जयदेव उनादकट और पैट कमिंस को 2-2 सफलता मिली। इसके अलावा मोहम्मद शमी और कामिंदु मेंडिस को एक-एक सफलता मिली। धोनी के कप्तान बनने के बाद भी चेन्नई की किस्मत नहीं बदली और वो इस सीजन में 5 में से 4 मुकाबले अपने घर में हार गई। इससे पहले सीएसके ने साल 2008 और फिर साल 2012 सीजन में भी 4 मैच अपने घर में हारी थी। अब साल 2025 में भी ऐसा हुआ और इस टीम ने तीसरे सीजन में अपने घर में 4 मैच गंवा दिए। अब अगर इस सीजन में सीएसके एक और मैच अपने घर में हार जाती है तो वो एक सीजन में अपने घर में सबसे ज्यादा मैच हारने का रिकॉर्ड बना लेगी।

एक सीजन में चेपक में सीएसके की सबसे ज्यादा हार

2008 में चार (7 मैच)
2012 में चार (फाइनल सहित 10 मैच)
2025 में चार (5 मैच)

हॉकी:

हॉकी में भी पाकिस्तान की किरकिरी, 8.83 लाख नहीं चुकाने पर मलयेशिया से नहीं मिला अजलान शाह कप का न्योता

कुआलालंपुर, एजेंसी। जोहर संघ ने पहले ही इस मुद्दे को मलयेशिया महासंघ के समक्ष उठाया है और धमकी दी है कि अगर बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वे इस मामले को एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) के समक्ष ले जाएंगे। क्रिकेट के बाद अब हॉकी में भी पाकिस्तान की किरकिरी हो रही है। पैसे का भुगतान नहीं करने की वजह से उन्हें एक बड़े टूर्नामेंट के लिए आमंत्रित तक नहीं किया गया है। यह मामला मलयेशिया से जुड़ा हुआ है। दरअसल, मलयेशिया हॉकी महासंघ ने जोहर हॉकी संघ को 10,349 अमेरिकी डॉलर (8.83 लाख रुपये) के बकाए का भुगतान नहीं करने के कारण पाकिस्तान को वार्षिक अजलान शाह कप के लिए आमंत्रित नहीं किया है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के एक सूत्र ने कहा कि जोहर संघ ने पीएचएफ को आधिकारिक पत्र भेजा है। इसमें अक्तूबर 2023 में टीम के साथ मलयेशिया गए पीएचएफ अधिकारियों और उनके परिवारों के आवास, यात्रा और अन्य खर्चों के लिए भुगतान की जाने वाली राशि के बारे में सख्त लहजे में बताया गया है।

पाकिस्तानी अधिकारी आलीशान होटल में ठहरे: पाकिस्तान की टीम जोहर हॉकी कप खेलने के लिए मलयेशिया गई थी और पीएचएफ के कुछ अधिकारी और उनके परिवार भी टीम के साथ गए थे। एक सूत्र ने बताया, टीम के ठहरने और अन्य खर्चों का वहन आयोजकों को उठाना था, लेकिन पीएचएफ के अधिकारियों को बता दिया गया था कि उन्हें अपने सभी खर्च खुद ही उठाने होंगे। ये अधिकारी भी उसी आलीशान होटल में रुके थे जहां टीमें ठहरी हुई थीं। इसमें पीएचएफ के पूर्व अध्यक्ष भी शामिल थे।

रुको-रुको, बात करते हैं; एनकाउंटर में फंस गए 1000 नक्सली तो निकली हवा

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़-तेलंगाना की सीमा पर नक्सलियों के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा ऑपरेशन चल रहा है। 72 घंटों से ज्यादा वक्त से चल रहे एनकाउंटर को रोकने नक्सलियों ने चिट्ठी जारी की है। बीजापुर और तेलंगाना बॉर्डर पर चल रहे एंटी नक्सल ऑपरेशन को तत्काल रोकने की अपील की है। नक्सलियों की उत्तर पश्चिम बस्तर ब्यूरो के प्रभारी रूपेश ने यह प्रेस नोट जारी किया है। उन्होंने कहा कि माओवादी संगठन बातचीत को तैयार है। केंद्रीय संगठन भी पत्र लिख चुका है। सरकार से अपील है कि बातचीत से समस्या का समाधान निकाला जाए और सैनिक ऑपरेशन कगार को रोका जाए।

बता दें कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना, महाराष्ट्र की सीमा पर नक्सलियों के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा ऑपरेशन चल रहा है। देश के मोस्ट वांटेड नक्सली नेताओं के साथ करीब एक हजार से अधिक नक्सलियों को घेरने के लिए बस्तर के डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड, स्पेशल टास्क फोर्स, कोबरा, सीआरपीएफ, बस्तर फाइटर, महाराष्ट्र से ष्ट60 कमांडो और आंध्र प्रदेश के ग्रेहाउंड्स फोर्स के जवानों के साथ वायु सेना को भी शामिल किया गया है। इस ऑपरेशन में अब तक 3 महिला मारे गए हैं, जबकि दो दिन पहले दो जवान भी घायल हुए थे, जिन्हें रायपुर रेफर किया गया है। बता दें कि इससे पहले भी नक्सलियों ने दो बार चिट्ठी भेजकर शांति वार्ता की अपील की है, लेकिन विष्णुदेव साय सरकार ने सशर्त बातचीत से इनकार कर दिया है।

नक्सलवाद पर शिकंजा कसने तीन दिन पहले ही ऑपरेशन के लिए अत्याधुनिक हथियारों से लैस वायु सेना के एमआई-17 हेलीकाफ्टर, जगदलपुर, बीजापुर, तेलंगाना, आंध्र और महाराष्ट्र में तैनात किए गए। ड्रोन के जरिए पूरे इलाके की निगरानी की जा रही है। हेलीकॉप्टर के जरिए जवानों की खाद्य सामग्री भेजी जा रही है। इस ऑपरेशन पर छत्तीसगढ़ सहित देशभर की सुरक्षा एजेंसियों की नजर टिकी हुई है। बीजापुर समेत महाराष्ट्र और तेलंगाना में पुलिस के आला अधिकारी भी मौजूद हैं। तीन राज्यों से ऑपरेशन पर नजर रखी जा रही है। जवानों के निशाने पर कर्रेगुट्टा और नीलम सराय पहाड़ी है। ऑपरेशन के दौरान कुछ जवान डिहाइड्रेशन के शिकार भी हुए हैं, जिन्हें अस्पताल भिजवाया गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना-महाराष्ट्र की सीमा पर करीब 6 हजार जवान तैनात किए गए हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक जवानों ने खूंखार नक्सली हिड़मा, दामोदर, देवा समेत कई बड़े लीडर और उनकी बटालियन को घेर लिया है। कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर करीब 300 से ज्यादा नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना मिली है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि यह ऑपरेशन 72 घंटे से अधिक समय से चल रहा है। इंटेलिजेंस के अनुसार नक्सलियों के पास पर्याप्त राशन-पानी नहीं है। इधर जवानों को किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसलिए हेलीकॉप्टर से फूड्स पैकेट पहुंचाए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक नक्सलियों के सामने अब कोई विकल्प नहीं बचा है। उनके सामने सरेंडर ही एकमात्र रास्ता है। सरेंडर नहीं करने पर मुठभेड़ में मारा जाना तय है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस इलाके में नक्सलियों की बटालियन नंबर 1,2 समेत अन्य कंपनियां सक्रिय हैं। बड़े नेता हिड़मा, देवा, विकास समेत तेलंगाना-महाराष्ट्र-आंध्र की सेंट्रल कमेटी, डीकेएसजेडसीएम (दंण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी), डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी मेंबर), एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर), संगठन सचिव जैसे बड़े कैडर्स के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना है। रायपुर राजधानी से गृह विभाग और इंटेलिजेंस की टीम इस पूरे मामले पर नजर रखे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीएसएफ ने पंजाब में सीमा पार तस्करी पर कसा शिकंजा, हेरोइन, हथियार और ड्रोन बरामद

चंडीगढ़ , एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब में सीमा पार से होने वाली तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हेरोइन, हथियार और एक ड्रोन बरामद किया है। बीएसएफ ने पंजाब के अलग-अलग इलाकों में अभियान चलाकर 1.935 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन, एक पिस्तौल, एक मैगजीन और एक डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन जब्त किया। यह कार्रवाई खुफिया जानकारी और त्वरित कार्रवाई के आधार पर की गई, जिससे तस्करों के मंसूबों को नाकाम कर दिया गया। बीएसएफ ने पंजाब के विभिन्न जिलों में समन्वित अभियान चलाए। अमृतसर जिले के दाओके गांव के पास एक खेत से जवानों ने 302 ग्राम हेरोइन बरामद की। यह बरामदगी तब हुई, जब बीएसएफ को इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। जवानों ने तुरंत कार्रवाई कर तस्करी के इस सामान को जब्त किया। इसके अलावा, गुरदासपुर जिले के थेथरके गांव में तकनीकी निगरानी और अवरोधन (टेक्निकल सर्विलांस एंड इंटरसेप्शन) के जरिए एक डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन बरामद किया गया, जिसे तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। तरनतारन जिले के कलसियां गांव में भी बीएसएफ ने एक खेत से 1.633 किलोग्राम हेरोइन, एक पिस्तौल और एक मैगजीन जब्त की। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से भारत में नशे और हथियारों की तस्करी के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं। लेकिन सीमा पर तैनात जवान अपनी सतर्कता और खुफिया एजेंसियों के सहयोग से इन कोशिशों को विफल कर रहे हैं। बीएसएफ का कहना है कि उनकी टीमें चौबीसों घंटे निगरानी रख रही हैं और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि इससे पहले 22 अप्रैल को काउंटर इंटेलिजेंस (अमृतसर) ने मंगलवार को एक विशिष्ट सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अमेरिका से जुड़े एक अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर लुधियाना से गुरविंदर सिंह उर्फ गुरी को गिरफ्तार किया गया था। गुरविंदर सिंह के कब्जे से 5 अवैध पिस्तौल बरामद की गई थीं। गुरविंदर सिंह, अमेरिका में रह रहे गुरलाल सिंह और विपुल शर्मा के निर्देश पर काम कर रहा था, जो इस नेटवर्क के मुख्य संचालक हैं। जांच से पता चला कि गुरविंदर, ड्रग तस्कर हरदीप सिंह का साला है, जो 2020 के एसटीएफ मामले में गिरफ्तारी के बाद 2022 में अमेरिका भाग गया था।

पंजाब महिला आयोग ने पहलगाम हमले के बाद कश्मीरी छात्रा के उत्पीड़न के आरोप पर संज्ञान लिया

कश्मीर, एजेंसी। कश्मीर की एक छात्रा ने दावा किया है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पंजाब के मोहाली में कुछ स्थानीय लोगों ने उसका उत्पीड़न किया, जिसके बाद पंजाब राज्य महिला आयोग ने घटना पर स्वतः संज्ञान लिया। कश्मीरी छात्रा ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बुधवार को कुछ स्थानीय लोगों ने उसके और उसकी सहेली के साथ दुर्व्यवहार किया तथा उन्हें परेशान किया। आयोग की अध्यक्ष राज गिल ने शुक्रवार को मोहाली के एसएसपी दीपक पारीक को घटना की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के लिए पत्र लिखा। गिल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' सख्त चेतावनी दी गई है कि जो कोई भी छात्रों को परेशान करने की कोशिश करेगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मैं व्यक्तिगत रूप से कश्मीर के सभी छात्रों के संपर्क में हूं और उन्हें उनकी सुरक्षा और पढ़ाई के लिए सुरक्षित स्थान का आश्वासन दिया है।'' इस बीच, पंजाब के पुलिस उप महानिरीक्षक हरचरण सिंह भुल्लर ने मोहाली के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का दौरा किया और बाहरी छात्रों की सुरक्षा के संबंध में उनके संकायों और प्रबंधन के साथ बैठकें कीं। इस बीच भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (पंजाब) के अध्यक्ष इशरप्रीत सिंह ने कश्मीरी छात्रा के उत्पीड़न की घटना की निंदा की और मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की।

अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक आयोजित की जाएगी: पीयूष गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में दो दर्जन से अधिक नागरिकों की नृशंस हत्याओं से उत्पन्न निराशा और दहशत के बावजूद, जम्मू-कश्मीर सरकार वार्षिक अमरनाथ यात्रा को जारी रखने के लिए कृतसंकल्प है, जो जुलाई के आरंभ में शुरू होने वाली है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित वार्षिक अमरनाथ यात्रा के बारे में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आश्वस्त किया। गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन जल्द ही फिर से शुरू हो जाएगा, उन्होंने कहा कि कोई भी ताकत इस क्षेत्र को इसके विकास की यात्रा से विचलित नहीं कर सकती। हालांकि इस साल यह यात्रा केवल 38 दिनों की होगी, जो 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त को समाप्त होगी, लेकिन सूत्रों ने कहा कि तीर्थयात्रियों के लिए पवित्र गुफा में आने के लिए 15 दिनों की छोटी अवधि रखी जा सकती है, क्योंकि लगभग 50-70प्रतिशत यात्री तीर्थयात्रा के पहले पखवाड़े में आते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार के एक अधिकारी ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि गर्म मौसम के कारण बर्फ का शिवलिंग अक्सर पहले 15 दिनों के बाद पिघल जाता है, जिससे बाद के दिनों में तीर्थयात्रियों की संख्या कम हो जाती है। उन्होंने भारतीय लोगों के लचीलेपन और दृढ़ संकल्प पर प्रकाश डालते हुए कहा, भारत के लोग इतने सक्षम और आश्वस्त हैं कि पर्यटन फिर से शुरू होगा, अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक आयोजित की जाएगी, और कोई भी कश्मीर को उसके विकास के मार्ग से नहीं हटा सकता। इस वर्ष की श्री अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हो गए हैं, जो देश भर में पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, जेएंडके बैंक और यस बैंक की 533 शाखाओं के माध्यम से उपलब्ध हैं।

एनएच 352डब्ल्यू इस साल दिसंबर माह तक बनकर तैयार हो जाएगा

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम-पटौदी और रेवाड़ी को जोड़ रहा एनएच 352डब्ल्यू इस साल दिसंबर माह तक बनकर तैयार हो जाएगा। यह हाईवे मार्च, 2023 तक बनकर तैयार हो जाना चाहिए था, लेकिन अड़चनों और बदलाव के चलते इसके निर्माण में देरी होती चली गई। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा करीब 45 किलोमीटर लंबे इस नेशनल हाईवे को करीब एक हजार करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। यह हाईवे द्वारका एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-84 से शुरू होता है, जो गांव वजीरपुर से गुरुग्राम-पटौदी रोड होता हुआ रेवाड़ी की तरफ जाता है। इस हाईवे पर 25 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए जा रहे हैं। इसके बनने से लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। मौजूदा समय में इस हाईवे का करीब 66 प्रतिशत निर्माण कार्य हुआ है। इसमें चार हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम तो एक डीडीएएल की है। बीबीएमबी की एक हाईटेंशन लाइन है, जिसकी शिफ्टिंग के ऊपर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का स्टे है। इन हाईटेंशन केबल के चलते निर्माण कार्य अटका हुआ है। सेक्टर-84 के पास एचएसवीपी ने बरसाती नाला तैयार किया था। इस बरसाती नाले को तोड़ा जाना है। एचएसवीपी ने इस बरसाती नाले के तोड़फोड़ के काम को अधर में छोड़ दिया है। इस वजह से सर्विस रोड नहीं बन पा रही है। पटौदी में रेलवे लाइन के नीचे से अंडरपास का निर्माण होना है। इसकी मंजूरी अभी रेलवे विभाग से नहीं मिली है। मंजूरी मिलने के बाद इसका काम शुरू हो जाएगा। द्वारका एक्सप्रेसवे पर बन रहा फ्लाईओवर इस हाईवे को द्वारका एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए एक फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। इसका अभी 40 प्रतिशत ही निर्माण हुआ है। फ्लाईओवर के जुड़ने के बाद द्वारका एक्सप्रेसवे से पटौदी या रेवाड़ी की तरफ लोगों का आवागमन करना आसान हो जाएगा। प्रकाश तिवारी, प्रबंधक, एनएचएआई, इस साल 31 दिसंबर तक राष्ट्रीय राजमार्ग 352 डब्ल्यू तैयार हो जाएगा। इसके निर्माण से कुछ अड़चन आ रही हैं। इन अड़चनों को दूर किया जा रहा है।

पाकिस्तान से हमदर्दी बर्दाश्त नहीं, पहलगाम हमले के बाद तीन राज्यों में 11 गिरफ्तारी

सिलचर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों के चलते असम, मेघालय और त्रिपुरा में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को जानकारी दी कि राज्य में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक विपक्षी विधायक भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट करते हुए लिखा, असम ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेगा जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करता है या इस जघन्य आतंकी हमले को सही ठहराने की कोशिश करता है। गिरफ्तार किए गए लोगों में ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम भी शामिल हैं, जिन पर राजद्रोह का आरोप लगाया गया है। सिलचर के असम विश्वविद्यालय के एक छात्र को भी भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने के लिए गिरफ्तार किया गया।

हैलाकांडी: मोहम्मद जबीर हुसैन (पत्रकार)

सिलचर: मोहम्मद ए.के. बहाउद्दीन (कंप्यूटर साइंस छात्र, असम यूनिवर्सिटी), मोहम्मद जावेद मजूमदार (वकील)

मोरीगांव: मोहम्मद महाहर मिया उर्फ मोहम्मद मुजिहिरुल इस्लाम

नगांव: मोहम्मद अमिनुल इस्लाम (एआईयूडीएफ विधायक)

शिवसागर: मोहम्मद साहिल अली

इसके अलावा असम पुलिस ने दो और गिरफ्तारियां की हैं -मो. जरीफ अली (25 वर्षीय) अनिल बानिया (सत्रा मुक्ति संग्राम परिषद के जिला सचिव और छात्र नेता)उधर, मेघालय में 30 वर्षीय साइमन शायला को गुरुवार को ईस्ट खासी हिल्स जिले से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, उसने एक न्यूज चैनल के वीडियो पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उस पर आपराधिक साजिश, धार्मिक विद्वेष फैलाने और राष्ट्रीय अखंडता को खतरे में डालने जैसे आरोप लगे हैं।

अहमदाबाद और सूरत में घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 500 से अधिक हिरासत में

अहमदाबाद/सूरत , एजेंसी। गुजरात पुलिस ने घुसपैठियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद और सूरत में 557 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने चंडोला क्षेत्र में 457 घुसपैठियों को पकड़ा, जबकि सूरत पुलिस ने विभिन्न इलाकों में 100 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। इनके खिलाफ पूछताछ जारी है और जांच पूरी होने के बाद इन्हें डिपोर्ट किया जाएगा।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल ने बताया कि यह अभियान गृह राज्य मंत्री, डीजीपी और पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर चलाया गया। पहले की जांच में पकड़े गए 127 बांग्लादेशी नागरिकों में से 70 को डिपोर्ट किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि चंडोला क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों की सूचना मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने महिला पुलिसकर्मियों की मदद से घेराबंदी कर यह कार्रवाई की। हिरासत में लिए गए लोगों के पास से फर्जी आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र बरामद हुए हैं।

सिंघल ने इसे अवैध घुसपैठ के खिलाफ बड़ी सफलता बताया और कहा कि सभी आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत उनके देश वापस भेजा जाएगा। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि ये दस्तावेज कैसे और किनके सहयोग से बनाए गए, साथ ही ये लोग भारत में कब और कैसे दाखिल हुए।

वहीं, सूरत पुलिस ने उधना, कतारगाम, महीधरपूरा, पांडेसरा, सलाबतपुर और लिम्बायत जैसे इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाकर 100 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। पुलिस ने कई टीमों का गठन कर इन क्षेत्रों में छापेमारी की। हिरासत में लिए गए लोग छोटे-मोटे काम कर रहे थे और उनके पास से बरामद दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस को संदेह है कि इनमें से कई ने फर्जी तरीके से आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र बनवाए हैं। पुलिस अब इन नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है और फर्जी दस्तावेज बनाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी है।

दवाइयों का स्टॉक कर लो तैयार, पाक से बढ़ते तनाव के बीच अस्पतालों को सरकार का आदेश

जम्मू, एजेंसी। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने जम्मू क्षेत्र में 200 किलोमीटर लंबी भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के सामने चिनाब रेंजर्स को तैनात किया है। पाकिस्तान की तरफ से सीमा पर तैनाती बढ़ाने के बाद भारतीय सुरक्षा बल भी हाई अलर्ट पर हैं। अधिकारियों ने खुफिया सूचना के आधार पर बताया है कि कश्मीरी पंडित और गैर कश्मीरी आतंकियों के निशाने पर हैं और इसीलिए चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा रही है। इस बीच किसी भी अप्रिय घटना के मद्देनजर जम्मू के अस्पतालों को दवाइयां का स्टॉक तैयार रखने का आदेश दिया गया है। मेडिकल स्टाफ को सतर्क रहने और जरूरी दवाइयां और उपकरण तैयार रखने को कहा है। गुरुवार को जीएमसीएच जम्मू के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है, जम्मू-कश्मीर में मौजूदा सीमा पार तनाव के मद्देनजर सभी स्टाफ सदस्यों को सतर्क रहने और किसी भी समय होने वाली किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है। आदेश में आगे कहा गया है, जीएमसीएच के स्टोर ऑफिसर और स्टोर कीपर से अनुरोध है कि वे किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्काल उपयोग के लिए सभी आवश्यक आपूर्ति, आपातकालीन दवाएं और महत्वपूर्ण उपकरण तैयार रखें।

एकता और विचारों से भाजपा के दुष्प्रचार का मुकाबला करें: तेजस्वी यादव

पटना , एजेंसी।
राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने पटना में पार्टी के प्रदेश कार्यालय के कर्पूरी सभागार में एक समीक्षा बैठक को संबोधित किया। उन्होंने सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को लालू प्रसाद यादव के विचारों से प्रेरित होकर गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों और अल्पसंख्यकों सहित हाशिए के समुदायों से गहराई से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी की जिम्मेदारियों को सभी स्तरों पर पूर्ण समर्पण, ईमानदारी और स्पष्ट प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाना चाहिए।

तेजस्वी यादव ने कहा, भाजपा और एनडीए हमेशा अफवाहें फैलाते हैं, ऐसे में संगठनात्मक मजबूती और विचारों के प्रति प्रतिबद्धता उनके दुष्प्रचार का मुकाबला करने का एकमात्र साधन है। उन्होंने पार्टी नेताओं से भाजपा के नफरत भरे माहौल का सकारात्मकता के साथ मुकाबला करने की बात कही। साथ ही बिहार में सरकार की विफलताओं और संस्थागत भ्रष्टाचार को उजागर करने की अपील की।

उन्होंने कहा, हमें नफरत का मुकाबला एकता से और अफवाहों का मुकाबला विचारों से करना चाहिए। हमें लोगों से सीधे जुड़ना होगा और जनता के वास्तविक मुद्दों को समझना होगा। लालू प्रसाद के नेतृत्व, एकता, सामाजिक न्याय और सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए तेजस्वी यादव ने पार्टी सदस्यों से उनकी विरासत और मूल्यों को आगे बढ़ाने का भी आग्रह किया।

तेजस्वी यादव ने इस बात पर जोर देते हुए अपने भाषण को समाप्त किया कि जनता का विश्वास राजद के प्रति बढ़ रहा है और प्रत्येक नेता का यह कर्तव्य है कि वह ईमानदारी से काम करें।

पाकिस्तान में दुल्हन, बारात लेकर अटारी बॉर्डर पहुंचा दूल्हा

चंडीगढ़, एजेंसी।
भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को अटारी बॉर्डर पर एक अलग नजारा देखने को मिला। पाकिस्तान में अपनी दुल्हन को लेने जा रहे एक दूल्हे को बिना दुल्हनिया के ही अटारी बॉर्डर से लौटना पड़ गया। सेहरा बांधे और शेरवानी पहने राजस्थान के बाड़मेर जिले के संजय सिंह बारात लेकर अटारी बॉर्डर पर पहुंचे थे। 30 अप्रैल को संजय सिंह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के अमरकोट की रहने वाली केसर कंवर से शादी के बंधन में बंधने वाले थे। हालांकि बीएसएफ अधिकारियों ने उन्हें बॉर्डर पर ही रोक दिया। अधिकारियों के मुताबिक दूल्हे और बरातियों के पास पाकिस्तान की नागरिकता नहीं थी जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

30 अप्रैल को होनी थी शादी

जानकारी के मुताबिक संजय सिंह और केसर कंवर की चार साल पहले सगाई हुई थी। केसर कंवर का वीजा न बढ़ने की वजह से उन्हें वापस पाकिस्तान जाना पड़ा था। इसके बाद बड़ी मुश्किलों के बाद संजय सिंह और उसके परिवार के कुछ लोगों को वीजा मिला, जो 12 मई तक वैध था। इसके बाद दोनों ने 30 अप्रैल को शादी करने का फैसला लिया था। संजय सिंह शादी करने के लिए परिवार और कुछ अन्य रिश्तेदारों के साथ शुक्रवार को पाकिस्तान जाने के लिए अटारी बॉर्डर पर पहुंचे, लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं मिली। बॉर्डर पार करने की इजाजत ना मिलने के बाद संजय सिंह ने कहा है कि उन्हें बहुत मुश्किल से पाकिस्तान का वीजा मिला था। पाकिस्तान में उनकी पत्नी केसर के घर पर भी शादी की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और वहां लोग उनका इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने भारत सरकार से उन्हें पाकिस्तान जाने की इजाजत देने की अपील की है। बता दें कि भारत सरकार ने पहलगाम हमले के बाद सख्त कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ने का अल्टीमेटम दिया है। इसके तहत शुक्रवार को अमृतसर के अटारी बॉर्डर से 191 पाकिस्तानी नागरिकों को सीमा पार भेजा गया है। वहीं 287 भारतीय अटारी के रास्ते पाकिस्तान से भारत लौटे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

अमरनाथ एक्सप्रेस रद्द, बिहार संपर्क क्रांति अमृत भारत समेत कई ट्रेनों का रूट बदला

हाजीपुर, एजेंसी। बिहार और उत्तर प्रदेश (यूपी) से चलने वालीं लंबी दूरी की कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। भागलपुर से जम्मूतवी के बीच चलने वाली अमरनाथ एक्सप्रेस ट्रेन को दोनों ओर से एक-एक दिन रद्द करने का फैसला लिया गया है। दिल्ली जाने वाली बिहार संपर्क क्रांति, अमृत भारत एक्सप्रेस समेत 8 ट्रेनों का रूट बदला गया है। इसके अलावा, सप्त क्रांति एक्सप्रेस समेत 13 ट्रेनों को नियंत्रित कर चलाया जाएगा। 2 मई तक यात्रियों को परेशान का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, यूपी के गोरखपुर में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है।

ये ट्रेनें बदले हुए रूट से चलेंगी

- दरभंगा से 02 मई, 2025 को खुलने वाली 12565 दरभंगा-नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग छपरा, औड़िहार, वाराणसी, बनारस, प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलाई जाएगी
- पोरबंदर से 25 अप्रैल, 2025 को खुलने वाली 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग लखनऊ, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन, वाराणसी, औड़िहार, छपरा, मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जाएगी
- सहरसा से 02 मई, 2025 को खुलने वाली 12553 सहरसा-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग छपरा, औड़िहार, वाराणसी, अयोध्या कैंट, बाराबंकी के रास्ते चलाई जाएगी
- दरभंगा से 28 अप्रैल एवं 01 मई, 2025 को खुलने वाली 15557 दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग दरभंगा, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, छपरा ग्रामीण, भटनी, गोरखपुर कैंट के रास्ते चलाई जाएगी
- दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनस से 29 अप्रैल एवं 02 मई, 2025 को खुलने वाली 15558 दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोरखपुर कैंट, भटनी, छपरा ग्रामीण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी होते हुए चलाई जाएगी
- जालंधर सिटी से 27 अप्रैल, 2025 को खुलने वाली 22552 अंत्योदय एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोरखपुर कैंट, भटनी, छपरा ग्रामीण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी होते हुए दरभंगा तक चलाई जाएगी
- मुंबई के बांद्रा टर्मिनस से 26 अप्रैल, 2025 को खुलने वाली 19037 बरौनी अवध एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोरखपुर कैंट, भटनी, छपरा ग्रामीण, मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जाएगी
- गुवाहाटी से 30 अप्रैल 2025 को खुलने वाली 15653 जम्मूतवी अमरनाथ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर, छपरा ग्रामीण, भटनी, गोरखपुर कैंट के रास्ते चलाई जाएगी

नियंत्रित या पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएंगी ये ट्रेनें

- बरौनी से 27 अप्रैल, 2025 को खुलने वाली 14691 जम्मूतवी मौर्यध्वज एक्सप्रेस बरौनी से 05.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।
- दरभंगा से खुलने वाली 12565 नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस दरभंगा से 27 अप्रैल, 2025 को 05.00 घंटा एवं 30 अप्रैल, 2025 को 01.30 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।
- सहरसा से खुलने वाली 12553 नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस सहरसा से 27 अप्रैल, 2025 को 04.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर तथा 30 अप्रैल, 2025 को वाराणसी मंडल पर 01 घंटा 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जाएगी।
- बरौनी से खुलने वाली 19038 बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस बरौनी से 27 अप्रैल, 2025 को 04 घंटा, 30 अप्रैल, 2025 को 02 घंटा 30 मिनट तथा 02 मई, 2025 को 05.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।
- हावड़ा से खुलने वाली 13019 काठगोदाम बाध एक्सप्रेस हावड़ा से 26 अप्रैल, 2025 को 04 घंटा, 01 मई, 2025 को 06.00 घंटा तथा 02 मई, 2025 को 02.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।
- मुजफ्फरपुर से खुलने वाली 12557 आनंद विहार टर्मिनस सप्तक्रांति एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से 27 अप्रैल, 2025 को 03.00 घंटा तथा 30 अप्रैल, 2025 को 02.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।
- कामाख्या से 01 मई, 2025 को खुलने वाली 19616 उदयपुर सिटी एक्सप्रेस कामाख्या से 05.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।
- गोमती नगर से 02 मई, 2025 को खुलने वाली 15090 गोड्डा एक्सप्रेस गोमती नगर से 04.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।
- लखनऊ जं. से 02 मई, 2025 को खुलने वाली 15204 बरौनी एक्सप्रेस लखनऊ से 03.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।
- मुजफ्फरपुर से 02 मई, 2025 को खुलने वाली 12211 आनंद विहार गरीबरथ एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से 05.00 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी
- डिब्रूगढ़ से 01 मई, 2025 को खुलने वाली 15909 डिब्रूगढ़-लालगढ़ अवध आसाम एक्सप्रेस मार्ग में नियंत्रित कर चलाई जाएगी।
- लालगढ़ से 01 मई, 2025 को खुलने वाली 15910 लालगढ़-डिब्रूगढ़ अवध आसाम एक्सप्रेस मार्ग में नियंत्रित कर चलाई जाएगी।
- जम्मूतवी से 02 मई, 2025 को खुलने वाली 14692 जम्मूतवी-बरौनी मौर्यध्वज एक्सप्रेस मार्ग में नियंत्रित कर चलाई जाएगी।

रद्द की गई ट्रेनें

1. गाड़ी सं. 15098 जम्मूतवी-भागलपुर अमरनाथ एक्सप्रेस – 29 अप्रैल, 2025 को रद्द
2. गाड़ी सं. 15097 भागलपुर-जम्मूतवी अमरनाथ एक्सप्रेस – 01 मई, 2025 को रद्द

आरा में पैसों के विवाद में भाई पर हमला, जेठ और देवर ने डंडे से भाभी को पीटा

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के करनामेपुर थाना क्षेत्र में पैसों के विवाद में भाई ने भाई पर चाकू से हमला कर दिया। लाठी-डंडे से भाभी की जमकर पिटाई कर दी। गंभीर हालत में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना छोटका बिशुपुर गांव की है। घायलों की पहचान मुनीब यादव (35) और उनक पत्नी ऊषा देवी (30) के तौर पर हुई है। मुनीब के चेहरे और उंगली में चोट लगी है, जबकि ऊषा देवी के बाएं हाथ की एक उंगली कट गई है।

ससुर ने कहा इनलोगों को मारो

पीड़िता ने बताया कि 1 साल पहले हमलोग हिमाचल प्रदेश में रहते थे। मेरे पति वहां दवा कंपनी में पैकिंग का काम करते थे। उस समय उनके पिता हरेराम यादव ने चार कट्ठा जमीन खरीदा था। जमीन खरीदने के लिए कर्ज के तौर पर 4 लाख रुपए दिया था। पैसा मांगने पर कहा कि तुम बेटा हो कमा के दिए हो। समझो मैं खा गया हूं। इसी बात को लेकर कहासुनी हुई। बात बढ़ने पर उन्होंने मेरे जेठ विजय शंकर और देवर उमा शंकर को कहा कि ये अधिक बोलता है इसे मारो। इसके बाद उनलोगों ने चाकू से हमला कर दिया। बेरहमी से पीटा है।

जांच में जुटी पुलिस

वहीं, डॉक्टर ने बताया कि मुनीब के गाल के पास 5 टांके लगे हैं। महिला के हाथ में चोटें आई हैं। युवक खतरे से बाहर है। इस घटना के बाद पीड़ित ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जलालपुर तालाब की हो उड़ाही और सौन्दर्यीकरण

गया, एजेंसी। नगर परिषद टिकारी के वार्ड संख्या छह और सात में नागरिक सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं की क्रियान्वयन के लिए आपका शहर, आपकी बात कार्यक्रम का आयोजन जलालपुर देवी मंदिर के पास किया गया। बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने नगर प्रशासन को कई समस्याओं से अवगत कराते हुए निदान की मांग की। जलालपुर होते हुए निसुरपुर जाने वाली पइन की उड़ाही कराने की मांग उठी।

गांव से पश्चिम करीब दो दर्जन घरों में नल, जल का पानी नहीं पहुंचने की शिकायत की गई। इस समस्या का निदान जल्द से जल्द करने की मांग आम लोगों ने की ताकि गर्मी में परेशानी न हो। जलालपुर देवी स्थान के पास तालाब की उड़ाही कराते हुए उसका सौन्दर्यीकरण कराने और पार्क का रूप देने की मांग की गई। कुछ लोगों ने नाली, गली की समस्या से भी अवगत कराया। मुख्य पार्षद अजहर इमाम ने समस्याओं का निदान की दिशा में उचित पहल की बात कही। वार्ड पार्षद नीतीश कुमार ने बताया कि शहर के हिस्सा बनने के बाद जलालपुर गांव में काम हुए हैं। आगे भी कई योजनाओं का काम होना है। इसमें दो करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से टिकारी-कोंच मुख्य पर्थ से जलालपुर होते हुए बक्सु बिगहा तक पथ और नाली निर्माण होना है। इस दौरान नगर प्रबन्धक मोहित कुमार, पार्षद नीतीश कुमार, पार्षद प्रतिनिधि गुड्डू कुमार शर्मा आदि मौजूद रहें।

सीएस के निरीक्षण गायब मिली कुढ़नी सीएचसी प्रभारी और डॉक्टर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सिविल सर्जन डॉ. अजय कुमार ने शुक्रवार सुबह सीएचसी कुढ़नी का निरीक्षण किया। निरीक्षण में सीएचसी प्रभारी डॉ रीता रेणु चौधरी नहीं थीं। सीएस की सूचना के बाद भी वह सीएचसी नहीं पहुंची थीं। सीएचसी के निरीक्षण में जिस डॉक्टर की ड्यूटी थी, वह भी गायब थीं। डॉक्टर पौने 11 बजे सीएचसी पहुंची। इसके अलावा दंत चिकित्सक भी गायब मिले। गायब मिले डॉक्टरों को शोकॉज किया गया है। सीएस को शिकायत मिली थी कि सीएचसी में मरीजों का पुर्जा कटने के डेढ़ घंटे बाद इलाज शुरू होता था। निरीक्षण के दौरान भी मरीजों ने डॉक्टर के समय पर नहीं आने की शिकायत की। शुक्रवार को सीएचसी कुढ़नी में पहला पुर्जा 9.28 बजे कटा, लेकिन पौने 11 बजे तक मरीज का इलाज नहीं हुआ। भव्या पोर्टल की रिपोर्ट में भी कुढ़नी में मरीज के इलाज में देरी की शिकायत आ रही थी। इस शिकायत के बाद सीएस ने औचक निरीक्षण किया था।

केएम टैंक में अतिक्रमण व पेयजल का गंभीर संकट

दरभंगा, एजेंसी। लहेरियासराय प्रशासनिक मुख्यालय से सटे केएम टैंक शहर का विकसित मोहल्ला माना जाता है। लोग बताते हैं कि सड़क-नाला दुरुस्त है पर अतिक्रमण व पेयजल की किल्लत समस्या बनी है। अतिक्रमण की वजह से आवाजाही में कठिनाई होती है। मोहल्ले के लोग बताते हैं कि लहेरियासराय से बहेड़ी जाने वाली सड़क, जेल रोड, लोहिया चौराहा, गुदरी बाजार आदि जगहों पर अतिक्रमण पसरा है। फुटपाथ गायब हो चुके हैं और सड़क जाम रहता है। लोग बताते हैं कि जाम के कारण बाजार से दैनिक जरूरतों का सामान खरीदकर लाना चुनौती बन गयी है। बाजार से आने-जाने में मन खिन्न हो जाता है। कार-बाइक से जाने पर पार्किंग की जगह नहीं मिलती है। मोहल्लावासी अक्षय कुमार उर्फ अभिषेक, चंद्रप्रकाश सिन्हा, कृष्ण मोहन सिंह आदि बताते हैं कि शिकायत करने पर निगम का धावा दल अतिक्रमण हटाने की खानापूरी करता है। पुलिस व बुलडोजर के संग धावा दल की टीम पहुंचती है और दिखावटी तोड़-फोड़कर, एकाध ठेला-खोंमचा जब्त कर चला जाता है। फिर चंद घंटों में ही अतिक्रमणकारी दोबारा काबिज हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि मोहल्ले का भीतरी हिस्सा जितना व्यवस्थित है, बाहरी हिस्सा उतना ही अस्तव्यस्त है। जेल कोना से लोहिया चौक तक सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण है। सड़क के बीच का हिस्सा टेंपो-टोटो से भरा रहता है। उन्होंने बताया कि स्थिति यह है कि 100-200 मीटर की

दूरी पैदल तय करने में भी लोगों को 30 से 40 मिनट लग रहा है। वाहनों के हॉर्न का तीखा शोर, दमघोंटू धुआं व तीखी धूप में लोग बिलबिलाने लगते हैं। इसके बावजूद अतिक्रमण को स्थायी तौर पर हटाने या व्यवस्थित करने की पहल नहीं हो रही है। वाटर कनेक्शन लाइन बिछाकर गायब है बुडको- लहेरियासराय-बहेड़ी मुख्य पथ किनारे स्थित केएम टैंक दरभंगा नगर निगम के वार्ड नंबर 47 का हिस्सा है। मोहल्ला निवासी खुशबू देवी, उज्ज्वल कुमार, मीना देवी, सुनीता देवी, किरण कुमारी, प्रवीण कुमार आदि बताते हैं कि गर्मी आते ही इस वर्ष भी पेयजल की किल्लत गंभीर हो गई है। चापाकल-मोटर दोनों फेल है और लोग सबमर्सिबल-वाटर टैंकर के सहारे दैनिक जरूरत पूरी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक वर्ष पहले मोहल्ले में बुडको (बिहार अर्बन डेवलपमेंट एजेंसी) ने हर घर नल योजना का काम शुरू किया। इसे देख मोहल्ले के करीब डेढ़-दो सौ परिवार खुश थे। जब पाइपलाइन घरों तक पहुंच गई तो लोग सोच रहे थे कि इस वर्ष गर्मी में पानी भरी बाल्टी लेकर घर आने-जाने की जिल्लत से छुटकारा मिल जाएगा, पर अब तक किसी भी घर में जल-नल योजना से पानी नहीं टपक सका है। बुडको के कर्मी घर के सामने बिना टोंटी के नल लगाकर गायब हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि मोहल्ले के लोग इसकी शिकायत कई बार स्पाीीय नथर्षद व नगर निगम के अधिकारियों से कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। केएम टैंक मोहल्ले में भी अन्य मोहल्लों की तरह टैंकर से पीने का पानी पहुंचाया जा रहा है, ताकि लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो। इसके अलावा सबमिर्सबल बोरिंग भी गड़वायी गयी है। नगर निगम की ओर से समय-समय पर अतिक्रमण भी हटवाया जाता है।

इंटरनेशनल बनेगा दरभंगा एयरपोर्ट, रनवे विस्तार के लिए 90 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण: संजय झा

पटना, एजेंसी। दरभंगा एयरपोर्ट को इंटरनेशनल हवाई अड्डा बनाने के उद्देश्य पर तेजी से काम शुरू हो गया है। रनवे के विस्तार के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा मांगी गई 90 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 245 करोड़ रुपये की राशि जिला प्रशासन दरभंगा को हस्तांतरित कर दी गई है। इसकी जानकारी जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने दी। उन्होने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने के उद्देश्य से रनवे के विस्तार के लिए एएआई द्वारा मांगी गई 90 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 245 करोड़ रुपये की राशि जिला प्रशासन दरभंगा को हस्तांतरित कर दी गई है। बिहार के मुख्य सचिव ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव को कल फिर पत्र लिख कर यह जानकारी दी है और दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में अपग्रेड करने की प्रक्रिया तेज करने का अनुरोध किया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि इस प्रक्रिया में बिहार सरकार हर जरूरी सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले सितंबर 2024 में भी दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने के लिए केंद्र को पत्र लिखा गया था। हमें विश्वास है, दरभंगा एयरपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने पर उत्तर बिहार में व्यापार और पर्यटन बढ़ेगा, बड़े पैमाने पर रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे और विकास को नई गति मिलेगी।

प्रेम-प्रसंग में प्रेमी की चाकू से गोदकर हत्या

मोतिहारी में घटना के बाद आरोपी फरार परिजन बोले– 10 दिन पहले हुआ था विवाद

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के मलंग बाबा मंदिर के पास बदमाशों ने एक 24 वर्षीय युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी।

मृतक की पहचान रघुनाथपुर के निवासी भोला अंसारी के बेटे मुस्तफा अंसारी के रूप में हुई है। बताया गया कि उनकी शादी 18 जून को सुंदरपुर, बजरिया थाना क्षेत्र में होनी थी। घटना के समय मृतक की स्कूटी पर चावल का बोरा रखा हुआ था। पुलिस के मुताबिक प्रेम-प्रसंग उसकी हत्या हुई है।

चाकू से हमला कर भागा आरोपी

मृतक के बड़े भाई शौकत अंसारी ने बताया कि वह घर लौट रहे थे। उन्होंने देखा कि सुधीर साहनी मुस्तफा पर चाकू से हमला कर रहा था। शौकत ने जब बचाने की

कोशिश की तो आरोपी ने उन पर भी हमला करने की कोशिश की। स्थानीय लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी फरार हो गया। पुलिस को सूचना मिलने पर घायल मुस्तफा को निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मुस्तफा का संबंध सुधीर साहनी की पत्नी से था। इसी कारण दोनों के बीच पहले से तनाव चल रहा था। दस दिन पहले भी इसी मामले को लेकर विवाद हुआ था। सुधीर ने मुस्तफा को जान से मारने की धमकी दी थी।

एक संदिग्ध से पूछताछ जारी

पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश में जुटी है। एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गेहूं कटाई के विवाद में लाठी-डंडे से पीटकर युवक की हत्या

पटना, एजेंसी। खुसरूपुर थाना क्षेत्र के मालपुर गांव में शुक्रवार को फसल कटाई को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। चार कट्ठा जमीन पर गेहूं की कटाई के दौरान उत्पन्न विवाद ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलने लगे। इस दौरान मुकेश यादव की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वहीं, मारपीट में दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हैं। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, सभी घायलों का इलाज पुलिस अभिरक्षा में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मुकेश यादव परिजनों के साथ खेत में गेहूं काटने गया था। इस दौरान विरोधी पक्ष वहां पहुंच गया और लाठी-डंडे से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल मुकेश को पटना ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग और थानाध्यक्ष मंजीत कुमार ठाकुर मौके पर पहुंचे। उन्होंने मामले की जांच की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि विवाद फसल कटाई को लेकर हुआ था।

नालंदा में भीषण गर्मी में जलसंकट से निपटने की तैयारी

बिहार शरीफ और हिलसा ब्लॉक में लगाए जाएंगे नए हैंडपंप, मरम्मत दल भी तैनात

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले में गर्मी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही जलस्तर में गिरावट और पेयजल संकट की समस्या गंभीर होती जा रही है। इस चुनौती से निपटने के लिए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। विभाग ने जिले के प्रत्येक प्रखंड में दो-दो मरम्मत दल तैनात किए हैं। जो खराब हैंडपंप की मरम्मत करेंगे। साथ ही चिह्नित गांवों और टोलों में नए हैंडपंप स्थापित करने की स्वीकृति भी मिल गई है। विभाग के अनुसार टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है और अगले सप्ताह से हैंडपंप स्थापना का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। जिले में पीएचईडी के दो प्रमुख डिवीजन हैं। बिहारशरीफ डिवीजन, जिसके अंतर्गत 12 प्रखंड आते हैं और हिलसा डिवीजन, जिसमें 8 प्रखंड शामिल हैं। दोनों डिवीजनों को 50-50 हैंडपंप लगाने का लक्ष्य दिया गया है। कुल 100 नए चापाकल जिले में लगाए जाएंगे। विशेष रूप से ये चापाकल उन्हीं क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। जहां किसी कारणवश नल-जल योजना से पानी की आपूर्ति प्रभावित होती है, या फिर नई बसावटों में जहां अभी तक नल-जल योजना नहीं पहुंची है। इस परियोजना पर होने वाले खर्च को आपदा मद से वहन किया जाएगा।

पांच इंच मोटी पाइप का प्रयोग

जलस्तर में अत्यधिक गिरावट होने पर अक्सर बड़े चापाकल भी काम नहीं करते। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा 5 इंच मोटाई की पाइप लगाई जाएगी। इसका एक बड़ा लाभ यह है कि आवश्यकता पड़ने पर इन हैंडपंपों में समरसेबल मोटर भी लगाई जा सकती है। जिससे पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। पीएचईडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राघवेंद्र कुमार ने बताया की गर्मी के मौसम को देखते हुए जिले में एक सौ नए चापाकल स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिन गांवों और टोलों में आवश्यकता होगी, वहां प्राथमिकता के आधार पर चापाकल स्थापित किए जाएंगे, ताकि लोगों को जलसंकट का सामना न करना पड़े।

डीप बोरिंग से स्थापित होंगे हैंडपंप

गर्मी के मौसम में जिले का जलस्तर काफी नीचे चला जाता है। जिससे कम गहराई वाले हैंडपंप काम करना बंद कर देते हैं। इस समस्या से बचने के लिए विभाग ने इस बार डीप बोरिंग करने का निर्णय लिया है। नए चापाकल 150 फीट या उससे अधिक गहराई तक बोरिंग कर स्थापित किए जाएंगे। इन हैंडपंपों की खासियत यह है कि इनमें 70 से 80 फीट तक की गहराई में सिलेंडर लगाया जा सकता है।

शादी की सालगिरह पर

सुगंधा मिश्रा ने पति के लिए लिखा प्यारा नोट

तुम मेरी शांति, रोमांच और घर भी हो

मशहूर कमीडियन, होस्ट और सिंगर सुगंधा मिश्रा शनिवार को अपनी शादी की चौथी सालगिरह मना रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पति डॉ. संकेत भोसले के साथ कई रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते हुए उन्हें खास दिन की मुबारकबाद दी। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में सुगंधा समंदर किनारे पति के साथ रोमांटिक पोज दे रही हैं। उन्होंने ब्लू कलर की बेहद खूबसूरत ड्रेस पहनी हुई है, वहीं संकेत कैजुअल में नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में संकेत सुगंधा को किस करते भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- किनारे को छूने वाली हर लहर मुझे हमारे साथ बिताए हर पल की याद दिलाती है, कभी वो पल शांत थे, कभी जोशीले, लेकिन हमेशा खास और खूबसूरत रहे। आज हम सिर्फ एक और साल नहीं मना रहे, बल्कि उस रिश्ते का जश्न मना रहे हैं जो हर दिन और भी मजबूत होता जा रहा है, जैसे हर डूबता सूरज हमारे प्यार को और गहरा बना देता है। तुम्हारा शुक्रिया... तुम मेरी शांति भी हो, रोमांच भी हो, और मेरा घर भी। बता दें कि सुगंधा ने 26 अप्रैल 2021 को संकेत भोसले के साथ सात फेरे लिए थे। सभी रस्में लुधियाना में हुई थीं। संकेत पेशे से स्किन स्पेशलिस्ट (डॉक्टर) हैं और कमीडियन भी हैं। उन्हें कई बार द कपिल शर्मा शो में संजय दत्त की मिमिक्री करते हुए भी देखा गया है। इसी शो में सुगंधा भी टीचर विद्यावती के रोल में दर्शकों को हंसाती थीं। अपनी प्रेम कहानी दोनों कई बार विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर बता चुके हैं। उनकी लव स्टोरी डेटिंग अफवाहों के बाद शुरू हुई थी। अफवाह थी कि सुगंधा और संकेत एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, जबकि उस वक्त ऐसा कुछ नहीं था, लेकिन जब खबरें आने लगीं तो दोनों के मन में एक-दूसरे के लिए फीलिंग्स आनी शुरू हो गईं। वहीं फैमिली भी अफवाहों को सच मानकर उन पर शादी का दबाव बनाने लगी। जिसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। कपल की एक बेटी भी है, जिसका जन्म 15 दिसंबर 2023 को हुआ। उन्होंने अपनी बेटी का नाम इहाना रखा है।

'अपने पार्टनर को यह बताने की हिम्मत होनी चाहिए'

साई को रिलेशनशिप में मिला धोखा

अभिनेत्री साई तम्हणकर ने रिश्ते और धोखे के बारे में बात करते हुए बताया कि ऐसे वक्त में पार्टनर को क्या करना चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे रहे उनके रिलेशनशिप।

हालिया रिलीज 'ग्राउंड जीरो' में इमरान हाशमी के साथ नजर आईं अभिनेत्री साई तम्हणकर ने एक्टिंग से परे अपनी व्यक्तिगत जिंदगी, प्यार, विश्वासघात और धोखे को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने रोमांटिक रिलेशनशिप को प्रभावित करने वाले कुछ इमोशनल पैटर्न के बारे में भी अपने विचार रखे।

साई को मिला रिश्ते में धोखा

हॉटरफ्लाई के साथ हालिया बातचीत में अभिनेत्री साई तम्हणकर ने अपने एक रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए कहा, हां, बेशक मुझे धोखा मिला है। कम उम्र में धोखा दिया गया था। मुझे लगता है कि मेरे जीवन में बहुत पहले मेरे बहुत बुरे रिश्ते रहे हैं। मैंने इससे बहुत कुछ सीखा है। मुझे यह भी लगता है कि एक व्यक्ति के साथ रहना थोड़ा अप्राकृतिक है। मेरा मानना है कि चीट करने पर खुले तौर पर वापस आकर अपने पार्टनर को यह बताने की हिम्मत रखो कि मैंने यह किया है। आप दोनों इसके साथ शांति बनाए रखें।

साई ने बताया बहस के दौरान क्या करती हैं लड़कियां

बहस के दौरान अक्सर अनसुलझे मुद्दों के फिर से उभर आने पर साई का कहना है, तब लड़की को हर लड़ाई में यह करने की जरूरत नहीं है। लेकिन लड़कियां ऐसा करती हैं। हर लड़ाई में, अगर कोई पुरानी बात है तो। मैंने भी यह किया है, इसलिए मैं यह कह रही हूं। वह ऐसा करती है, इसलिए ऐसा नहीं होना चाहिए। कमिटेड रिलेशनशिप में चिंता बनी रहने और धोखे का डर सा लगा रहने पर अभिनेत्री ने कहा, जब कोई रिश्ता बनता है, तो वह बेचैनी या वह भावना अभी भी जीवित रहती है। लेकिन यह वाकई में दूरी नहीं होती है।

2013 में की शादी, दो साल बाद हो गईं अलग

साई तम्हणकर ने पहले विजुअल इफेक्ट आर्टिस्ट अमेय गोसावी से शादी की थी। दोनों ने 15 दिसंबर 2013 को शादी की, लेकिन 2015 में आपसी सहमति से अलग हो गए। हालांकि उन्होंने कभी भी अपने अलग होने का कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताया।

मोनालिसा ने पेरेंट्स को गिफ्ट की 11 लाख की कार, कहा-

उनकी एक और इच्छा पूरी हुई

मशहूर एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह इंस्टाग्राम पर अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपने मां-बाबा को एक महंगा गिफ्ट देती नजर आ रही हैं। फैंस उनकी तस्वीरों को पसंद तो कर ही रहे हैं, साथ ही उनकी तारीफों के पुल भी बांध रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में दिखा कि मोनालिसा ने अपने मां-बाबा को 11 लाख की गाड़ी गिफ्ट में दी है। गाड़ी खरीदने की खुशी एक्ट्रेस और उनके परिवार वालों के चेहरे पर साफ दिखाई दे रही है। वह केक काटकर इस खुशी का जश्न मनाती भी नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, नई शुरुआत... मां और बाबा के लिए गिफ्टज उनकी एक और इच्छा पूरी हुई। इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ उनके साथी भी खूब सराहना कर रहे हैं और बधाई दे रहे हैं।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी की शूटिंग रुकी, डांसर की मौत के बाद सेट पर पसरा मातम

एक्टर रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी की शूटिंग के दौरान एक हादसे की खबर आई है। दरअसल, फिल्म की कोरियोग्राफी टीम के एक सदस्य की नदी में डूबने से मौत हो गई है। मृतक की पहचान फिल्म में काम करने वाले डांसर सौरभ शर्मा के रूप में हुई है, जो दो दिन से लापता था। जानकारी के मुताबिक, सतारा जिले के संगम महुली गांव में फिल्म की शूटिंग चल रही थी। इस शूटिंग में सौरभ शर्मा बतौर डांसर गाने का हिस्सा था। गाने में अलग-अलग रंगों के गुलाल उड़ाए जा रहे थे। जब गाने की शूटिंग खत्म हुई तो वह कृष्णा नदी में हाथ धोने चला गया। नदी के तेज बहाव से बेखबर वह तैरने के लिए नदी में उतर गया और बह गया। इस बारे में तुरंत पुलिस और जिला प्रशासन को सूचित किया गया। दो दिन चले तलाशी अभियान के बाद उसका शव नदी से बरामद किया गया। इस घटना के चलते फिलहाल फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है। फिल्म के बारे में बात करें तो राजा शिवाजी महान मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। एक्टिंग करने के साथ-साथ रितेश इस फिल्म का निर्देशन भी कर रहे हैं। फिल्म में भाग्यश्री भी अहम भूमिका में हैं। यह मराठी और हिंदी दो भाषाओं में रिलीज की जाएगी। एक्टर के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वह जल्द ही फिल्म रेड 2 में विलेन के किरदार में दिखाई देंगे।

यह फिल्म 1 मई को रिलीज होगी। फिल्म में अजय देवगन, तमन्ना भाटिया, सौरभ शुक्ला, वाणी कपूर, सुप्रिया पाठक, अमित सियाल और रजत कपूर भी लीड रोल में हैं। रितेश को खलनायक का रोल देने पर फिल्म के निर्देशक राज कुमार गुप्ता ने एक इंटरव्यू में कहा था, मुझे हमेशा से रितेश का काम पसंद आया है। हम सभी जानते हैं कि कॉमिक रोल हो या खलनायक की भूमिका, वह सभी किरदार शानदार तरीके से निभाते हैं। वह असल में बेहतरीन कलाकार हैं। पिछले साल मैंने उनके साथ एक सीरीज में काम किया था, जिसमें उन्होंने अहम किरदार निभाया था। तब मैंने तय कर लिया था कि मैं भविष्य में एक बार जरूर उनके साथ काम करूंगा। उन्होंने बताया, रेड 2 की स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद मैं उनसे मिला और उन्हें स्क्रिप्ट सुनाई। उन्हें यह काफी पसंद आई, उन्हें खलनायक का किरदार काफी अच्छा लगा और इस तरह वह फिल्म में शामिल हुए। मुझे बहुत खुशी है कि वह फिल्म का हिस्सा हैं।

रणदीप हुड्डा क्यों चाहते थे मणिपुरी रिवाज से शादी करना?

पत्नी लिन लैशराम ने साझा की यादें

हाल ही में लिन लैशराम ने रणदीप हुड्डा के साथ शादी से जुड़ी यादों को साझा किया है। लिन ने बताया कि रणदीप, मणिपुर रिवाज से शादी करना चाहते थे। मणिपुरी रिवाजों को देखकर रणदीप का क्या रिएक्शन रहा, जानिए। दो साल पहले रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम शादी के बंधन में बंधे। उस वक्त रणदीप ने लिन को साफ कहा था कि वह मणिपुरी ढंग से ही शादी करेंगे। इस बारे जो एक्सपीरियंस दोनों को हुए, उसे लिन ने एक इंटरव्यू में साझा किया है।

मणिपुरी रिवाज से शादी करने की वजह

लिन लैशराम हालिया इंटरव्यू में कहती हैं, 'रणदीप ने कहा था कि हमारे यहां लड़की के रिवाज से शादी की जाती है। यही कारण है कि हमारी शादी मणिपुरी रिवाज से हुई।

शादी का हर रिवाज रणदीप और उनके परिवार के नया था लेकिन सभी ने हर चीज को बहुत अच्छे से किया। शादी होने से पहले मैं रणदीप को अपने होमटाउन के एक देवता के मंदिर लेकर गई, यह घोड़ों के देवता कहे जाते हैं। उन्हें देखकर रणदीप ऐसे खुश हुए, जैसा कोई बच्चा खुश होता है।'

शादी से पहले लिव-इन में रहे

लिन ने इसी इंटरव्यू के दौरान बताया कि शादी से पहले रणदीप और वह, लिव इन में रह चुके थे। कोविड के दौरान दोनों साथ रहने लगे। इस दौरान दोनों को अहसास हुआ कि वे एक-दूसरे के लिए बने हैं। लिन और रणदीप को साथ रहने में एक कंफर्ट महसूस होता था।

रणदीप-लिन के एक जैसे हैं शौक

रणदीप और लिन लैशराम के बीच अच्छी बॉन्डिंग इसलिए भी बनीं, क्योंकि दोनों को जानवरों से प्यार है, वे वाइल्ड लाइफ के लिए काफी कुछ करते हैं। अपनी शादी की पहली सालगिरह भी लिन और रणदीप ने जंगल सफारी करके मनाई थी।

विवादित बयान देकर बुरे फंसे अनुराग कश्यप

सूरत कोर्ट ने जारी किया नोटिस

ब्राह्मणों पर किए गए विवादित बयान को लेकर फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप ने भले ही माफी मांग ली हो, मगर उनकी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। देश भर में विरोध के बाद अब सूरत की ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास (जेएमएफसी) कोर्ट ने अनुराग के खिलाफ नोटिस जारी कर पेश होने का आदेश दिया है। सूरत की जेएमएफसी कोर्ट ने अनुराग के खिलाफ नोटिस जारी कर 7 मई को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। यह नोटिस ब्राह्मण समाज की ओर से सूरत के वकील कमलेश रावल की शिकायत के बाद जारी की गई है। कोर्ट में शिकायत करने वाले एडवोकेट कमलेश रावल ने अनुराग कश्यप के सोशल मीडिया पोस्ट और माफीनामे को सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया। कमलेश रावल ने बताया, हाल ही में अनुराग कश्यप ने सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज के खिलाफ भद्दा कमेंट किया था। आदित्य दत्ता नाम के व्यक्ति ने जब कश्यप को यह सब न कहने के लिए कहा तो उन्होंने गाली देकर विवादित टिप्पणी की। मैंने मामले की शिकायत की है, जिसे लेकर अनुराग कश्यप को सात मई को कोर्ट में हाजिर होने के लिए नोटिस दिया गया है। 7 मई को अनुराग कश्यप या उनके वकील को कोर्ट में हाजिर होना है। यदि वह कोर्ट में हाजिर नहीं होते हैं तो कोर्ट एकतरफा फैसला सुना सकता है। फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप का ब्राह्मणों पर दिया गया विवादित बयान तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट कर कश्यप ने दोबारा आहत लोगों से माफी मांगी थी। कश्यप का कहना है कि वह गुस्से में आकर मर्यादा भूल गए थे। आगे वह ध्यान देंगे कि बातचीत के दौरान सही शब्दों का इस्तेमाल करें। माफी मांगने के साथ ही अनुराग ने आगे कहा कि उनसे ऐसी गलती आगे कभी नहीं होगी। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की।

राखी सावंत ने सीमा हैदर के लिए उठाई आवाज, बोलीं-

भारत की बहू को पाकिस्तान न भेजें

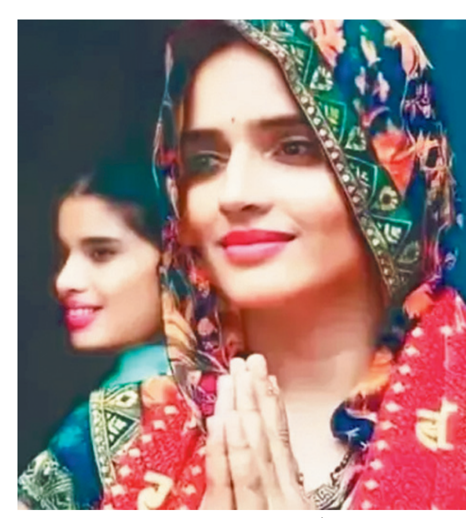

राखी सावंत ने हाल ही में सीमा हैदर का समर्थन में आवाज उठाई है। अभिनेत्री ने सरकार से गुजारिश की है कि सीमा को पाकिस्तान नहीं भेजा जाना चाहिए, क्योंकि वह भारत की बहू बन चुकी हैं। पाकिस्तानी मूल की सीमा हैदर ने साल 2023 में अवैध रूप से भारत आकर और ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा निवासी सचिन मीना से शादी की थी। वह अब एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस फैसले के बीच राखी सावंत ने सीमा हैदर का समर्थन करते हुए सरकार से भावुक अपील की है।

राखी ने किया सीमा का समर्थन

राखी ने कहा कि सीमा अब हिंदुस्तान की बहू हैं और उन्हें पाकिस्तान वापस नहीं भेजा जाना चाहिए। शुक्रवार (25 अप्रैल) शाम को राखी सावंत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने सीमा को भारत में रहने देने की वकालत की।

सोशल मीडियासीमा के लिए राखी ने कही ये बात

राखी ने कहा, सीमा हैदर को पाकिस्तान नहीं भेजना चाहिए। वह अब भारत की बहू है, सचिन की पत्नी है और उनके बच्चे की मां है। भारत को सीमा के साथ ऐसा बर्ताव नहीं करना चाहिए। वह सचिन से प्यार करती है और अब हिंदुस्तानी बन चुकी है। एक औरत के साथ ऐसा अन्याय नहीं होना चाहिए।

हिंदू बन चुकी हैं सीमा-राखी सावंत

राखी ने आगे कहा, सीमा यूपी की बहू है। उसे भारत छोड़ने के लिए नहीं कहना चाहिए। हम नहीं जानते कि इसके पीछे कौन साजिश कर रहा है, लेकिन किसी बेगुनाह के साथ गलत नहीं करना चाहिए। हां, वह पाकिस्तानी थी, लेकिन अब वह भारत की बहू है। शादी के बाद वह हिंदू बन चुकी है और भारत के समर्थन में नारे भी लगाती है। वह एक औरत है, कोई फुटबॉल नहीं कि उसे इधर-उधर भेज दिया जाए। यह मेरी सरकार से गुजारिश है।

क्या है सीमा हैदर का मामला?

32 वर्षीय सीमा हैदर 2023 में अपने चार बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत आई थीं। उन्होंने 24 वर्षीय सचिन मीना से शादी की और हिंदू धर्म अपनाया। इस जोड़े की प्रेम कहानी ने खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन सीमा की नागरिकता और अवैध प्रवेश को लेकर विवाद भी हुआ।

साभार एजेंसी

लंदन में आमने-सामने आए भारतीय और पाकिस्तानी प्रदर्शनकारी, पाक राजनयिक ने किए धमकी भरे इशारे

» लंदन, भाषा।

पहलगाम आतंकवादी हमले मद्देनजर लंदन में विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए प्रवासीय भारतीयों के समूहों और यहां पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर जवाबी प्रदर्शन करने वालों का आमना-सामना हुआ। इस दौरान एक पाकिस्तानी राजनयिक अधिकारी को धमकी भरे इशारे करते हुए देखा गया। भारतीय समूहों द्वारा शुक्रवार शाम सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में पाकिस्तानी अधिकारी को लोन्डेस स्क्वायर में स्थित मिशन भवन की बालकनी से भारतीय प्रदर्शनकारियों की तरफ इशारे करते हुए देखा जा सकता है। राजनयिक ने फरवरी 2019 में पाकिस्तान में पकड़े गए भारतीय वायुसेना के पायलट कैप्टन अभिनंदन वर्धमान का पोस्टर दिखाकर ये इशारे किए। विरोध प्रदर्शन के दौरान भारतीयों ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर पाकिस्तान से कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने का आह्वान किया गया था।

फ्रेंड्स ऑफ इंडिया सोसायटी इंटरनेशनल (एफआईएसआई) यूके के प्रवक्ता ने कहा, हम कश्मीर में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के कारण निर्दोष लोगों की हत्या किए जाने की निंदा करने के लिए एकत्र हुए हैं। हम सख्त अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की मांग करते हैं और ब्रिटेन सरकार से भारत के साथ खड़े होने तथा पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हैं। प्रवक्ता ने कहा, एक चौंकाने वाली और पूरी तरह से निंदनीय हरकत करते हुए ब्रिटेन में पाकिस्तानी उच्चायोग के एक सदस्य ने भारत के विंग कमांडर अभिनंदन की तस्वीर लहराई और बर्बर तरीके से गला काटने का इशारा किया। यह कृत्य न केवल घोर शत्रुता को दर्शाता है, बल्कि राजनयिक मानदंडों व मानवीय शालीनता के लिए खतरनाक भी है। लंदन में स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर लगे पोस्टरों में लिखा था, एकता, न्याय और मानवता के लिए खड़े होने तथा निर्दोष लोगों पर आतंकवादी हमलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए हमारे साथ जुड़ें। पाकिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने लाउडस्पीकरों पर देशभक्ति गीत बजाकर भारतीय प्रदर्शनकारियों के विरोध प्रदर्शन को दबाने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि कुछ पुलिस अधिकारियों ने नस्लीय टिप्पणी के लिए कम से कम एक प्रदर्शनकारी को हिरासत में लिया है। भारतीय प्रदर्शनकारियों ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद ऑल आइज ऑन पहलगाम नाम से विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था।

भारत और पाकिस्तान के बीच हमेशा तनाव रहा है, वे इसका हल निकाल लेंगे: ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव हमेशा से रहा है तथा दोनों देश इसे आपस में किसी न किसी तरह सुलझा लेंगे। ट्रंप ने यह टिप्पणी पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बारे में सवाल किए जाने पर शुक्रवार को की। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। यह पूछे जाने पर क्या वह दोनों देशों के नेताओं से बात करेंगे, ट्रंप ने कहा, मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के बहुत करीब हूं, जैसा कि आप जानते हैं। उन्होंने रोम के रास्ते में एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि कश्मीर में लड़ाई लंबे समय से जारी है और पहलगाम में जो हुआ, वह बहुत बुरा है। ट्रंप ने कहा कि सीमा पर तनाव लंबे समय में जारी है लेकिन वे इसे किसी न किसी तरह सुलझा लेंगे। मुझे यकीन है... मैं दोनों नेताओं को जानता हूं। पाकिस्तान और भारत के बीच बहुत तनाव है जो हमेशा से रहा है। भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कदमों की घोषणा की, जिनमें पाकिस्तानी उच्चायोग में तैनात सैन्य प्रतिनिधि को अवांछित घोषित करना, 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना और आतंकवादी हमले के सीमा पार से जुड़े होने के मद्देनजर अटारी भूमि-पारगमन चौकी को तत्काल प्रभाव से बंद करना शामिल है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ काठमांडू में पाकिस्तान दूतावास के बाहर प्रदर्शन

काठमांडू। नागरिक युवा शक्ति नेपाल ने शनिवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ यहां पाकिस्तानी दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी की थी, जिसमें एक नेपाली पर्यटक समेत 26 लोगों की मौत हो गई थी। कई युवक हाथों में तख्तियां और हमले में मारे गए 27 वर्षीय सुदीप न्यूपाने की तस्वीर लेकर आतंकवादियों को सजा दो और हिंदुओं की हत्या बंद करो जैसे नारे लगा रहे थे। पश्चिमी नेपाल के बुटावल उप-महानगरीय शहर के न्यूपाने उन लोगों में शामिल थे, जो इस हमले में मारे गए। हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी हमले के खिलाफ शनिवार को यहां पाकिस्तानी दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया।

अपने सम्मान और देश की सुरक्षा से कभी समझौता नहीं करेंगे : शरीफ

पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले की तटस्थ पारदर्शी जांच में शामिल होने की पेशकश की

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकवादी हमले की किसी भी तटस्थ और पारदर्शी जांच में शामिल होने की शनिवार को पेशकश की। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खैबर-पख्तूनख्वा के काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में सेना के कैडेट की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए कहा, पहलगाम में हुई हालिया घटना इस निरंतर दोषारोपण के खेल का एक और उदाहरण है, जिसे पूरी तरह से बंद किया जाना चाहिए। एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी भूमिका को जारी रखते हुए, पाकिस्तान किसी भी तटस्थ, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच में भागीदारी करने के लिए तैयार है। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने का उल्लेख करते हुए शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के हिस्से के जल के प्रवाह को रोकने, कम करने या दूसरी ओर मोड़ने के किसी भी प्रयास का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। शरीफ ने कहा कि अगर भारत ने उसके (पाकिस्तान के) हिस्से का पानी रोका, तो वह सभी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे।

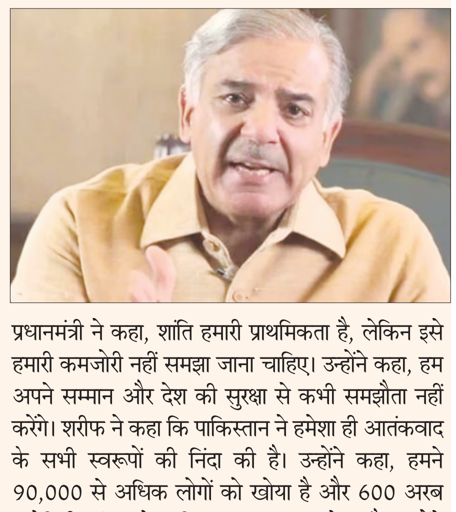

उन्होंने कहा, जल हमारी जीवन रेखा है और हमारा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित है तथा इसकी उपलब्धता को हर कीमत पर और हर परिस्थिति में सुरक्षित रखा जाएगा। शरीफ ने कहा कि मुल्क की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए समूचा देश पाकिस्तान के सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, हमारे बहादुर सशस्त्र बल सक्षम हैं और देश की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी दुस्साहस का सामना करने को पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, हमारे सशस्त्र बल वीरता, अनुकरणीय अनुशासन और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा, शांति हमारी प्राथमिकता है, लेकिन इसे हमारी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम अपने सम्मान और देश की सुरक्षा से कभी समझौता नहीं करेंगे। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा ही आतंकवाद के सभी स्वरूपों की निंदा की है। उन्होंने कहा, हमने 90,000 से अधिक लोगों को खोया है और 600 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान झेला है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करने की हमारी प्रतिब्रद्धता से ज्यादा मजबूत संकल्प और कुछ नहीं सकता। शरीफ ने कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि भारत ने बिना किसी विश्वसनीय जांच या सत्यापित किए जाने योग्य सबूत के बिना बेबुनियाद एवं झूठे आरोप लगाने का अपना तरीका जारी रखा है। उन्होंने कहा कि (पाकिस्तान के संस्थापक) मुहम्मद अली जिन्ना ने कश्मीर को पाकिस्तान की जगुलर वेन (अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण) कहा था। शरीफ ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के बावजूद यह मुद्दा अनसुलझा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी आलोचना की और आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के दोषियों एवं उनके मददगारों को जवाबदेह ठहराने तथा उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत पर बल दिया। यूएनएससी ने शुक्रवार को मीडिया में एक बयान जारी कर इस बात को दोहराया कि हर तरह का आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। बयान में कहा गया, सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य लोग घायल हो गए। मीडिया में यह बयान यूएनएससी अध्यक्ष द्वारा सभी 15 सदस्य देशों की ओर से जारी किया गया है।

पाकिस्तान वर्तमान में यूएनएससी में एक अस्थाई सदस्य है। यूएनएससी के सदस्यों ने पीड़ितों के परिवारों और भारत एवं नेपाल की सरकारों के प्रति गहरी सहानुभूति और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सदस्यों ने आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के दोषियों और उनके मददगारों को जवाबदेह ठहराने तथा उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत पर भी बल दिया। यूएनएससी ने कहा कि इन हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराना जरूरी है। उसने सभी देशों से आग्रह किया कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून एवं सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों के तहत अपने दायित्वों के अनुसार इस संबंध में सभी सक्षम अधिकारियों के साथ सक्रिय सहयोग करें। पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

भारत ने नदी का पानी रोका तो खून बहेगा: बिलावल भुट्टो

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित करने के भारत के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने धमकी दी कि अगर पानी रोका गया तो नदियों में खून बहेगा। द न्यूज की खबर में पूर्व विदेश मंत्री के हवाले से कहा गया, सिंधु हमारी है और हमारी ही रहेगी - या तो हमारा पानी इसमें बहेगा या उनका खून। बिलावल ने यह बात शुक्रवार को अपने गृह प्रांत सिंध के सुक्कुर इलाके में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कही। सिंधु नदी सिंध प्रांत से होकर बहती है और सिंधु घाटी सभ्यता का शहर मोहनजोदड़ो इसके किनारों पर बसा था। बिलावल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दावा किया है कि भारत हजारों साल पुरानी सभ्यता का उत्तराधिकारी है, लेकिन मोहनजोदड़ो सभ्यता लरकाना में है। हम इसके सच्चे संरक्षक हैं और हम इसकी रक्षा करेंगे। बिलावल ने कहा कि मोदी सिंध और सिंधु के लोगों के बीच सदियों पुराने रिश्ते को नहीं तोड़ सकते। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने पाकिस्तान के पानी पर अपनी नजरें टिका रखी हैं और हालात की मांग है कि चारों प्रांतों को अपने पानी की रक्षा एवं सुरक्षा के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि न तो पाकिस्तान के लोग और न ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय मोदी की युद्धोत्तेजक या सिंधु नदी के पानी को पाकिस्तान से छीनने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त करेंगे। बिलावल ने कहा, हम दुनिया को संदेश देंगे कि सिंधु नदी पर लूट को स्वीकार नहीं किया जाएगा। पीपीपी अध्यक्ष ने अपने समर्थकों से आग्रह किया कि अपनी नदी को भारतीय आक्रमण से बचाने की खातिर दृढ़ संघर्ष के लिए तैयार रहें। पाकिस्तान के सबसे युवा विदेश मंत्री रहे बिलावल ने कहा कि देश और उसके लोगों ने भारत में हाल में हुए आतंकी हमले की निंदा की, क्योंकि पाकिस्तान खुद भी आतंकवाद झेल रहा है। भारत ने बुधवार को इस्लामाबाद के साथ राजनयिक संबंधों का स्तर कम कर दिया। यह फैसला भारत ने पहलगाम में मंगलवार को हुए हमले के बाद लिया। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने यूक्रेन और रूस से उच्चस्तरीय वार्ता करने का आह्वान किया

» रोम, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन और रूस से अत्यंत उच्चस्तरीय वार्ता के लिए मुलाकात करने का शुक्रवार को आह्वान करते हुए कहा कि वे तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए समझौता करने के बहुत करीब हैं। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के लिए रोम पहुंचने के तुरंत बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल के जरिए कहा कि यह रूस और यूक्रेन के साथ बातचीत एवं बैठकों का एक अच्छा दिन था। उनके दूत स्टीव विटकॉफ ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से शुक्रवार को मुलाकात करने के लिए मॉस्को का दौरा किया था।

ट्रंप ने लिखा, वे समझौता करने के बहुत करीब हैं और दोनों पक्षों को अब इसे पूरा करने के लिए बहुत उच्च स्तर पर मुलाकात करनी चाहिए। अधिकतर प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बन गई है। अब खून-खराबा बंद करो। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इससे पहले शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में कहा था, क्रीमिया रूस के साथ रहेगा। ट्रंप, जेलेंस्की पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता का विरोध करके युद्ध को लंबा खींचने का आरोप लगाते रहे हैं। क्रीमिया दक्षिणी यूक्रेन में काला सागर के किनारे एक रणनीतिक प्रायद्वीप है। रूस ने 2014 में इस पर उस समय कब्जा कर लिया था जब बराक ओबामा अमेरिका के राष्ट्रपति थे।

ईरान और अमेरिका के विशेषज्ञों के बीच ओमान में परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता शुरू

मस्कट, (भाषा)। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर शनिवार को ओमान में ईरान और अमेरिका के बीच गहन वार्ता शुरू हो गई। यह वार्ता संभवतः ईरान के यूरेनियम संवर्धन पर केंद्रित होगी। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने खबर दी कि ओमान की राजधानी मस्कट में यह वार्ता हो रही है। हालांकि न तो ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने और न ही मध्य एशिया के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने वार्ता के बारे में तत्काल कोई जानकारी दी। अरागची ने शुक्रवार को ओमान पहुंचकर ओमानी विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी से मुलाकात की, जिन्होंने इससे पहले मस्कट और रोम में हुई दो दौर की वार्ताओं में मध्यस्थता की थी। विटकॉफ शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए मॉस्को में थे। शनिवार को वह ओमान पहुंचे। दशकों से जारी तनाव के बाद परमाणु वार्ता हो रही है। इस वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है, जिसके बदले में अमेरिका ईरान पर लगाए गए कुछ कठोर आर्थिक प्रतिबंध हटाएगा।

उत्तर कोरियाई सैनिकों ने कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी : रूसी सेना

मॉस्को, (भाषा)। रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ प्रमुख वालेरी गेरासिमोव ने शनिवार को पुष्टि की कि उत्तर कोरिया के सैनिकों ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। गेरासिमोव ने कहा कि उत्तर कोरिया के सैनिकों ने यूक्रेनी सैनिकों को खदेड़ने के दौरान रूसी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर युद्ध अभियानों में भाग लिया और युद्ध में धैर्य एवं वीरता दिखाई।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में दुनिया भर के शीर्ष नेता एवं आम कैथोलिक बड़ी संख्या में शामिल हुए

» वेटिकन सिटी, भाषा।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में विश्व नेताओं और कैथोलिक अनुयायियों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर शनिवार को उन्हें विदाई दी। इस कार्यक्रम में पोप के रूप में फ्रांसिस की प्राथमिकताएं और पादरी के रूप में उनकी इच्छाएं प्रतिबिंबित हुईं। कई देशों के राष्ट्रपति और राजकुमार सेंट पीटर्स स्क्वायर में पोप के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हुए तथा कैदी एवं प्रवासी बेसिलिका में उनका स्वागत करेंगे जहां उन्हें दफनाया जाएगा।अंतिम संस्कार में दो लाख से अधिक लोग शामिल हुए। सेंट पीटर्स बेसिलिका से फ्रांसिस के ताबूत को स्क्वायर में वेदी के सामने लाने के लिए जुलूस की शुरुआत के संकेत के तौर पर घंटियां बजाई गईं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की सहित गणमान्य व्यक्ति वेदी के एक तरफ बैठे थे और लाल वस्त्र धारण किए कार्डिनल दूसरी ओर बैठे थे। अंतिम संस्कार वेटिकन में नौ दिवसीय आधिकारिक शोक अवधि की शुरुआत का प्रतीक है।

फ्रांसिस ने पिछले साल वेटिकन की परंपराओं और रीति-रिवाजों में बदलाव कर उन्हें सरल बनाते समय अपने अंतिम संस्कार समारोह को लेकर अपनी इच्छा बताई थी। वेटिकन ने कहा कि उनका उद्देश्य पोप की भूमिका को केवल एक पादरी के रूप में दिखाना था, न कि इस दुनिया के एक शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में। शुक्रवार रात पोप के ताबूत में रखे गए उनके जीवन के आधिकारिक आदेश के अनुसार, फ्रांसिस ने पोप के रूप में 12 साल में अपने पद के संबंध में आमूलचूल सुधार किए और पादरियों के सेवक होने पर जोर दिया। उन्होंने 2013 में अपने चयन के कुछ ही दिन बाद इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया था। कार्डिनल जियोवानी बतिस्ता रे ने पोप फ्रांसिस की प्रशंसा करते हुए उन्हें लोगों का पोप बताते हुए कहा कि वह ऐसे पादरी थे जो अनौपचारिक एवं सहज शैली में हमारे बीच सबसे कमजोर लोगों से संवाद करना जानते थे। रे ने फ्रांसिस को लोगों के बीच रहने वाला पोप एवं सभी के लिए खुले दिल वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि फ्रांसिस की जो आखिरी छवि कई लोगों के मन में है, वह ईस्टर रविवार को अंतिम आशीर्वाद देने और उसी स्क्वायर में पोपमोबाइल (पोप का वाहन) से सलामी देने की है, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। राजकुमार विलियम और यूरोपीय राजघरानों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ट्रंप, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन, वोलोदिमीर जेलेंस्की, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और यूरोपीय संघ के नेताओं ने 160 से अधिक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली और फ्रांसिस के बीच भले ही खास मेल जोल नहीं था लेकिन पोप की राष्ट्रीयता के कारण माइली को गौरवपूर्ण स्थान दिया गया। सेंट पीटर्स स्क्वायर के आस-पास की सडकों पर विशाल टेलीविजन स्क्रीन लगाई गई ताकि लोग पोप के अंतिम संस्कार कार्यक्रम को देख सकें। फ्रांसिस के ताबूत को उस पोपमोबाइल में रखा गया जिसका इस्तेमाल उन्होंने 2015 में फिलीपीन की अपनी यात्रा के दौरान किया था।

ट्रंप और जेलेंस्की ने वेटिकन में की मुलाकात,रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा

रोम। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार से पहले शनिवार को मुलाकात की और रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच चर्चा बहुत सकारात्मक रही और बाद में और अधिक विवरण जारी किए जाएंगे। वेटिकन के सेंट पीटर बेसीलिका के अंदर यह बैठक लगभग 15 मिनट तक हुई। अंतिम संस्कार के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा अच्छी मुलाकात हुई। हमने लोगों की जान की रक्षा करना, पूर्ण और बिना शर्त युद्धविराम, विश्वसनीय और स्थाई शांति आदि पर चर्चा की और अच्छे नतीजों की उम्मीद है। ट्रंप ने दोनों पक्षों पर युद्धविराम के लिए सहमत होने का दबाव बनाया है। उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शुक्रवार को मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और ट्रंप ने कहा कि दोनों पक्ष समझौते के बहुत करीब हैं। पुतिन, फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए क्योंकि उनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उन पर युद्ध अपराधों का आरोप है। इस बीच कीव में स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यूक्रेन में रूस ने रात भर हमले किए जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। ये हमले ऐसे वक्त हुए जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जेलेंस्की ने वेटिकन सिटी में मुलाकात कर रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रोकने पर चर्चा की। स्थानीय गवर्नर वादिम फिलाशकिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया की यूक्रेन के पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र के यारोवा शहर में हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत : मानवाधिकार समूह

» अबुजा, भाषा।

नाइजीरिया में जम्फारा राज्य के एक गांव में हथियारबंद लोगों ने कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी और दर्जनों को घायल कर दिया। एक मानवाधिकार समूह ने यह जानकारी दी। एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि बंदूकधारी मोटरसाइकिलों पर सवार होकर बृहस्पतिवार दोपहर को डैन गुलबी जिले के गोबिरावा चाली गांव पहुंचे और उन्होंने वहां लोगों पर हमला कर दिया।

उसने बताया कि बंदूकधारियों ने सबसे पहले सोने की एक खदान को निशाना बनाकर 14 लोगों की हत्या की। इसके बाद उन्होंने घरों और एक मस्जिद में लोगों पर हमले किए। उसने बताया कि इन हमलों में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। हमले का संभावित मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो सका है लेकिन इस प्रकार के समूह संघर्ष-ग्रस्त उत्तरी क्षेत्र में फिरौती के लिए सामूहिक हत्याएं एवं अपहरण करने के लिए जाने जाते हैं।

राजई बंदरगाह ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 1,050 किलोमीटर दूर होर्मुज जलडमरूमध्य पर स्थित है

ईरान में बंदरगाह पर भीषण विस्फोट, 516 लोग घायल

» तेहरान, भाषा।

ईरान में शनिवार को एक बंदरगाह पर हुए विस्फोट में घायल हुए लोगों की संख्या बढ़कर 516 हो गई है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी। यह विस्फोट ईरान के कंटेनजर जहाजों के लिए एक प्रमुख केंद्र बंदर अब्बास के बाहर राजई बंदरगाह पर हुआ। सोशल मीडिया पर प्रसारित कई वीडियो में विस्फोट के बाद काला धुआं उठता दिख रहा है। एक वीडियो में विस्फोट स्थल से कई किलोमीटर दूर स्थित इमारतों के शीशे टूटते हुए दिख रहे हैं।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन अधिकारी मेहरदाद हसनजादेह ने ईरानी सरकारी टीवी को बताया कि प्रथम प्रतिक्रिया दल उस क्षेत्र में पहुंचने का प्रयास कर रहा है, जबकि अन्य लोग घटनास्थल को खाली करने का प्रयास कर रहे हैं। हसनज़ादेह ने कहा कि विस्फोट राजाई बंदरगाह से आए कंटेनरों से हुआ, लेकिन उन्होंने विस्तार से नहीं बताया। सरकारी टीवी ने यह भी बताया कि विस्फोट के कारण एक इमारत ढह गई, हालांकि तत्काल कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया। ईरान में औद्योगिक दुर्घटनाएं होती रहती हैं, खास तौर पर इसकी पुरानी तेल सुविधाओं में, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण संघर्ष कर रही हैं। राजई बंदरगाह ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 1,050 किलोमीटर दूर होर्मुज जलडमरूमध्य पर स्थित है। हॉर्मुज फारस की खाड़ी में एक संकरा मार्ग है, जिसके रास्ते 20 प्रतिशत तेल का व्यापार होता है। विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर शनिवार को ओमान में ईरान और अमेरिका के बीच तीसरे दौर की वार्ता हो रही है।

बंदरगाह पर हुए भीषण विस्फोट में 4 लोगों की मौत : ईरान

तेहरान। दक्षिणी ईरान के एक बंदरगाह पर भीषण विस्फोट और उसके बाद आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। देश के आपदा प्रबंधन संगठन के प्रमुख बाबाक महमूदी ने सरकारी टेलीविजन पर यह घोषणा की। बंदर अब्बास के ठीक बाहर शाहिद राजाई बंदरगाह पर हुए विस्फोट में कम से कम 516 अन्य लोग घायल हो गए हैं। यह इस्लामी गणराज्य के लिए कंटेनर शिपमेंट की एक प्रमुख सुविधा है, जहां से प्रति वर्ष लगभग आठ करोड़ टन माल की आवाजाही होती है। सोशल मीडिया पर वीडियो में धमाके के बाद काला धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। सरकारी मीडिया फुटेज में घायलों को एक अस्पताल में जमा होते हुए दिखाया गया है, जहां एम्बुलेंस पहुंच रही थीं और चिकित्सक एक व्यक्ति को स्ट्रेचर पर ले जा रहे थे। अधिकारियों ने कई घंटे बाद भी विस्फोट का कोई कारण नहीं बताया, हालांकि वीडियो से पता चला कि बंदरगाह पर जिस चीज में भी विस्फोट हुआ, वह अत्यधिक ज्वलनशील थी। ईरान में औद्योगिक दुर्घटनाएं होती रहती हैं, खास तौर पर इसके पुराने तेल संयंत्रों में। लेकिन ईरानी सरकारी टीवी ने विस्फोट के कारण किसी भी ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचने की संभावना को खारिज कर दिया। प्रांतीय आपदा प्रबंधन अधिकारी मेहरदाद हसनजादेह ने ईरानी सरकारी टीवी को बताया कि प्रथम प्रतिक्रिया दल उस क्षेत्र में पहुंचने का प्रयास कर रहा है, जबकि अन्य लोग घटनास्थल को खाली करने का प्रयास कर रहे हैं।